राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण रविवार 13 जुलाई 2025 वर्ष-8,अंक-144 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

1.18 करोड़ के इनामी 23 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण, नक्सल उन्मूलन अभियान को मिली बड़ी सफलता

सुकमा (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में पुलिस और प्रशासन को आज नक्सल उन्मूलन अभियान में बड़ी कामयाबी मिली है। कुल 1 करोड़ 18 लाख रुपये के इनामी 23 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा से जुड़ने का फैसला लिया है। आत्मसमर्पण करने वालों में कई कुख्यात हार्डकोर नक्सली भी शामिल हैं, जो वर्षों से सुरक्षा बलों के लिए चुनौती बने हुए थे। पुलिस के मुताबिक, आत्मसमर्पित नक्सलियों में 1 डीवीसीएम (डिविजनल कमेटी सदस्य), 6 पीपीसीएम (प्रोटेक्शन प्लाटून कमांडर), 4 एसीएम (एरिया कमेटी मेंबर) और 12 सक्रिय पार्टी सदस्य शामिल हैं। आत्मसमर्पण करने वालों में 9 महिलाएं और 14 पुरुष शामिल हैं, जिनमें तीन नक्सली दंपति भी हैं। बताया गया है कि आत्मसमर्पित नक्सली राज्य सरकार की छत्तीसगढ़ नक्सलवादी आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति और नियद नेल्ला नार योजना से प्रभावित हुए हैं। इसके अलावा सुदूर इलाकों में सुरक्षा बलों की मजबूत उपस्थिति, नए सुरक्षा कैंपों की स्थापना और लगातार बढ़ते दबाव के चलते नक्सलियों ने आत्मसमर्पण करने का निर्णय लिया। सरकार द्वारा जिन नक्सलियों पर इनाम घोषित था, उनका विवरण इस प्रकार है: 11 नक्सलियों पर रु. 8-8 लाख का इनाम, 4 नक्सलियों पर रु. 5-5 लाख का इनाम, 1 नक्सली पर रु. 3 लाख का इनाम7 नक्सलियों पर रु. 1-1 लाख का इनाम इस तरह कुल घोषित इनामी राशि रु. 1.18 करोड़ रही, जो अब तक के सबसे बड़ी आत्मसमर्पण घटनाओं में से एक मानी जा रही है।

आतंकी पन्नू की कपिल शर्मा को धमकी

अमृतसर (एजेंसी)। खालिस्तान आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने कॉमेडियन कपिल शर्मा को कनाडा में कैफे खोलने पर धमकी दी है। पन्नू ने वीडियो जारी करके कहा कि कपिल खुद को हिंदूवादी बताता है। उसके कैफे पर फिर गोलियां चलाई जा सकती हैं और खालिस्तानी समर्थकों पर आरोप लगाए जा सकते हैं। पन्नू ने कहा कि भारत के लोग कनाडा के सर्रे शहर में निवेश कर रहे हैं। क्या कपिल का कैफे सिर्फ एक कॉमेडी कैफे है या हिंदुत्व का वैश्विक विस्तार करने की एक रणनीति का हिस्सा है? ये लोग कनाडा में बिजनेस कर रहे हैं, भारत में क्यों नहीं? जब वो कनाडा के कानून को नहीं मानते तो यहां क्यों आ रहे हैं, ये कोई खेल का मैदान नहीं है। अपना पैसा लेकर वापस हिंदुस्तान जाओ। यहां हिंदुत्व विचारधारा नहीं चलेगी।

चार मंजिला इमारत ढही, 2 की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के वेलकम इलाके में शनिवार सुबह चार मंजिला इमारत ढह गई। हादसे में दो लोगों की मौत हो गई जबकि एक साल के बच्चे समेत आठ लोग घायल हो गए। बिल्डिंग में 10 लोगों का एक परिवार रहता था। इमारत के सामने वाले घर में रहने वाले अनीस अहमद अंसारी ने बताया कि जैसे ही इमारत गिरी, उसका मलबा हमारे घर पर आ गिरा। इस वजह से मैं भी घायल हो गया। एक अधिकारी ने बताया कि सुबह 7 बजे सीलमपुर में ईदगाह रोड के पास जनता कॉलोनी की गली नंबर 5 में इमारत गिरने की सूचना मिली थी।

यूट्यूब कर रहा बदलाव, अब कंटेंट ओरिजनल और वास्तविक होना चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑनलाइन वीडियो स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म यूट्यूब अपनी मोनेटाइजेशन पॉलिसी में बदलाव कर रहा है। ये पॉलिसी 15 जुलाई 2025 से लागू होगी, जो यूट्यूब पार्टनर प्रोग्राम को लेकर है। मौजूदा वक्त में अगर आप यूट्यूब खोलते हैं, तब आपको एक जैसे ही कंटेंट दिखते हैं, इनसे निपटने के लिए यूट्यूब ये अपडेट ला रहा है। 15 जुलाई 2025 से यूट्यूब अपने पार्टनर प्रोग्राम रूल को कड़ा कर रहा है। नए नियमों के तहत मास प्रोड्यूस्ड, रिपिटेटिव और इनऑथेंटिक कंटेंट्स का एड रेवेन्यू कम होगा। हालांकि, कंपनी ने किसी चैनल को मोनेटाइजेशन करने की शर्तों को नहीं बदला है। यानी चैनल मोनेटाइज कराने के लिए आपके पास 1000 से ज्यादा सब्सक्राइबर्स होने चाहिए। इसके अलावा चैनल पर 12 महीनों में 4000 पब्लिक वॉच आवर होने चाहिए या फिर 1 करोड़ शॉर्ट्स व्यू 90 दिनों में आने चाहिए। हालांकि, अब शर्त सिर्फ इतनी नहीं रहेगी, बल्कि आपका कंटेंट ओरिजनल और वास्तविक होना चाहिए। यूट्यूब ये अपडेट स्पैम और एआई कंटेंट की संख्या को कम करने और ओरिजनल कंटेंट को बढ़ावा देने के लिए लेकर आ रहा है। इस क्रिएटर्स जो इस अपडेट को मिस करते हैं, उन्हें डिमोनेटाइजेशन का सामना करना पड़ सकता है। एआई तकनीक की एंट्री के साथ ही यूट्यूब पर इसतरह के कंटेंट्स की बाढ़ सी आ गई है। कंपनी के हिसाब से इन लो-क्वालिटी मीडिया या कंटेंट को एआई की मदद से जनरेट किया जा रहा है। उदाहरण के लिए किसी फोटो पर आपको आसानी से एक एआई वॉयसओवर मिल जाएगा या फिर किसी वीडियो क्लिप पर एआई वॉयसओवर टाइप का कंटेंट आपको यूट्यूब पर मिल जाएगा।

16वां रोजगार मेला: पीएम मोदी ने 51 हजार युवाओं को बांटे जॉब लेटर, कहा- भारत की युवा शक्ति की गूंज मुझे विदेशों में भी सुनाई दी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को देशभर में आयोजित 16वें रोजगार मेले में 51 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए। कार्यक्रम में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जुड़े पीएम मोदी ने कहा कि भारत की युवा शक्ति की गूंज मुझे विदेशों में सुनाई दी है। रोजगार मेले का आयोजन देश के 47 अलग-अलग स्थानों पर किया गया।

कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, कि आपका सामर्थ्य भारत के भविष्य की गारंटी है। कार्य कोई भी हो, स्थान कोई भी हो, हमारा एक ही लक्ष्य है– राष्ट्र सेवा और नागरिक सेवा। इसी दौरान पीएम मोदी ने अपनी हाल की पांच देशों की यात्रा का जिक्र करते हुए कहा, कि दो दिन पहले ही पांच देशों की यात्रा से लौट कर आया हूं। हर देश में भारत की युवा शक्ति की गूंज सुनाई दी है। उन्होंने कहा कि इस यात्रा के दौरान जो भी समझौते हुए, उनसे युवाओं को लाभ होना ही है। कार्य, क्षेत्र और पद कोई भी हो लेकिन, एक ही ध्येय राष्ट्र सेवा का है। इसी के साथ पीएम मोदी ने नौकरी पाने वाले युवाओं को सेवा का मूल मंत्र देते हुए इस नई यात्रा के लिए शुभकामनाएं दीं।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा, कि भारत की अर्थव्यवस्था आज दुनिया में तेज़ी से आगे बढ़ रही है और इसका श्रेय देश के नौजवानों को जाता है। उन्होंने मिशन मेन्युफैक्चरिंग और पीएलआई से रोजगार बनने की बात कही और बताया कि मेन्युफैक्चरिंग सेक्टर में हुए विस्तार और प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) योजना से 11 लाख नौकरियों का सृजन हुआ। मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स की संख्या 300 तक पहुंच चुकी है। इसी के साथ भारत का डिफेंस प्रोडक्शन 1.25 लाख करोड़ से ऊपर जा चुका है और देश अब सबसे ज्यादा लोकोमोटिव बनाने वाला देश बन गया है।

गरीबी से बाहर निकले 25 करोड़ लोग

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सरकारी योजनाओं की बदौलत 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर निकले हैं। वर्ल्ड बैंक जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठन भारत की इस प्रगति को मॉडल मानते हैं। उन्होंने कहा कि पीएम आवास योजना के अंतर्गत अब तक 4 करोड़ से अधिक पक्के घर बने हैं, जिससे मिस्त्री, मज़दूर, ट्रांसपोर्ट और सप्लाई चेन से जुड़े लाखों लोगों को रोजगार मिला है। ग्रामीण इलाकों में अधिकतर नौकरियां सृजित हो रही हैं।

अब तक 9.73 लाख से अधिक को मिला रोजगार

प्रधानमंत्री मोदी द्वारा 22 अक्टूबर 2022 को शुरू किए गए रोजगार मेले के पहले चरण से अब तक 9.73 लाख युवाओं को सरकारी नौकरियां दी जा चुकी हैं। पिछला मेला 26 अप्रैल 2025 को हुआ था, जबकि 12 फरवरी 2024 को 12वें मेले में 1 लाख से ज्यादा जॉब लेटर वितरित किए गए थे। रोजगार मेला केंद्र सरकार की एक पहल है जिसका उद्देश्य युवाओं को समयबद्ध तरीके से सरकारी सेवाओं से जोड़ना है। पहले चरण से अब तक आयोजित मेलों के माध्यम से केंद्र सरकार विभिन्न विभागों में नियुक्तियों की प्रक्रिया को तेज़ी से आगे बढ़ा रही है।

मैंने कन्या वध कर दिया है, मुझे मार दो..., राधिका के हत्या के बाद अपने भाई से बोला था दीपक यादव

गुरुग्राम (एजेंसी)। राधिका यादव हत्याकांड में राधिका यादव के चाचा विजय यादव ने बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि हत्याकांड के बाद उसने मुझसे कहा, 'भाई, मैंने कन्या वध कर दिया है। मुझे मार दो...' उसने कोई कारण नहीं बताया... उसने कहा कि उसका दिमाग खराब हो गया है। राधिका हत्याकांड में एक नए घटनाक्रम में, आरोपी पिता दीपक यादव को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

विजय यादव ने आगे कहा कि राधिका के पिता उसे सुबह 5 बजे ट्रेनिंग के लिए ले जाते थे और शाम को ट्रेनिंग चलने तक वापस लाते थे। उसने कहीं आना-जाना सब बंद कर दिया था। थाने में भी कहा था कि अगर फांसी का नियम है तो फांसी दे दो। वो टेनिस कोच थी। मेरे हिसाब से उसने अपनी कोई अकादमी नहीं खोली थी। ये लोग शुरू से ही अमीर थे। उसके पिता ने बहुत मेहनत की है। जब उनके गाँव में सबके कच्चे घर थे, तब उन्होंने पक्का घर बनाया। जब कोई खुद दोषी हो, तो उसे एहसास होने से बड़ी कोई सजा नहीं होती। गुरुग्राम पुलिस ने शनिवार को कहा कि पूर्व राज्यस्तरीय टेनिस खिलाड़ी राधिका यादव की अपनी अकादमी नहीं थी और वह अलग-अलग जगहों पर टेनिस कोर्ट बुक कर खिलाड़ियों को प्रशिक्षण देती थीं, जो उनके पिता को रास नहीं आ रहा था। गुरुग्राम के सेक्टर 57 में सुशांत लोक स्थित दोमंजिला मकान में बृहस्पतिवार को राधिका (25) की उनके पिता दीपक यादव (49) ने कथित तौर पर गोली मारकर हत्या कर दी थी। दीपक को शनिवार को शहर की एक अदालत में पेश किया गया, जिसने उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया। शुक्रवार को अदालत ने उसे एक दिन की पुलिस हिरासत में भेजा था, जिस दौरान पुलिस ने सेक्टर 57 में स्थित उसके घर से पांच गोलियां और एक कारतूस बरामद किया था। आरोपी को जांच के तहत उसके गांव पटौदी भी ले जाया गया। इससे पहले, पुलिस ने कहा था कि राधिका एक टेनिस अकादमी चलाती थीं, जो पिता-पुत्री के बीच विवाद का विषय बन गया था क्योंकि दीपक को अक्सर अपनी बेटी की कमाई पर निर्भर रहने के लिए ताना मारा जाता था।

सामने कांच पर फास्टैग नहीं लगाने वाले ब्लैकलिस्ट होंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। लूज फास्टैग रखने वाले यूजर्स को अब ब्लैकलिस्ट किया जाएगा। जानबूझकर फास्टैग को गाड़ी की विंडस्क्रीन पर न लगाने वाले हाईवे यूजर्स को लूज फास्टैग या टैग-इन-हैंड कहा जाता है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अनुसार, इससे ई-टोल कलेक्शन सिस्टम में गड़बड़ी आती है और बाकी यात्रियों को परेशानी होती है। गौरतलब है कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने फास्टैग के दुरुपयोग को रोकने के लिए कुछ नियम लागू किया है। अब अगर कोई ड्राइवर फास्टैग को गाड़ी की विंडशील्ड पर नहीं चिपकाता और उसे हाथ में रखकर टोल प्लाजा पर दिखाता है, तो उसका फास्टैग ब्लैकलिस्ट कर दिया जाएगा।

केरल में बीजेपी मुख्यालय का उद्घाटन कर शाह ने भरी हुंकार... विकसित केरल अब बीजेपी का मिशन

विकसित भारत का मार्ग विकसित केरल से होकर जाता

तिरुवनंतपुरम, (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम में भाजपा की केरल इकाई के मुख्यालय का उद्घाटन किया। केरल भाजपा अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर भी इस मौके पर मौजूद रहे। इस दौरान केंद्रीय मंत्री और बीजेपी के चाणक्य शाह ने कहा कि केरल एक पवित्र भूमि है, क्योंकि यहीं श्री आदि शंकराचार्य जैसी महान आत्मा का जन्म हुआ था। आज, मैं श्री आदि शंकराचार्य की पुण्य आत्मा को नमन करता हूँ। आज केरल में भाजपा कार्यालय का उद्घाटन कर मैं उन सभी पार्टी कार्यकर्ताओं के बलिदान को याद कर रहा हूँ जिन्होंने अपनी लगन और निष्ठा से हमारी पार्टी की विचारधारा को आगे बढ़ाया है। मैं उनके बलिदान को नमन करता हूँ।

शाह ने कहा कि भाजपा ने कार्यकर्ता सम्मेलन को अन्य राजनीतिक दलों के सार्वजनिक सम्मेलनों जितना ही बड़ा बना दिया है और यह केरल में भाजपा के भविष्य का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि केरल के विकास के लिए प्रधानमंत्री मोदी के तीन मुख्य दृष्टिकोण हैं, भ्रष्टाचार रहित शासन, सरकारी योजनाओं में कोई भेदभाव नहीं और राजनीतिक लाभ से परे केरल का विकास होगा। उन्होंने कहा कि भाजपा और माकपा दोनों ही कैडर-आधारित पार्टियाँ हैं, लेकिन दोनों ही दलों में एक बड़ा अंतर है। केरल में कैडर कल्याण राज्य के विकास से बड़ा है, जबकि भाजपा के लिए कैडर से ऊपर विकसित केरलम है।

शाह ने कहा कि विकसित भारत का मार्ग विकसित केरल से होकर जाता है। शक्तिशाली दक्षिणी राज्यों के विकास के बिना, एक विकसित भारत संभव नहीं हो सकता है। विकसित केरल अब भारतीय जनता पार्टी का मिशन बन गया है। शाह ने इस साल होने वाले स्थानीय निकाय चुनावों और अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी के अभियान की शुरुआत करने से पहले शनिवार को तिरुवनंतपुरम में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रदेश समिति के नए कार्यालय मरार्जी भवन का उद्घाटन किया।

शाह ने पार्टी का झंडा फहराया, भवन के सामने एक पौधा लगाया और परिसर में प्रवेश करने के लिए रिबन काटा तथा नए कार्यालय के आधिकारिक उद्घाटन के अवसर पर पारंपरिक दीप प्रज्वलित किया। शुक्रवार देर रात केरल पहुंचे केंद्रीय गृह मंत्री ने भाजपा की केरल इकाई के पूर्व अध्यक्ष दिवंगत के जी मरार की कांस्य प्रतिमा पर भी पुष्पांजलि अर्पित की, जिसे नए भवन के केंद्रीय कक्ष में स्थापित किया गया है।

राहुल ने चुनाव आयोग को भाजपा का विंग बताने पर भड़के धर्मेंद्र प्रधान

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के लिए नाच न जाने आंगन टेढ़ा कहावत का उपयोग किया है। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में संविधान बचाओ सम्मेलन को संबोधित करते हुए चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए। इस पर भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री प्रधान भड़क उठे। राहुल ने रैली में कहा कि चुनाव आयोग (ईसीआई) अब भाजपा का एक विंग बन चुका है और बिहार में भी महाराष्ट्र जैसी चुनाव चोरी की साजिश रची जा रही है। इस पर केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने उन पर करारा हमला बोला है। प्रधान ने कांग्रेस की भुवनेश्वर रैली को राजनीतिक पर्यटन करार देते हुए एक्स पर लिखा कि राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे जी द्वारा भुवनेश्वर, ओडिशा में आयोजित संविधान बचाओ रैली दरअसल कांग्रेस के शहज़ादे का एक और राजनीतिक पर्यटन था। यह संविधान बचाओ नहीं बल्कि 'राहुल गांधी और कांग्रेस बचाओ 'समावेश है। ओडिशा में भाजपा की जनहितैषी सरकार के प्रति जनता का अडिग विश्वास कांग्रेस को परेशान कर रहा है। ओडिशा में कांग्रेस का कोई वजूद और अस्तित्व ही नहीं है, ओडिशा के गरीब, दलित, आदिवासी, किसान और मजदूरों ने कांग्रेस को दशकों पहले नकार दिया था। ऐसे में राहुल गांधी का ओडिशा के गरीबों के हित की बात करना छलावे के अतिरिक्त कुछ नहीं है।

अहमदाबाद विमान हादसा... जांच रिपोर्ट में खुलासा.. फ्यूल स्वीच ऑफ... दोनों इंजन बंद होने से विमान गिरा

अहमदाबाद (एजेंसी)। अहमदाबाद में दुर्घटनाग्रस्त हुए एयर इंडिया विमान के ब्लैक बाक्स की जांच में पता चला है कि विमान का फ्यूल कटआफ स्वीच बंद होने से विमान के दोनों इंजनों को ईंधन सप्लाय बंद हो गया और टेकऑफ के कुछ सेकंड ही बाद विमान की स्पीड धीमी हुई और क्रैश हो गया।

12 जून को अहमदाबाद से लंदन जा रहे विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के मामले में भारत के विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो ने हादसे के कारणों की अब 15 पेज की शुरुआती रिपोर्ट जारी की। इसमें तकनीकी कारणों का खुलासा हुआ है। रिपोर्ट में बताया गया है कि उड़ान भरने के ठीक बाद दोनों इंजन के फ्यूल कटऑफ स्वीच रन से कटऑफ की स्थिति में आ गए थे, वो भी सिर्फ एक सेकंड के अंतराल में। इसके बाद दोनों इंजनों की थ्रस्ट क्षमता पूरी तरह खत्म हो गई और विमान अहमदाबाद स्थित मेडिकल कॉलेज के होस्टल पर जा गिरा।

आपातकालीन बिजली सप्लाय भी काम नहीं कर पाई

रिपोर्ट के अनुसार दोनों इंजन में रीलाइट की प्रक्रिया शुरू हुई। विमान के एक इंजन ने थोड़ी देर के लिए काम करना शुरू किया, लेकिन दूसरा इंजन पूरी तरह से स्पीड रिकवर नहीं कर पाया। इस दौरान पावर यूनिट भी ऑटोस्टार्ट मोड में सक्रिय हुआ, लेकिन वह भी विमान को स्थिर नहीं कर पाया। एयरपोर्ट के सीसीटीवी फुटेज की जांच के बाद यह सामने आया कि टेकऑफ के तुरंत बाद विमान का आपातकालीन पंखा बाहर आ गया। आमतौर पर यह तभी बाहर निकलता है, जब विमान की बिजली सप्लाई में समस्या आती है।

इसका मतलब है कि इंजन बंद होने के कारण विमान की मेन पावर सप्लाई भी प्रभावित हुई थी। रैम एयर टर्बाइन एक छोटा प्रोपेलर जैसा उपकरण होता है, जो दोनों इंजन के बंद होने या पावर सप्लाई बंद होने अथवा हाइड्रोलिक विफलता पर स्वचालित रूप से तैनात हो जाता है। यह विमान को ऊंचाई बनाए रखने में मदद करता है। आरएटी आपातकालीन शक्ति उत्पन्न करने के लिए हवा की गति का उपयोग करता है।

फ्यूल कट आफ स्वीच कैसे बंद हुआ

विमान दुर्घटना में फ्यूल स्वीच बंद होने का कारण पता लगने के बाद अब जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि फ्यूल कटआफ स्वीच कैसे बंद हुआ। कहीं इसमें फ्यूल रिफील करने वाले कर्मचारियों की गलती तो नहीं है। हालांकि वर्ष 2018 में विमान की जांच के दौरान तकनीकी विशेषज्ञों ने इस बारे में एयर इंडिया को सचेत किया था, लेकिन उन्होंने इस बात पर कोई ध्यान नहीं दिया। इस मामले की भी जांच हो सकती है।

दोनों पायलटों की चंद सेकंड की बात... एक ने दूसरे से पूछा...फ्यूल क्यों बंद किया

इस दौरान दोनों पायलटों के बीच बातचीत होती है। एक पायलट ने पूछा- आपने फ्यूल क्यों बंद कर दिया? इस पर दूसरे पायलट ने जवाब दिया- मैंने ऐसा नहीं किया। इस बातचीत के कुछ सेकंड बाद ही प्लेन की स्पीड धीमी होने लगती है और यह विमान मेडिकल कॉलेज की बिल्डिंग से जा टकराता है।

पायलट कोशिश के बाद क्रैश से नहीं बचा पाए

रिपोर्ट के मुताबिक, हादसे वाले विमान में दोनों इंजनों के फ्यूल स्विच बंद थे, जिसके बाद पायलटों ने इसे चालू किया और दोनों इंजन को दोबारा शुरू करने की कोशिश की थी। लेकिन विमान बहुत कम ऊंचाई पर था, इसलिए इंजनों को दोबारा ताकत पाने का समय नहीं मिल सका और विमान क्रैश हो गया। हालांकि ये सामने नहीं आया है कि फ्यूल स्विच बंद कैसे हुए थे। 15 पन्नों की रिपोर्ट के मुताबिक, टेकऑफ से लेकर हादसे तक की पूरी उड़ान करीब 30 सेकेंड ही चली।

14 को शुभांशु शुक्ला अंतरिक्ष से करेंगे वापसी, नासा करेगा सीधा प्रसारण

-यह ड्रैगन यान सुबह कैलिफोर्निया तट के पास सागर में करेगा लैंड

नई दिल्ली (एजेंसी)। नासा ने घोषणा की है कि वह अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) से एक्सियम मिशन-4 के वहां से धरती पर वापस आने का सीधा प्रसारण करेगा। यह मिशन एक निजी अंतरिक्ष यात्री मिशन है, जिसमें भारत के शुभांशु शुक्ला समेत चार अंतरिक्ष यात्री भी शामिल हैं। एक्सियम मिशन-4 की वापसी 14 जुलाई को सुबह 7:05 बजे अंतरिक्ष स्टेशन के हॉर्मनी मॉड्यूल के स्पेस-फेसिंग पोर्ट से स्पेसएक्स ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट के जरिए हो सकती है। धरती में प्रवेश के बाद यह यान कैलिफोर्निया तट के पास सागर में लैंड करेगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नासा की कवरेज सुबह 4:30 बजे हैच क्लोजिंग के साथ शुरू होगी और इसे नासा समेत कई सोशल मीडिया और स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स पर देखा जा सकेगा। 4:55 बजे चालक दल ड्रैगन यान में प्रवेश करेगा और हैच बंद की जाएगी। इसके बाद 6:45 बजे अंडॉकिंग कवरेज शुरू होगी और 7:05 बजे यान अंतरिक्ष स्टेशन से अलग होगा। प्रसारण यान के अलग होने के 30 मिनट बाद तक जारी रहेगी, जिसके बाद एक्सिओम स्पेस अपने प्लेटफॉर्म पर ड्रैगन की धरती पर वापसी और स्प्लैशडाउन का प्रसारण करेगा।

इस मिशन में शामिल अंतरिक्ष यात्रियों में पूर्व नासा अंतरिक्ष यात्री और एक्सिओम स्पेस में मानव अंतरिक्ष उड़ान की निदेशक पेगी व्हिटसन, इसरो के अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला, पोलैंड के ईएसए प्रोजेक्ट अंतरिक्ष यात्री स्लावोस उजनांस्की-विसनेव्स्की और हंगरी के हुनोर अंतरिक्ष कार्यक्रम से टिबोर कपू शामिल हैं। ये सभी अंतरिक्ष यात्री अंतरिक्ष में करीब दो सप्ताह का समय बिता चुके हैं और अब यह मिशन अपनी समाप्ति की ओर है। ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट के जरिए अंतरिक्ष से 580 पाउंड से ज्यादा वजन का वैज्ञानिक उपकरण और डेटा वापस लाया जाएगा, जिसमें नासा के हार्डवेयर के अलावा 60 से ज्यादा वैज्ञानिक प्रयोगों से जुड़े डेटा शामिल हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक इस मिशन की एक बड़ी विशेषता यह है कि यह नासा और इसरो के बीच सहयोग का हिस्सा है, जो अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और भारत के पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा की गई उस घोषणा का क्रियान्वयन है जिसमें यह वादा किया गया था कि एक भारतीय अंतरिक्ष यात्री को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन तक भेजा जाएगा। इस अभियान के तहत दोनों अंतरिक्ष एजेंसियों ने पांच संयुक्त वैज्ञानिक प्रयोग और दो इन-ऑर्बिट एसटीईएम प्रदर्शन किए हैं।

इसके साथ ही एक्सियम मिशन-4 ने पोलैंड और हंगरी के पहले अंतरिक्ष यात्रियों को भी आईएसएस पर भेजने का रिकॉर्ड बनाया है, जिससे यह मिशन वैश्विक अंतरिक्ष सहयोग का एक ऐतिहासिक उदाहरण बन गया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आतंकवाद में डिजिटल तकनीकों का बढ़ता उपयोग चिन्ताजनक

2024 तक दुनिया में 150 करोड़ से अधिक वीपीएन यूज़र्स हैं। इनमें से बड़ी संख्या एशिया और मध्य पूर्व से है, जहां सेंसरशिप या निगरानी से बचने के लिए इसका उपयोग किया जाता है। भारत में 12 से 14 करोड़ वीपीएन उपयोगकर्ता हैं। भारत वीपीएन यूज़र्स की संख्या में दुनिया के शीर्ष 3 देशों में शामिल है। वीपीएन का उपयोग कर आतंकी सोशल मीडिया और गुप्त चैनलों के ज़रिए युवाओं को बरगलाने और भर्ती करने का काम करते हैं। कुछ आतंकवादी समूह वीपीएन नेटवर्क का प्रयोग कर सरकारी वेबसाइटों, रक्षा प्रतिष्ठानों और बैंकिंग सिस्टम पर साइबर हमला करते हैं। दुनिया की एक तिहाई आबादी ऑनलाइन शॉपिंग करती है। इस साल ग्लोबल ई-कॉमर्स मार्केट के 7 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच जाने की उम्मीद है। इु

(लेखक- -ललित गर्ग)

टेरर फंडिंग पर नजर रखने वाली वैश्विक संस्था वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) की नई रिपोर्ट में आतंकवादी गतिविधियों में डिजिटल तकनीकों के बढ़ते उपयोग पर चिंता जताई गई है। इस रिपोर्ट ने वैश्विक सुरक्षा के समक्ष एक नई और गहन चुनौती की ओर संकेत करते हुए आतंकवादी गतिविधियों में डिजिटल तकनीकों के बढ़ते प्रयोग को गहन चिन्ताजनक बताया है। रिपोर्ट में ई-कॉमर्स, ऑनलाइन भुगतान, सोशल मीडिया, क्रिप्टोकरेंसी और डार्कनेट जैसे प्लेटफार्मों के माध्यम से आतंकवादी गतिविधियों के वित्तपोषण और संचालन के बढ़ते खतरे पर न केवल प्रकाश डाला गया है बल्कि गंभीर चिंता जताई गई है। रिपोर्ट ने आतंकवाद के एक अलग ही पहलू की ओर ध्यान खींचा है। इसमें बताया गया है कि टेक्नॉलजी तक आतंकी संगठनों की आसान पहुंच उन्हें और खतरनाक बना रही है। इससे निपटने के लिए वैश्विक स्तर पर नई रणनीति एवं नियंत्रण नीति की जरूरत है। विशेष रूप से पाकिस्तान जैसे देशों में पलने-बढ़ने वाले आतंकी संगठन इन तकनीकों का उपयोग कर न केवल फंडिंग जुटा रहे हैं, बल्कि गोपनीयता और पहुँच के नए मार्ग भी तलाश रहे हैं। इसके अलावा, आतंकवादी संगठन अब विकेंद्रीकृत मॉडल की ओर बढ़ रहे हैं, जैसेकि अल-कायदा क्षेत्रीय इकाइयों के माध्यम से स्थानीय स्तर पर धन जुटाना और संचालन करना। भारत ने समय-समय पर पाकिस्तान पोषित एवं पल्लवित आतंकवाद को बेनकाब करते हुए दुनिया से मिल रहे आर्थिक सहयोग पर चिन्ता जताई और कठोर कार्रवाई की मांग की, इस रिपोर्ट को भारत के रुख का समर्थन करने वाले एक महत्वपूर्ण कदम माना जा सकता है।

एफएटीएफ के मुताबिक, 2019 में पुलवामा और 2022 में गोरखपुर के गोरखनाथ मंदिर में हुए आतंकी हमलों के लिए ऑनलाइन प्लैटफॉर्म का इस्तेमाल किया गया। पुलवामा में आतंकियों ने आईईडी का इस्तेमाल किया था और इसे बनाने के लिए एल्युमिनियम पाउडर एमेजन से खरीदा गया था। गोरखपुर में हुए हमले में पैसों के लेनदेन में ऑनलाइन जरिया अपनाया गया। गोरखपुर वाले केस में आतंकी विचारधारा से प्रभावित शख्स ने इंटरनैशनल थर्ड पार्टी ट्रांजैक्शन और वीपीएन सर्विस का उपयोग किया था। इस तरह से उसने आईएसआईएल के समर्थन में विदेश में धन भेजा था और उसे भी बाहर से आर्थिक मदद मिली थी। वीपीएन एक डिजिटल तकनीक है जो इंटरनेट उपयोगकर्ता की लोकेशन और पहचान को छुपाती है। जब कोई व्यक्ति वीपीएन का उपयोग करता है, तो उसका इंटरनेट ट्रैफिक एक एन्क्रिप्टेड सुरंग के माध्यम से किसी अन्य देश के सर्वर से होकर गुजरता है। इससे उसकी वास्तविक पहचान छिप जाती है और वह सेंसरशिप, ट्रैकिंग और जियो-रिस्ट्रिक्शन से बच सकता है।

2024 तक दुनिया में 150 करोड़ से अधिक वीपीएन यूज़र्स हैं। इनमें से बड़ी संख्या एशिया और मध्य पूर्व से है, जहां सेंसरशिप या निगरानी से बचने के लिए इसका उपयोग किया जाता है। भारत में 12 से 14 करोड़ वीपीएन उपयोगकर्ता हैं। भारत वीपीएन यूज़र्स की संख्या में दुनिया के शीर्ष 3 देशों में शामिल है। वीपीएन का उपयोग कर आतंकी सोशल मीडिया और गुप्त चैनलों के ज़रिए युवाओं को बरगलाने और भर्ती करने का काम करते हैं। कुछ आतंकवादी समूह वीपीएन नेटवर्क का प्रयोग कर सरकारी वेबसाइटों, रक्षा प्रतिष्ठानों और बैंकिंग सिस्टम पर साइबर हमला करते हैं। दुनिया की एक तिहाई आबादी ऑनलाइन शॉपिंग करती है। इस साल ग्लोबल ई-कॉमर्स मार्केट के 7 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच जाने की उम्मीद है। भारत इस लिस्ट में फिलहाल सातवें नंबर पर है। लेकिन सवाल यह है कि इस डेटा के बीच अगर कुछ संदिग्ध लोग कुछ हजार डॉलर की खरीददारी करते हैं, जिसका इस्तेमाल आगे जाकर किसी आतंकी हमले में होता है, तो उसे चिह्नित कैसे किया जाए? एफएटीएफ ने कुछ दिनों पहले पहलगाम को लेकर कहा था कि इतना बड़ा आतंकी हमला बाहरी आर्थिक मदद के बिना संभव नहीं हो सकता। उसकी हालिया रिपोर्ट इसी बात को और पुष्ट कर देती है। आतंकियों ने अपने काम का तरीका बदल लिया है। वे इंटरनेट की दुनिया की ओट ले रहे हैं, जो ज्यादा खतरनाक है।

एफएटीएफ की रिपोर्ट में कहा गया है कि आतंकवादी समूहों ने अब पारंपरिक धन स्रोतों के साथ-साथ क्रिप्टोकरेंसी जैसे डिजिटल वित्तीय माध्यमों का भी उपयोग करना शुरू कर दिया है। ये माध्यम उन्हें सरकार की नजरों से बचाते हुए सीमाओं के पार फंडिंग जुटाने की सहूलियत देते हैं। साथ ही, एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग ऐप्स, फेक सोशल मीडिया अकाउंट्स, और ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म्स का इस्तेमाल कर वे अपने नेटवर्क का विस्तार कर रहे हैं। पाकिस्तान एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट से बाहर भले हो गया हो, लेकिन उसके खिलाफ लगे आरोपों में कोई कमी नहीं आई है। अनेक ग्लोबल इंटेलिजेंस रिपोर्ट्स और एफएटीएफ ऑब्ज़र्वेशन्स इस बात की पुष्टि करती हैं कि पाकिस्तान में आतंकी गुटों को डिजिटल इकोसिस्टम का खुले तौर पर उपयोग करने दिया जा रहा है, या कभी-कभी सरकार की मौन सहमति से। उदाहरण के रूप में लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे संगठनों ने बिटकॉइन और अन्य डिजिटल टोकन के जरिए फंड जुटाने की नई तरकीबें अपनाई हैं। कई मामलों में आतंकी फंडिंग के लिए फर्जी चैरिटेबल ट्रस्ट और सामाजिक मीडिया अभियानों का सहारा लिया गया है। 'ग़ज़वा-ए-हिंद' जैसे डिजिटल प्रोपेगेंडा प्लेटफॉर्म्स पाकिस्तानी ज़मीन से संचालित होकर भारत में कट्टरपंथ को बढ़ावा देने में लगे हैं।

भारत के विरुद्ध हाइब्रिड वारफेयर और साइबर जिहाद की रणनीति पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठनों की नीति का हिस्सा बन चुकी है। एफएटीएफ की रिपोर्ट में यह स्पष्ट रूप से कहा गया है कि दक्षिण एशिया में भारत सबसे अधिक प्रभावित देश है, जहां डिजिटल माध्यम से न केवल फंडिंग, बल्कि ब्रेनवॉशिंग और भर्ती का कार्य भी तेजी से हो रहा है। जम्मू-कश्मीर में सोशल मीडिया के माध्यम से युवाओं को आतंकी संगठनों की ओर आकर्षित किया जाता है। उत्तर पूर्व में उग्रवादी संगठनों को डिजिटल भुगतान और चैनलों के माध्यम से सहायता मिलती रही है। एफएटीएफ ने पाकिस्तान समेत उन सभी देशों से अपेक्षा की है कि वे डिजिटल वित्तीय निगरानी तंत्र को मजबूत करें। क्रिप्टो ट्रांजेक्शन पर नियमित रिपोर्टिंग सुनिश्चित करें। आतंकी संगठनों के ऑनलाइन अस्तित्व को समाप्त करने के लिए तकनीकी टूल्स विकसित करें। एफएटीएफ का चेतावनी के स्वरों में यह भी कहना है कि यदि आतंक के गढ़ एवं आतंकवाद को पोषित करने वाले इन देशों ने इन सिफारिशों पर अमल नहीं किया तो उन्हें 'हाई रिस्क जॉन' की सूची में डाला जा सकता है। भारत को इस डिजिटल आतंकी खतरे से निपटने के लिए सभी सुरक्षा एजेंसियों के समन्वय से एक संयुक्त रणनीति बनानी चाहिए-क्रिप्टो ट्रांजेक्शन की रियल-टाइम निगरानी, साइबर आतंकवाद पर विशेष फोर्स का गठन, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स से आतंकी कंटेंट की पहचान और हटाने के लिए मजबूत कानून, डार्क वेब और फेक डोनेशन चैनलों की सतत निगरानी आदि कदम उठाने चाहिए।

डिजिटल तकनीक ने जहां मानव जीवन को सरल और तेज़ किया है, वहीं इसका दुरुपयोग करके आतंकवाद को नया चेहरा देने की कोशिशें चिंता का विषय हैं। एफएटीएफ की चेतावनी को गंभीरता से लेने और वैश्विक सहयोग को मजबूत करने की जरूरत है। विशेष रूप से पाकिस्तान जैसे देशों पर अंतरराष्ट्रीय दबाव बनाना होगा ताकि वे अपनी धरती पर पनप रहे आतंकवाद एवं डिजिटल आतंकवाद के अड्डों को समाप्त करें। तभी एक सुरक्षित डिजिटल विश्व और शांतिपूर्ण वैश्विक समाज की कल्पना की जा सकती है। एफएटीएफ रिपोर्ट विश्लेषण करती है कि आतंकवादियों ने अपने आतंकवादी उद्देश्यों के लिए वैश्विक दर्शकों से धन जुटाने के लिए सोशल मीडिया पर धन उगाहने वाले प्लेटफॉर्म और क्राउडफंडिंग माध्यमों से आतंकवाद के वित्तपोषण प्राप्त किया है। आतंकवादी संगठन पारंपरिक तरीकों के साथ-साथ डिजिटल तरीकों से भी धन जुटाकर आतंकवाद को अंजाम दे रहे हैं।

भारत ने एफएटीएफ रिपोर्ट को अपने रुख के समर्थन में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है, जिसमें पाकिस्तान स्थित आतंकवादी संगठनों पर कार्रवाई की मांग की गई है। यह रिपोर्ट आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और समन्वय की आवश्यकता पर प्रकाश डालती है। यह रिपोर्ट आतंकवाद के वित्तपोषण और संचालन में शामिल देशों और व्यक्तियों पर दबाव बढ़ाने और आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए नीतियों और रणनीतियों को विकसित करने में सहायक हो सकती है।

संपादकीय

आत्मीय अहसासों का कत्ल

गुरुवार को हरियाणा से आई दो निर्मम हत्याओं की घटनाओं ने हर किसी संवेदनशील इंसान को झकझोरा है। गुरुपूर्णिमा के दिन दो शिष्यों ने नारनौंद में एक गुरु को चाकुओं से गोद दिया। वहीं गुरुग्राम में किसी बात पर आगबबूला पिता ने नाजों से पाली बेटी की गोली मारकर हत्या कर दी। यूं तो ये घटनाएं करोड़ों लोगों में उंगली पर गिनी जानी वाली हैं, लेकिन इन घटनाओं में रिश्तों और आत्मीय अहसासों का कत्ल हुआ, इसलिये हर कोई विचलित हुआ। इन हृदयविदारक घटनाओं ने हर किसी को उद्वेलित किया कि आखिर हम कैसा समाज रच रहे हैं? क्यों हम जरा-जरा सी बात पर अपनों व समाज में अब तक आदरणीय स्थान रखने वाले के खिलाफ ऐसी क्रूरता दिखाने लगे हैं। यूं तो हर रोज समाचारों में ऐसी खबरें तैरती रहती हैं, जिसमें हम विश्वास व रिश्तों का कत्ल होते देखते हैं। राह चलते मामूली विवाद में हत्याएं हो जाती हैं। सड़क पर एक कार का दूसरी से स्पर्श हो जाए या पार्किंग विवाद हो, लोग जान लेने पर उतारू हो जाते हैं। लेकिन हरियाणा की दोनों घटनाएं अलग किस्म की हैं। अक्सर हम नई पीढ़ी के आक्रामक व्यवहार की बात करते हैं लेकिन गुरुग्राम में तो पिता ने अपनी पुत्री की हत्या कर दी। कतिपय समाचारपत्रों में गुरुग्राम में राज्य स्तरीय टेनिस खिलाड़ी की हत्या की वजह उसके रील बनाने का जुनून बताया गया, तो दूसरे पत्रों में बेटी द्वारा टेनिस अकादमी खोलने से पिता का नाराज होना। लेकिन ठंडे दिमाग से सोचें तो ये कोई ऐसी वजह नजर नहीं है कि पिता अपने ही जिगर के टुकड़े को गोली मार दे। जाहिर है विवाद व टकराव की लंबी पृष्ठभूमि होगी। नए दौर के बच्चे अति आत्मविश्वास से भरे हैं। उनमें उत्साह है, उमंग है तो बहुत कुछ करने का जज्बा भी है। उनके सपने बड़े हैं तो सोचने-समझने के तौर-तरीके भी जुदा हैं। वहीं पुरानी पीढ़ी के संघर्ष से व सीमित संसाधनों में पले-पढ़े लोग नई व अपने से पहले की पीढ़ी के बीच तेजी से बदलते परिवेश से सामंजस्य नहीं बैठा पा रहे हैं। निश्चित रूप से विकास की तीव्र गति के बीच हमारे जीवन में बहुत कुछ तेजी से बदला है। पुरानी पीढ़ी इस संक्रमणकाल से सामंजस्य स्थापित करने में सहज महसूस नहीं कर पा रही है। नई पीढ़ी की स्वच्छंदता और अपने बड़े फैसले खुद लेने की प्रवृत्ति पुरानी पीढ़ी को रास नहीं आ रही है। जिसका प्रतिकार वे हिंसक तरीके से करने लगे हैं। वहीं नारनौंद की घटना हमें आक्रामक होते किशोरों की हकीकत पर विचार करने को बाध्य करती है। दो छात्रों ने प्रिंसिपल की हत्या किस वजह से की, उसकी हकीकत की असली तस्वीर जांच के बाद ही सामने आएगी, लेकिन बात कोई भी हो किसी छात्र द्वारा गुरु की हत्या करने की वजह नहीं हो सकती। कहा जा रहा है कि प्रिंसिपल सख्त और बेहद अनुशासनप्रिय थे। लेकिन ये वजह किसी शिक्षक की हत्या को तार्किकता नहीं दे सकती। हत्या छात्र की हो या शिक्षक की, दोनों ही घटनाएं दुर्भाग्यपूर्ण हैं। एक दौर था कि अभिभावक खुद ही शिक्षक से कहा करते थे कि उनके पाल्य को कड़े अनुशासन में शिक्षा दीजिए। तब शिक्षक भी सख्ती करने से पीछे नहीं हटते थे। पढ़ाई ठीक से न करने और अनुशासन तोड़ने पर छात्रों की पिटाई आम बात हुआ करती थी। इस पर अभिभावक भी कोई बड़ी प्रतिक्रिया नहीं देते थे। लेकिन लगता है कि नई पीढ़ी के विद्यार्थी किसी भी सख्ती को बर्दाश्त करने को तैयार नहीं हैं। दरअसल, हमारे समाज में जिस आक्रामकता का विस्तार हुआ है, वह अब नई पीढ़ी के बच्चों में नजर आने लगी है। उनके अहम को जल्दी ठेस लग जाती है। वे कक्षा में किसी तरह की सख्ती, उलाहना और नसीहत सहने को तैयार नहीं हैं। इस पर जरा-सी ठेस लगने पर वे आक्रामक हो जाते हैं।

देश के सेना और वैज्ञानिक क़ो सम्मान करना चाहिए

(लेखक - संजय गोस्वामी)

आज सब अपना देखते हैं यही ख़र्ज है आज महंगाई में मिडिल क्लास का जीना हराम हो गया है सैलरी लगता खुब मिलता है लेकिन खर्च भी बढ़ता जा रहा है 100 रूपये का आज क्या वैल्यू है उसपर सब्जी का फल का रेट देखिए अब वो जमाना गया कि कैसे भी एडजस्ट करते थे और पढ़ाई भी सस्ती थी सब्जियाँ फल तो घर में ही उगा लेते थे और काम भी चल जाता था अब बिगबास्केट, ज़ेप्टो, ग्रोफर जैसी तमाम ग्रोसरी से लेकर फल सब्जियाँ देती है घर पर ही जो ताजी नहीं मिलती और बापस करने पर तमाम तरह के फोटो रिटर्न्स नहीं होगा और ठगा ठगा महसूस करता है बिगबास्केट तो बिल्कुल ख़राब समान दे रहा है कितनी बार फंगस लगा हुआ मिला और बार बार ऐसा होने पर अकाउंट ही लॉक कर दिया दरअसल मैं ऑनलाइन के चक्कर में नहीं रहता हूँ लेकिन ऐ आज फॅमिली की पसंद बन गई है पहले सब्जी खरीदने बाजार निकलते थे उससे कई गुना सस्ता समान आज भी आप सब्जियाँ बाजार से खरीद कर देंखे इससे आपके दो फायदा होगा आपका घूमना भी होगा और वहाँ भी जो अच्छा होगा आप चुन कर लेंगे और इसी बहाने फल भी खरीद लेंगे आप एक बार आजमाने की कोशिश करें हाँ किराना का सामान हो सकता है सस्ता ना मिले लेकिन घुन या फंगस लगा हुआ सामान नहीं मिलेगा क्योंकि वहाँ किराना स्टोर उसे फेंक देती है जबकी बिगबास्केट आदि यही सामान क़ो बिल्कुल एक्सपायरी डेट के करीब का देती है जो एक तरह से रोड पर मारा मारा फिरता है और कई तो उसे एक्सपायरी डेट क़ो ही रीप्रिंट कर देते है पहले सामान दिखा कर उसी के हिसाब से रेट मिलता था और सस्ता था उसे भी बेचना है आप दादर का भाजी मार्केट देखिए वहाँ कुछ समय सुबह तक खुब भाजी मिलता है जिसे जोमाटो और अन्य ऑनलाइन जो खाने का सामान देते है यहाँ तक की होटल भी निकला खुब लेते है सुबह में सुन्दर दीखता है और जैसे ही मुंबई महानगर के लोग सफाई के लिए आते है वो रोड पर मारा मारा फिरता है और क़ोई उसे भी लें जाता है शायद होटल के लिए अतः खाने पर बाहर का खाना ऑनलाइन खरीदने से बचें और जहाँ तक हो पैसे बचाने की कोशिश करें बहुत दु:ख होता है जब अंग्रेजो की लड़ाई सब मिलकर लड़े फिर भी गुलामी सा महसूस क्यों होता है अमेरिका एक बार नहीं सौ बार कहता है कि हम भारत और पाकिस्तान का सीज़फायर कराई अमीर लोग अमीर बनते जा रहे हैं और मध्यम वर्ग पीस रहा है कुछ दिन पहले किसी मरीज की हालत ख़राब थी एम्बुलेंस समय पर नहीं रहा और अपनी गाड़ी थोड़ी सी इधर से उधर हुई और चलाना कट गया और ऐ क़ोई मामूली रकम नहीं होता है जबकी रोडो का इतना गहरा गढ़ा टुटा फूटा कहीं कहीं लाइट नहीं है इसका कौन जिम्मेदार है एक तरफ चलान काटा गया लेकिन रोड की हालत भी देखिए आम आदमी हर जगह मारा जा रहा है क्या खाएगा क्या कमायेगा महंगाई का मतलब है वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों में सामान्य वृद्धि। इसे मुद्रास्फीति भी कहा जाता है। इसका मतलब है कि एक ही राशि में अब कम सामान और सेवाएं खरीदी जा सकती हैं, क्योंकि कीमतें बढ़ गई हैं। ्सरकार द्वारा अधिक पैसा छापना या खर्च करना भी महंगाई का कारण बन सकता है। युद्ध और प्राकृतिक आपदाएं्युद्ध या प्राकृतिक आपदाओं के कारण आपूर्ति बाधित होने से कीमतें बढ़ सकती हैं। महंगाई का प्रभाव्खरीद शक्ति में कमी्महंगाई से लोगों की खरीद शक्ति कम हो जाती है, क्योंकि वे अब एक ही राशि में कम सामान खरीद पाते हैं। बचत पर प्रभाव्महंगाई से बचत का मूल्य कम हो जाता है, क्योंकि मुद्रा का मूल्य गिर जाता है। महंगाई गरीबों पर अधिक प्रभाव डालती है, क्योंकि उनके पास अपनी आय बढ़ाने के सीमित विकल्प होते हैं। ्केंद्रीय बैंक ब्याज दरों को बढ़ाकर और पैसे की आपूर्ति को कम करके महंगाई को नियंत्रित कर सकता है। ्सरकार खर्च को कम करके और करों को बढ़ाकर महंगाई को नियंत्रित कर सकती है। ्सरकार कुछ वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों को नियंत्रित कर सकती है और सब्सिडी प्रदान कर सकती है पेनाल्टी कम करे जो गलती से हुआ हो.उच्च महंगाई आर्थिक विकास को धीमा कर सकती है, क्योंकि यह निवेश और खपत को कम करती है।आर्थिक विकास पर जोड़ देना जरुरी है और हमेशा दूसरे देश की निर्भरता क़ो कम करना छोटे उद्योग क़ो बढ़ावा देना सेना क़ो यदि फ्री हैंड दिया है तो करने दीजिये उसे जो करना है जब मेरा सेना में सेकेंड लेफ्टिनेंट पर सिलेक्शन हेतु एस एस बी में गया तो इंटरव्यू लेने वाले ने साफ कह दिया था कम्युनिकेशन स्किल बहुत जरुरी है जो मुझमें कमी थी अतः उन्होंने बताया वहाँ इतना सोचने का टाइम नहीं होता है तुरंत ही दुश्मन पर हमला किया जाता है और कुछ भी मिस अंडरस्टैंडिंग हुई तो दुश्मन तुरन्त हमला कर देगा और अब सेना के प्रवक्ता से ही ऐ बात निकल कर आ रही है कि पाकिस्तानी सेना क़ो टारगेट ना करने व आतंकवादी क़ो टारगेट करने पर कुछ राफेल नस्ट हुए जबकी वहाँ की सेना ही आतंकवादी के लिए ही बनी है अतः सेना क़ो कभी इसप्रकार की आदेश देने की जरुरत नहीं है और उनके साथ हमेशा विश्वास करना चाहिए देश सर्वोपरि है उससे किसी भी कीमत पर समझौता नहीं करनी चाहिए चाहे जंग कितनी लम्बी क्यों ना हो ्सप्लाई चेन मॅनॅग्मेंट का सही आकलन और तकनिकी पर फोकस करना चाहिए ब्रिक देशों के सम्मेलन में जाने के बाद भी अमेरिका का डॉलर ही चलने वाला है और अमेरिका की तकनिकी क़ो अपने वैज्ञानिक द्वारा हासिल करना आखिर हम क्यों नहीं बना पा रहें है अपनी लड़ाकू विमान इसमें बीते सालों में अच्छा कार्य हुआ जैसे तेजस बना लेकिन इंजन कावेरी अमेरिका से आयात करना पड़ता है और यही सब कमजोरी का अमेरिका फायदा उठा लेता है और उधर चीन जो भारत का सबसे बड़ा दुश्मन है जब किसी वस्तु या सेवा की मांग, उसकी आपूर्ति से अधिक हो जाती है, तो कीमतें बढ़ जाती हैं। ्कच्चे माल, श्रम या परिवहन की लागत में वृद्धि से भी कीमतें बढ़ सकती हैं।ऐसा नहीं है हमारे देश में प्रतिभा की कमी है लंबी दूरी की क्रूज मिसाइल पृथ्वी और अग्नि के विकास में उनके योगदान के लिए उन्हें देश में 'भारत के मिसाइल मैन' के रूप में बहुत माना जाता था। उन्होंने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के शुरुआती दिनों में इसे विकसित करने में भी योगदान दिया अतः अब जनता के पॉकेट क़ो खाली करने के बजाये सेना, वैज्ञानिक क़ो अधिक महत्व देना आवश्यक है।

(यह लेखक के व्य क्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ निवार्य नहीं है)

(चिंतन-मनन)

प्रकाशस्रोत परमात्मा

परमात्मा या भगवान ही सूर्य, चन्द्र तथा नक्षत्रों जैसी प्रकाशमान वस्तुओं के प्रकाशस्रोत हैं। वैदिक साहित्य बताता है कि वैकुंठ राज्य में सूर्य या चन्द्रमा की आवश्यकता नहीं पड़ती, क्योंकि वहां परमेश्वर का तेज विद्यमान है। भौतिक जगत में ब्रम्हज्योति या भगवान का आध्यात्मिक तेज भौतिक तत्वों से ढका रहता है। अतः हमें सूर्य, चन्द्र, बिजली आदि के प्रकाश की आवश्यकता पड़ती है। वैदिक साहित्य में स्पष्ट है कि भगवान आध्यात्मिक जगत (वैकुंठ लोक) में स्थित हैं। श्वेतातर उपनिषद में कहा गया है- आदित्यवर्ण तमसः परस्तात अर्थात वे सूर्य की भांति अत्यन्त तेजोमय हैं, लेकिन भौतिक जगत के अन्धकार से बहुत दूर हैं। उनका ज्ञान दिव्य है। वैदिक साहित्य पुष्टि करता है कि ब्रम्ह घनीभूत दिव्य ज्ञान है। जो वैकुंठ जाने का इच्छुक है, उसे परमेश्वर द्वारा ज्ञान प्रदान किया जाता है। एक वैदिक मंत्र है तं ह देवम आत्मबुद्धिप्रकाशं मुमुक्षुवै शरणामहं प्रपद्ये। अर्थात मुक्ति के इच्छुक मनुष्य को चाहिए कि वह भगवान की शरण में जाए। जहां तक चरम ज्ञान के लक्ष्य का सम्बन्ध है, वैदिक साहित्य से भी पुष्टि होती है-तमेव विदित्वाति मृत्युमेति यानी उन्हें जान लेने के बाद ही जन्म तथा मृत्यु की परिधि को लांघा जा सकता है।

वे प्रत्येक हृदय में परम नियन्ता के रूप में स्थित हैं। परमेश्वर के हाथ-पैर सर्वत्र फैले हैं लेकिन जीवात्मा के विषय में ऐसा नहीं कहा जा सकता। अतः मानना ही पड़ेगा कि कार्यक्षेत्र जानने वाले दो ज्ञाता हैं- एक जीवात्मा तथा दूसरा परमात्मा। पहले के हाथ-पैर किसी एक स्थान तक सीमित हैं जबकि कृष्ण के हाथ-पैर सर्वत्र फैले हैं। इसकी पुष्टि श्वेतातर उपनिषद में इस प्रकार हुई है। सर्वस्थ प्रभुमीशानं सर्वस्य शरणं बृहत यानी वह परमेश्वर या परमात्मा समस्त जीवों का स्वामी या प्रभु है। वह उन सबका चरम आश्रय है। अतः इस बात से मना नहीं किया जा सकता कि परमात्मा तथा जीवात्मा भिन्न हैं।

विचार मंथन

धोखाधड़ी ओर घोटाले बने भारत की पहचान?

(लेखक- सनत जैन)

2014 में जब नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने थे। तब उनकी छवि एक ऐसे सशक्त नेता के रूप में थी। जिसमें भ्रष्टाचार के लिए कोई स्थान नहीं था। सरकारी घोटाले और भ्रष्टाचार को रोकने के लिए, उन्होंने जो वायदे किए थे। उसके बाद यह माना गया था, उनके प्रधानमंत्री बनने के बाद भारत में भ्रष्टाचार घोटाला और अपराधों में भारी कमी आएगी। 11 वर्षों से नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री के पद पर हैं। इसके बाद भी घोटाले, भ्रष्टाचार और अपराधिक घटनाओं में कमी होने के स्थान पर लगातार वृद्धि हो रही है। दुनिया के देशों में भारत की एक नई छवि विकसित हो रही है। भारत को भ्रष्टाचार,घोटाले और धोखाधड़ी के सरताज के रूप में देखा जा रहा है। उत्तर प्रदेश के आर्थिक अपराध अनुसंधान के अधिकारियों ने 49000 करोड रुपए की ठगी का पर्दाफाश किया है। निवेशकों को लुभावूनी योजनाओं का झांसा देकर 49000 करोड रुपए की लूट की गई है। अपराध शाखा ने पर्ल्स एग्रोटेक कॉरपोरेशन लिमिटेड के मलिक गुरनाम सिंह को पंजाब के रोपड़ से गिरफ्तार किया है। यह भारत का सबसे बड़ा ठगी का घोटाला है। इसके पहले सीबीआई ने पोंजी स्कीम मामले में इसे गिरफ्तार किया था। यह जमानत पर चल रहा है। इसके बाद भी इसका ठगी और घोटाले का कारोबार चलता चला आ रहा है। इसी तरह का एक मामला मध्य प्रदेश के इंदौर में उजागर हुआ है। ट्रेडिंग के नाम पर निवेश की गई राशि को डबल करने के नाम पर पांच राज्यों के निवेशकों से ठगी की गई। 2400 करोड़ की ठगी का यह मामला इंदौर में सामने सामने आया है। यह ठगी एफएक्स और यार्कर कैपिटल फर्म के जरिए देश के पांच राज्यों में की गई है। इंदौर एसटीएफ को जांच के दौरान हरियाणा के एक कमरे से कंपनी चला रहे, मालिकों के पास से 300 करोड़ से ज्यादा के संदिग्ध लेनदेन के सबूत प्राप्त हुए हैं। इंदौर एसटीएफ ने 150 करोड रुपए की राशि को फ्रीज किया है। इन कंपनियों के बारे में सूचना केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय ईडी को दी गई है। उत्तर प्रदेश पुलिस ने झांगूर बाबा को धर्मांतरण के आरोप में गिरफ्तार किया है। उत्तर प्रदेश की पुलिस को 500 करोड़ रुपए से ज्यादा का विदेशी लेनदेन के सबूत मिले है। इस बाबा ने विदेशी धन का उपयोग धर्मांतरण के लिए किया है। इस तरह के अपराधों को रोकने के लिए ही केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय को असीमित अधिकार दिए गए थे। विदेश से जो धन आ रहा था, उसको पकड़ पाने में ईडी असफल साबित हुई। 2015 से 2025 के बीच में सैकड़ों घोटाले सामने आए है। उनके कोई सबूत नहीं थे, सरकारों ने राजनैतिक आरोप मानकर उनकी जांच भी नहीं कराई। जिसके कारण अधिकृत आंकड़े कभी सामने नहीं आए। जिन मामलों में जानकारी निकाल कर सामने आई है। इसमें एबीजी शिपयार्ड घोटाला लगभग 22800 करोड़ का है। 28 बैंकों के साथ धोखाधड़ी की गई है। नीरव मोदी का पंजाब नेशनल बैंक घोटाला लगभग 14000 करोड रुपए का है। इसने फर्जी दस्तावेजों के जरिए बैंकों को चूना लगाया और विदेश भाग गया। नीरव मोदी और मेहुल चौकसी आज भी भगडों की सूची में शामिल है। विजय माल्या की किंगफिशर एयरलाइंस घोटाला 9000 करोड रुपए का है। वह भी भारत छोड़कर विदेश में रह रहे हैं। पिछले 6 साल से उसे भारत लाने की कोशिश भारत सरकार कर रही है। अभी तक उन्हें भारत नहीं लाया जा सका है। 2018 से 2023 के बीच में अल्पसंख्यक पेंशन में 14483 करोड रुपए का घोटाला सामने आया। यह घोटाला 34 राज्यों में 1572 संस्थाओं के माध्यम से किया गया। अभी इसकी सीबीआई जांच ही चल रही है। कुछ खातों को फ्रीज कर दिया गया है, लेकिन मामला अभी भी ढाक के पात है। 2025 में उत्तर प्रदेश का बीमा घोटाला सामने आया है। इसमें बीमार लोगों को निशाना बनाकर बीमा पॉलिसी के जरिए करोड़ों रुपए की धोखाधड़ी की गई है। अरुणाचल में सरकारी धन के गबन का मामला सामने आया है, इसकी जांच चल रही है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह घोटाला किया गया है। यह भी करोड़ों रुपए का घोटाला है। बैंकिंग घोटाले और धोखाधड़ी की बात करना ही अब व्यर्थ हो गई है। 2015 से लेकर 2021 तक देश में ढाई लाख करोड रुपए की बैंकिंग धोखाधड़ी हुई है। महाराष्ट्र दिल्ली तेलंगाना गुजरात तमिलनाडु राज्यों में 83 फ़ीसदी घोटाले हुए हैं। बैंकों में साइबर धोखाधड़ी के मामले भी बढ़ते चले जा रहे हैं। 2015-16 में 67760 करोड रुपए की, 2020-21 में 10699.9 करोड रुपए की धोखाधड़ी दर्ज की गई थी। जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत में निवेश के लिए सऊदी कंपनियों को नड्डा का आमंत्रण

नई दिल्ली । सऊदी अरब की आधिकारिक यात्रा पर गए केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्री जे. पी. नड्डा ने शनिवार को सऊदी कंपनियों से भारत में निवेश के अवसरों का लाभ उठाने का आग्रह किया। उनके साथ भारतीय उर्वरक कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारी और प्रतिनिधि भी मौजूद थे। यात्रा के दौरान नड्डा ने सऊदी-भारत व्यापार परिषद के चेयरमैन अब्दुलअजीज अल कहतानी से मुलाकात की और दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। उन्होंने सऊदी अरब के पूर्वी प्रांत दम्मम में व्यापारिक समुदाय से भी संवाद किया और भारत में रसायन, उर्वरक और पेट्रोकेमिकल जैसे क्षेत्रों में निवेश की संभावनाओं को रेखांकित किया। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि मंत्री ने सऊदी कंपनियों को भारत में मौजूद व्यापक अवसरों के बारे में जानकारी दी और उन्हें साझेदारी के लिए आगे आने को प्रोत्साहित किया।

गिफ्ट सिटी से भारतीय विमानन उद्योग को सालाना मिलेंगे 5 अरब डॉलर

मुंबई । नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने कहा है कि गुजरात स्थित गिफ्ट सिटी (गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक-सिटी) के माध्यम से भारत में विमानों को पट्टे पर लेने की प्रक्रिया न केवल आसान हुई है, बल्कि इससे विमानन उद्योग को हर साल लगभग 5 अरब डॉलर तक का लाभ मिलने की संभावना है। गांधीनगर में स्थित गिफ्ट सिटी को विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) के रूप में विकसित किया गया है, जो विमान पट्टे की प्रक्रिया को कर लाभ और नियामकीय छूट के जरिए सरल बनाता है। इस क्षेत्र में पंजीकृत पट्टादाताओं को विमान आयात या पट्टे पर लेने के लिए पूर्व अनुमोदन की आवश्यकता नहीं होती, जिससे प्रक्रिया तेज और लागत प्रभावी हो गई है। नायडू ने पश्चिमी क्षेत्रीय विमानन मंत्रियों के सम्मेलन में कहा कि गिफ्ट सिटी की स्थापना के बाद, विमान पट्टे की लागत में 10 से 15 प्रतिशत की कमी देखी गई है, जिससे एयरलाइंस को बेड़े विस्तार में मदद मिल रही है। उन्होंने यह भी बताया कि भारत के 80 प्रतिशत वाणिज्यिक विमान पट्टे पर हैं, जिससे गिफ्ट सिटी की भूमिका और भी अहम हो जाती है।

डिविडेंड से कमाई के मामले में शिव नादर नंबर वन

प्रेमजी को पीछे छोड़ा, एक साल में कमाए 9,906 करोड़ रुपए

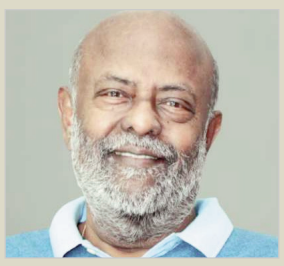

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2025 में एचसीएल टेक्नोलॉजीज के प्रवर्तक शिव नादर भारत के सबसे बड़े लाभांश अर्जित करने वाले कारोबारी बनकर उभरे। नादर परिवार को इस वर्ष 9,906 करोड़ रुपए का लाभांश मिला, जो पिछले साल की तुलना में अधिक है। इससे उन्होंने विप्रो के अजीम प्रेमजी को पछाड़ दिया, जिनकी लाभांश आय 50 फीसदी घटकर 4,570 करोड़ रुपए रह गई। एचसीएल टेक ने वर्ष 2025 में 16,290 करोड़ रुपए का लाभांश दिया, जिसमें नादर परिवार की हिस्सेदारी 60.82 फीसदी रही। वहीं, विप्रो ने इस वर्ष कोई शेयर पुनर्खरीद नहीं की, जिससे प्रेमजी परिवार की कुल आय प्रभावित हुई। दूसरे स्थान पर वेदांत समूह के अनिल अग्रवाल रहे, जिन्होंने 9,600 करोड़ रुपए कमाए। इसके बाद क्रमशः मुकेश अंबानी (3,655 करोड़), एस्टर डीएम हेल्थकेयर के एम ए मूपन (2,574 करोड़) और भारती एयरटेल के सुनील मित्तल (2,357 करोड़) रहे। इन्फोसिस के प्रवर्तकों की आय 2,327 करोड़ रुपए रही, जबकि सन फार्मा के दिलीप सांघवी परिवार को 2,091 करोड़ रुपए का लाभांश मिला। बजाज समूह के नीरज बजाज परिवार की आय 1,645 करोड़ रुपए रही, जो पिछले वर्ष से कम है। गौतम अदाणी परिवार 1,460 करोड़ रुपए के लाभांश के साथ शीर्ष 10 में शामिल हुआ, जिसमें सबसे अधिक 996 करोड़ रुपए अदाणी पोर्ट्स से प्राप्त हुए। यह आंकड़े दर्शाते हैं कि शेयरधारिता और कंपनी की नीति लाभांश आय को किस प्रकार प्रभावित करती है।

अगले हफ्ते खुल रहे हैं 3 नए म्युचुअल फंड, जानिए निवेश का पूरा प्लान

- फंड 14 जुलाई से लेकर 20 जुलाई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुले रहेंगे

नई दिल्ली ।

अगले सप्ताह निवेशकों के लिए म्युचुअल फंड की तीन नई योजनाएं बाजार में आ रही हैं। ये फंड 14 जुलाई से लेकर 20 जुलाई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेंगे और विभिन्न निवेश उद्देश्यों व जोखिम स्तरों के अनुसार डिज़ाइन किए गए हैं। इसमें शामिल हैं- निप्पॉन इंडिया निफ्टी 1डी रेट लिक्विड ईटीएफ, कैपिटलमाइंड फ्लेक्सी कैप फंड, और ग्रो बीएसई पावर ईटीएफ। निप्पॉन इंडिया निफ्टी 1डी रेट लिक्विड ईटीएफ एक ओपन-एंडेड डेट स्कीम है, जो 16 जुलाई से 18 जुलाई तक सब्सक्रिप्शन के लिए खुली रहेगी। इसमें निवेश की शुरुआत 1,000 रुपए से की जा सकती है। यह स्कीम बिना लॉक-इन अवधि और एग्जिट लोड के आती है। इस फंड का उद्देश्य सरकारी प्रतिभूतियों, ट्रेजरी बिल्स और रेपो साधनों में निवेश कर कम जोखिम के साथ उच्च तरलता और नियमित आय देना है। यह स्कीम लो रिस्क कैटेगरी में आती है। कैपिटलमाइंड फ्लेक्सी कैप फंड, एक ओपन-एंडेड इक्विटी फंड है, जो 18 जुलाई से 28 जुलाई 2025 तक खुला रहेगा। इसमें निवेश की न्यूनतम राशि 5,000 रुपए है। इस योजना में लॉक-इन तो नहीं है, लेकिन 12 महीने के भीतर निकासी करने पर एक फीसदी का एग्जिट लोड लगेगा। यह फंड लार्ज, मिड और स्मॉल कैप शेयरों में निवेश कर लॉन्ग टर्म में पूंजी वृद्धि का लक्ष्य रखता है। इसे हाई रिस्क स्कीम के रूप में वर्गीकृत किया गया है। ग्रो बीएसई पावर ईटीएफ एक थीमैटिक ओपन-

एंडेड इक्विटी फंड है, जो विशेष रूप से पावर सेक्टर में निवेश करेगा। यह फंड 18 जुलाई से 1 अगस्त तक सब्सक्रिप्शन के लिए खुला रहेगा और इसमें न्यूनतम 500 रुपए से निवेश संभव है। यह स्कीम बहुत अधिक जोखिम वाले निवेशकों के लिए उपयुक्त है, जो थीमैटिक सेक्टर ग्रोथ में विश्वास रखते हैं। निवेशक अपनी वित्तीय योजना, लक्ष्य और जोखिम झेलने की क्षमता के अनुसार इनमें से उपयुक्त फंड चुन सकते हैं।

'एक्स' ने भारत में सदस्यता शुल्क में की बड़ी कटौती

नई दिल्ली । सोशल नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म 'एक्स' ने भारत में अपने खाते की सदस्यता शुल्क में भारी कमी की है। कंपनी ने मोबाइल ऐप पर 'प्रीमियम' खाते का मासिक शुल्क 900 रुपए से घटाकर लगभग 470 रुपए कर दिया है, जो लगभग 48 प्रतिशत की कटौती है। वेबसाइट पर 'प्रीमियम' सेवा का शुल्क 650 से घटाकर 427 रुपए किया गया है। सामान्य ग्राहक के लिए मासिक शुल्क 243.75 रुपए से कम होकर 170 रुपए हो गया है, जबकि वार्षिक शुल्क 2,590.48 से घटाकर 1,700 कर दिया गया है। 'प्रीमियम प्लस' सदस्यता का मोबाइल संस्करण 3,470 से घटाकर 2,570 रुपये पर उपलब्ध है। इन बदलावों का उद्देश्य भारतीय उपयोगकर्ताओं के लिए सदस्यता सेवाओं को अधिक किफायती बनाना बताया गया है। 'एक्स' में प्रीमियम ग्राहकों को उनके नाम या आईडी के बगल में एक 'चेकमार्क' मिलता है, जो उनकी पहचान को विशेष बनाता है। कंपनी ने यह जानकारी अपने पोर्टल और सोशल मीडिया हैंडल के माध्यम से साझा की है।

आईफोन 17 के उत्पादन पर नहीं पड़ेगा असर

फॉक्सकॉन से चीनी इंजीनियरों की वापसी के बाद सरकार सतर्क

नई दिल्ली। एप्पल के प्रमुख विनिर्माण साझेदार फॉक्सकॉन के भारत स्थित संयंत्रों से सैकड़ों चीनी प्रौद्योगिकी विशेषज्ञों के लौटने के बाद संभावित उत्पादन व्यवधान की अटकलों के बीच केंद्र सरकार ने कहा है कि स्थिति पर निगरानी रखी जा रही है और एप्पल के पास विकल्प मौजूद हैं। सूत्रों के अनुसार फॉक्सकॉन के तमिलनाडु संयंत्र में कार्यरत ये इंजीनियर असेंबली लाइन, फैक्टरी डिजाइन और मशीनों के संचालन के लिए कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने जैसे कार्यों में माहिर थे। हालांकि, सरकार और उद्योग सूत्रों का मानना है कि इससे आईफोन 17 के उत्पादन पर कोई खास असर नहीं पड़ेगा। एप्पल सितंबर में इस नई श्रंखला को लॉन्च करने की तैयारी कर रहा है। सरकार ने कहा है कि कंपनियों को चीनी कर्मचारियों के वीज़ा में सुविधा दी गई है, लेकिन उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि उत्पादन में कोई बाधा न आए। उद्योग से जुड़े सूत्रों ने बताया कि एप्पल भारत में अपना उत्पादन तेजी से बढ़ा रहा है। कंपनी 2024-25 में आईफोन का उत्पादन बढ़ाकर लगभग 6 करोड़ यूनिट तक पहुंचाने की योजना पर काम कर रही है, जो वर्तमान में 3.5-4 करोड़ के आसपास है। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स भी इस उत्पादन में सहयोग कर रही है।

अनिश्चितता के कारण शेयर बाजार में लगातार दूसरे सप्ताह गिरावट रही

- सेंसेक्स और निफ्टी में एक फीसदी से अधिक की गिरावट दर्ज की गई

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार में लगातार दूसरे सप्ताह गिरावट का दौर जारी रहा। इस सप्ताह निवेशकों के मन में अमेरिका की टैरिफ योजना को लेकर बनी अनिश्चितता, अर्निंग सीजन की निराशाजनक शुरुआत और भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने में हो रही देरी ने बाजार में अस्थिरता पैदा कर दी। इन कारणों से प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में एक फीसदी से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। साप्ताहिक कारोबार के दौरान सोमवार को सेंसेक्स 170 अंक गिरकर 83,262 के स्तर पर खुला, हालांकि कारोबार के अंत तक इसमें मामूली सुधार हुआ और यह 83,442 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 53 अंक गिरकर 25,407 पर खुला और बाद में थोड़ा ऊपर 25,461 पर बंद हुआ। मंगलवार को भी दोनों सूचकांक गिरावट में खुले लेकिन दिन के अंत में सेंसेक्स 270 अंक की बढ़त के साथ 83,712 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 61 अंक की बढ़त लेकर 25,522 पर पहुंचा। बुधवार को वैश्विक बाजार के मिले-जुले रुख और टैरिफ अनिश्चितता के कारण बाजार में सतर्कता रही। सेंसेक्स शुरुआत में बढ़त के बावजूद अंत में 176 अंक गिरकर 83,536 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी भी 46 अंक नीचे 25,476 पर बंद हुआ। गुरुवार को हल्की गिरावट के साथ शुरुआत हुई और सेंसेक्स 345 अंक या 0.41 प्रतिशत गिरकर 83,190 पर बंद हुआ। निफ्टी भी

120 अंक नीचे 25,355 पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन शुक्रवार को बाजार में भारी दबाव रहा। सेंसेक्स 689 अंक गिरकर 82,500 के स्तर पर बंद हुआ, जो 0.83 प्रतिशत की गिरावट दर्शाता है। निफ्टी भी 205 अंक की गिरावट के साथ 25,149 पर बंद हुआ। कुल मिलाकर इस सप्ताह बाजार में निवेशकों की बेचैनी और सतर्कता देखने को मिली, जिसका कारण वैश्विक व्यापार अस्थिरता और घरेलू आर्थिक संकेतकों की कमजोर स्थिति रही। निवेशकों के लिए फिलहाल सतर्क रहना और आर्थिक नीतियों पर नजर बनाए रखना जरूरी है।

भारत का स्वर्ण भंडार इस सप्ताह में 34.2 करोड़ डॉलर बढ़ा

-आरबीआई ने जारी किए आंकड़े, विदेशी मुद्रा भंडार 699.736 अरब डॉलर पर

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक के नए साप्ताहिक आंकड़ों के मुताबिक देश का स्वर्ण भंडार इस सप्ताह में 34.2 करोड़ डॉलर बढ़कर 84.846 अरब डॉलर हो गया है। सोने के साथ-साथ, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास विशेष आहरण अधिकार भी 3.9 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.868 अरब डॉलर हो गया है। इसके अलावा आंकड़ों के मुताबिक आईएमएफ में भारत का आरक्षित भंडार भी 10.7 करोड़ डॉलर बढ़कर 4.735 अरब डॉलर हो गया। भंडार में यह बढ़ोतरी ऐसे समय में हुई है जब घरेलू और वैश्विक सर्राफा बाजारों में भारी तेजी देखी जा रही है। आरबीआई ने कहा कि 4 जुलाई को समाप्त सप्ताह में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 699.736 अरब डॉलर रहा। पिछले रिपोर्टिंग सप्ताह में, कुल मुद्रा भंडार 4.849 अरब डॉलर बढ़कर 702.784 अरब डॉलर हो गया था। सितंबर 2024 के आखिर में यह भंडार 704.885 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। डॉलर के संदर्भ में, विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी इकाइयों के मूल्यवृद्धि या मूल्यह्रास का प्रभाव शामिल होता है। शुक्रवार को भारत में सोने और चांदी की कीमतों में जबरदस्त उछाल आया और चांदी की कीमतें सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गईं। ज्वैलर्स एसोसिएशन के मुताबिक 24 कैरेट सोने की कीमत 465 रुपए बढ़कर 97,511 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई, जो एक दिन पहले 97,046 रुपए थी। 22 कैरेट सोने की कीमत बढ़कर 89,320 रुपए प्रति 10

ग्राम और 18 कैरेट सोने की कीमत 73,133 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई। इस बीच आखिरी कारोबारी दिन के पिछले 24 घंटों में चांदी की कीमतों में 2,356 रुपए की बढ़ोतरी हुई और चांदी ने 1,10,290 रुपए प्रति किलोग्राम का नया रिकॉर्ड बनाया गया। चांदी ने 18 जून को दर्ज 1,09,550 रुपए के पिछले सर्वकालिक उच्च स्तर को तोड़ दिया।

वैश्विक स्तर पर भी कीमती धातुओं में तेजी देखी गई। सोना 1.01 फीसदी बढ़कर 3,358 डॉलर प्रति औंस हो गया, जबकि चांदी 2.92 फीसदी बढ़कर 38.40 डॉलर प्रति औंस हो गई। विश्लेषक वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता और व्यापार शुल्कों को लेकर नई चिंताओं को सोने जैसी सुरक्षित निवेश परिसंपत्तियों की ओर रुझान का मुख्य कारण बता रहे हैं।

डीडीए की नई हाउसिंग स्कीम, दिल्ली में 177 नए फ्लैट होंगे उपलब्ध

नई दिल्ली । दिल्लीवासियों के लिए राहत की खबर है। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने राजधानी में प्रीमियम हाउसिंग स्कीम 2025 को मंजूरी दे दी है। उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना की अध्यक्षता में हाल ही में हुई बैठक में इस योजना को हरी झंडी मिली। योजना के तहत वसंत कुंज, द्वारका, रोहिणी, पीतमपुरा, जसोला और अशोक पहाड़ी जैसे प्रमुख इलाकों में कुल 177 फ्लैट और 67 कार/स्कूटर गैराज ई-नीलामी के माध्यम से बेचे जाएंगे। इस योजना में उच्च आय वर्ग, मध्यम आय वर्ग और निम्न आय वर्ग के लिए आवास उपलब्ध होंगे। यह पहल राजधानी में बढ़ती आवासीय मांग को देखते हुए की गई है। फ्लैट्स के साथ गैराज की बिक्री भी ऑनलाइन नीलामी के जरिए होगी, जिससे पारदर्शिता बनी रहेगी।

वॉकहार्ट ने अमेरिकी जेनेरिक कारोबार से हटने का फैसला किया

- कंपनी को वित्त वर्ष 2024-25 में उसे लगभग 80 लाख डॉलर का नुकसान हुआ

नई दिल्ली ।

मुंबई स्थित दवा कंपनी वॉकहार्ट ने अमेरिकी जेनेरिक दवाओं के कारोबार से बाहर निकलने का फैसला किया है। कंपनी ने कहा कि उसका यह कदम एक नवाचार-संचालित दवा उद्यम के रूप में खुद को पुनः स्थापित करने की दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा है। वॉकहार्ट अब एंटीबायोटिक्स और जैविक दवाओं, खासकर मधुमेह के इलाज में उपयोगी इंसुलिन जैसे उत्पादों के विकास पर ध्यान केंद्रित करेगी। कंपनी ने एक बयान में बताया कि अमेरिकी जेनेरिक कारोबार पिछले कई वर्षों से घाटे में चल रहा था और वित्त वर्ष 2024-25 में उसे लगभग 80 लाख डॉलर का नुकसान हुआ। इस घाटे और व्यापक रणनीतिक समीक्षा के बाद, कंपनी ने अमेरिकी बाजार से पूरी तरह हटने का निर्णय लिया है। इसके तहत वॉकहार्ट ने अमेरिकी दिवाला कानून के तहत अपनी दो अमेरिकी अनुषंगी कंपनियों मॉर्टन ग्रोव फार्मास्युटिकल्स और वॉकहार्ट यूएसए एलएलसी को स्वैच्छिक परिसमापन में डाल दिया है। वॉकहार्ट का मानना है कि यह निर्णय उसके अनुसंधान और नवाचार के एजेंडे को सशक्त बनाएगा। कंपनी का फोकस अब वैश्विक स्तर पर नई एंटीबायोटिक दवाओं की खोज और मधुमेह के इलाज में आधुनिक जैविक दवाओं के विकास पर रहेगा। हालांकि कंपनी अमेरिकी जेनेरिक कारोबार से हट रही है, लेकिन उसने स्पष्ट किया है कि वह भारत, ब्रिटेन, आयरलैंड और अन्य क्षेत्रों में अपने मजबूत संचालन को जारी रखेगी और वहां के व्यवसायों को और सशक्त बनाएगी।

कच्चे तेल की कीमतों में उछाल

देश में पेट्रोल-डीजल के दामों में मिला-जुला असर

नई दिल्ली।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव जारी है। बीते 24 घंटे में ब्रेंट क्रूड की कीमत बढ़कर 69.13 डॉलर प्रति बैरल और डब्यूटीआई क्रूड 67.13 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। इस उछाल का असर घरेलू ईंधन बाजार पर भी पड़ा है। पेट्रोलियम कंपनियों ने 8 जुलाई को पेट्रोल-डीजल के नए दाम जारी किए हैं, जिनमें राज्यों के हिसाब से भिन्नता देखने को मिली है। उत्तर प्रदेश और बिहार में पेट्रोल-डीजल के भावों में बदलाव हुआ है। यूपी के गौतमबुद्ध नगर जिले में पेट्रोल 8 पैसे महंगा होकर 94.85 रुपये प्रति लीटर हो गया है, वहीं डीजल 9 पैसे की बढ़त के साथ 87.98 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया है। इसके विपरीत गाजियाबाद में पेट्रोल 96 पैसे सस्ता होकर 94.44 रुपये और डीजल 1.09 रुपये घटकर 87.51 रुपये प्रति लीटर पर आ गया है। बिहार की राजधानी पटना में राहत की खबर है। यहां पेट्रोल की कीमत 18 पैसे घटकर 105.23 रुपये प्रति लीटर हो गई है, जबकि डीजल 17 पैसे की गिरावट के साथ 91.49 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है।

विशेषज्ञों के अनुसार, कच्चे तेल की वैश्विक कीमतें अगले कुछ दिनों में और बदल सकती हैं, जिसका सीधा असर भारत में ईंधन दरों पर पड़ेगा। आम जनता को फिलहाल थोड़ी राहत जरूर मिली है, लेकिन आगे की स्थिति अंतरराष्ट्रीय बाजार पर निर्भर करेगी।

पुराने एसी बदलने पर सस्ती दरों पर मिलेगा नया 5-स्टार एसी

- बिजली की खपत कम होगी और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा

नई दिल्ली ।

ऊर्जा मंत्रालय जल्द ही एक नई योजना शुरू करने जा रहा है, जिसका उद्देश्य 10 साल से पुराने एयर कंडीशनर (एसी) को हटाकर ऊर्जा कुशल 5-स्टार रेटिंग वाले नए एसी को बढ़ावा देना है। इस योजना के तहत उपभोक्ताओं को बाजार मूल्य से कम दर पर नया एसी खरीदने का अवसर मिलेगा। इससे देश में बिजली की खपत कम होगी और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा। सरकार पुराने एसी के बदले सब्सिडी देने की योजना बना रही है। इसके लिए उपभोक्ता अपने पुराने एसी को अधिकृत ई-वेस्ट मैनेजमेंट पार्टनर या बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) के पास जमा कर सकेंगे। बदले में उन्हें नए एसी पर छूट मिलेगी। यह मॉडल उजाला योजना जैसा होगा, जिसमें एलईडी बल्बों की भारी मात्रा में बिक्री की गई थी। एक अन्य प्रस्ताव के तहत कंपनियों को पुराने एसी के बदले उपभोक्ताओं को बेहतर स्क्रैप वैल्यू देने को कहा जाएगा। इसके लिए सरकार कंपनियों को इंसेंटिव भी दे सकती है। उपभोक्ता इस वैल्यू का उपयोग रिटेल स्टोर से नया एसी खरीदने में कर सकेंगे। भारत में फिलहाल करीब 5 करोड़ एसी ऐसे हैं जो 10 साल से ज्यादा पुराने हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, इन्हें बदलने से ऊर्जा दक्षता में 10 फीसदी तक सुधार होगा। हालांकि, इससे नए एसी की कीमत में 5-7 फीसदी तक वृद्धि हो सकती है। ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफिशिएंसी अब हर दो साल में स्टार रेटिंग और एफिशिएंसी मानकों को अपडेट करने पर विचार कर रहा है। अगला संशोधन 2026 और फिर 2028 में प्रस्तावित है। सरकार और उद्योग जगत के बीच इस योजना को लेकर लगातार बैठकें चल रही हैं।

रिफंड्स में तेज़ी से घटा प्रत्यक्ष कर संग्रह

- 2025 की पहली तिमाही में सिर्फ 5.63 लाख करोड़ रहा

नई दिल्ली ।

वित्त वर्ष 2025 की शुरुआत में केंद्र सरकार को प्रत्यक्ष कर संग्रह के मोर्चे पर झटका लगा है। 10 जुलाई तक शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह (नेट डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन) 1.3 फीसदी घटकर 5.63 लाख करोड़ रह गया है। यह पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में कम है।

इस गिरावट की मुख्य वजह टैक्स रिफंड्स में तेज़ी रही। इस साल अब तक आयकर विभाग ने 1.02 लाख करोड़ रुपए रिफंड जारी किए हैं, जो पिछले साल की तुलना में 38 फीसदी अधिक है। रिफंड से पहले सकल कर संग्रह (ग्रोस टैक्स कलेक्शन) 3.17 फीसदी बढ़कर 6.65 लाख करोड़ रुपए रहा, लेकिन रिफंड की अधिकता के कारण नेट कलेक्शन प्रभावित हुआ। कॉरपोरेट टैक्स संग्रह में 3.7 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई, जबकि कुछ हिस्सों में 9.42 फीसदी की ग्रॉस वृद्धि देखी गई।

विशेषज्ञों का मानना है कि कंपनियों के पूंजीगत खर्च में वृद्धि के कारण डिप्रिसिएशन क्लेम ज़्यादा हुआ, जिससे टैक्स देनदारी घटी। गैर-कॉरपोरेट करदाताओं – जैसे व्यक्तिगत आयकरदाता, हिंदू अविभाजित परिवार, फर्म आदि से संग्रह भी मामूली 0.04 फीसदी घटा है। इस श्रेणी में रिफंड राशि 12,114 करोड़ रही, जो सालाना आधार पर 27 फीसदी कम है। एकमात्र उजली तस्वीर सिक्योरिटीज ट्रांजैक्शन की रही, जिसमें 7.46 फीसदी की वृद्धि हुई और यह 17,874 करोड़ रुपए तक पहुंच गया। विशेषज्ञों का मानना है कि नया आयकर स्लैब ढांचा, जिसमें ज्यादा छूटें हैं, और रिफंड नीतियों की वजह से सरकार की टैक्स आमदनी में गिरावट आई है। सरकार के लिए यह संकेत है कि राजस्व नीति में संतुलन जरूरी है, ताकि राहत देने के साथ-साथ स्थायी आय सुनिश्चित की जा सके।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

केएल राहुल ऐतिहासिक क्लब में शामिल, लॉर्ड्स में लगाया दूसरा शतक

नई दिल्ली (एजेंसी)। लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड, जिसे 'क्रिकेट का मक्का' कहा जाता है, हर क्रिकेटर के लिए बेहद खास माना जाता है। यहां का ऑनर्स बोर्ड खिलाड़ियों के बेहतरीन प्रदर्शन की गवाही देता है और इस पर नाम दर्ज कराना किसी भी बल्लेबाज या गेंदबाज के करियर की बड़ी उपलब्धि मानी जाती है। बल्लेबाजों के लिए इसका मानदंड शतक बनाना होता है, जबकि गेंदबाजों को पारी में 5 या मैच में 10 विकेट लेने होते हैं। भारत के इतिहास में अब तक सिर्फ 10 बल्लेबाज ऐसे हुए हैं जिन्होंने लॉर्ड्स में टेस्ट शतक जड़कर अपना नाम इस प्रतिष्ठित बोर्ड पर दर्ज कराया है।

दिलचस्प बात यह है कि इस सूची में न तो सचिन तेंदुलकर जैसे 'क्रिकेट के भगवान' का नाम है और न ही मौजूदा दौर के स्टार विराट कोहली का। दोनों ही बल्लेबाज दुनिया भर में अपने बेहतरीन रिकॉर्ड के लिए मशहूर हैं, लेकिन लॉर्ड्स में शतक बनाना उनके लिए भी सपना ही रह गया। वहीं मौजूदा भारतीय टेस्ट टीम में केएल राहुल ही ऐसे बल्लेबाज हैं जिन्होंने लॉर्ड्स में पहले टेस्ट शतक लगा चुके है। इस दौरे पर दूसरा टेस्ट शतक लगाकर विशेष सूची में शामिल हो गए हैं। केएल राहुल दिलीप वेंगसरकर के बाद लॉर्ड्स में एक से अधिक टेस्ट शतक बनाने वाले केवल दूसरे भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। वेंगसरकर ने लॉर्ड्स में सबसे ज्यादा तीन शतक जड़े हैं और यह रिकॉर्ड उनके शानदार करियर की खास पहचान है।

लॉर्ड्स में शतक लगाने वाले अन्य भारतीयों में अजीत अगरकर, मोहम्मद अजहरुद्दीन, राहुल द्रविड़, सौरव गांगुली, वीनू मांकड़, अजिंक्य रहाणे, रवि शास्त्री और गुंडप्पा विश्वनाथ शामिल हैं। ये सभी दिग्गज खिलाड़ी अपने-अपने दौर में इस ऐतिहासिक मैदान पर शतक बनाकर भारतीय क्रिकेट को गौरवान्वित कर चुके हैं।

विंबलडन 2025: टेलर फिट्ज को हराकर फाइनल में पहुंचे कार्लोस अल्काराज

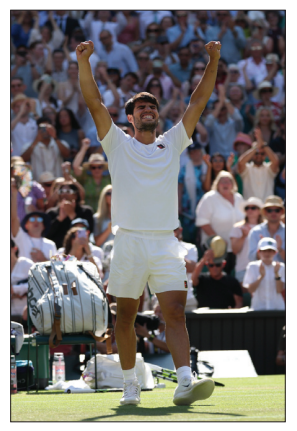

लंदन (एजेंसी)। कार्लोस अल्काराज ने शुक्रवार को सेमीफाइनल में टेलर फ्रिट्ज को चार सेटों तक चले रोमांचक मुकाबले में 6-4, 5-7, 6-3, 7-6 (6) से हराकर फाइनल में प्रवेश किया।

स्पेन के कार्लोस अल्काराज को पांचवीं वरीयता प्राप्त अमेरिकी खिलाड़ी फ्रिट्ज ने कड़ी टक्कर दी। लेकिन, अंत में अल्काराज ने मैच अपने नाम कर लिया। हार के साथ ही फ्रिट्ज का विंबलडन फाइनल खेलने का सपना टूट गया। 2009 में एंडी रोडिक आखिरी अमेरिकी खिलाड़ी थे, जो इस प्रतियोगिता के फाइनल में पहुंचे थे।

दूसरी वरीयता प्राप्त कार्लोस अल्काराज ने शुक्रवार को टेलर फ्रिट्ज को 6-4, 5-7, 6-3, 7-6 (6) से हराया। यह उनकी लगातार 24वीं जीत है। पहला सेट अल्काराज ने जीता, और दूसरा सेट फ्रिट्ज ने जीतकर बराबरी की कोशिश की। लेकिन, तीसरा सेट जीतकर अल्काराज ने फिर से बढ़त बना ली। चौथा सेट सबसे रोमांचक साबित हुआ, जिसका समापन टाई-ब्रेक में हुआ, जहां फ्रिट्ज ने 6/4 की बढ़त बना ली। दो सेट पॉइंट के बाद निर्णायक सेट हुआ। लेकिन, अल्काराज ने अपने दृढ़ निश्चय और प्रतिभा से दोनों सेट पॉइंट बचा लिए। अल्काराज ने लगातार चार अंक हासिल कर मैच अपने नाम कर लिया। विंबलडन 2025 में पुरुष सिंगल्स का फाइनल रविवार को होगा। अल्काराज का फाइनल में टॉप सीड यानिक सिनर और 24 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन नोवाक जोकोविच में से किसी एक से सामना होगा। इन दोनों खिलाड़ियों के बीच टूर्नामेंट का दूसरा सेमीफाइनल खेला जाना है।अल्काराज एक बेहद खास क्लब में शामिल होने से सिर्फ एक मैच दूर हैं। अगर वह रविवार को फाइनल जीत जाते हैं, तो वह इतिहास के सिर्फ पांचवें ऐसे व्यक्ति होंगे, जो लगातार तीन विंबलडन खिताब अपने नाम करेंगे। वहीं, अगर अल्काराज जीतते हैं, तो यह उनका छठा ग्रैंड स्लैम खिताब होगा।

'पिछले इंग्लैंड दौरे पर मिली सीख से लिया सबक', बुमराह ने बताया लॉर्ड्स में कैसे मिले पांच विकेट

लंदन (एजेंसी)। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स टेस्ट की पहली पारी में पांच विकेट लिए। बुमराह इसका श्रेय इंग्लैंड के पिछले दौरे को देते हैं, जिससे उन्हें काफी कुछ सीखने को मिला।

जसप्रीत बुमराह तीसरे टेस्ट के दूसरे दिन शानदार फॉर्म में नजर आए। उन्होंने पहले सेशन में बेन स्टोक्स (44), जो रूट (104) और क्रिस वोक्स (0) को आउट किया। इसके अलावा भारतीय तेज गेंदबाज ने इंग्लैंड के लिए अर्धशतक जड़ने वाले ब्रायडन कार्स को चलता किया, जिससे पहले वह जोफा आर्चर को पवेलियन भेज चुके थे। इसके साथ ही लॉर्ड्स के 'ऑनर्स बोर्ड' पर जसप्रीत बुमराह का नाम भी दर्ज हुआ। अपने शानदार प्रदर्शन को लेकर जसप्रीत बुमराह ने कहा, 'पिछले दौरे में मैंने यहां मौजूद 'ढलान' के बारे में बहुत सोचा था, लेकिन उसका कोई फायदा नहीं हुआ। इस बार मैंने वह बात दिमाग से निकाल दी, जिसका मुझे फायदा भी मिला। गर्म मौसम की इन परिस्थितियों में नई गेंद ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल करना ही सबसे अहम है। पिछली बार ऐसा नहीं हुआ था, यही सबसे बड़ा अंतर रहा।'

बुमराह ने लॉर्ड्स के 'ऑनर्स बोर्ड' पर अपना नाम दर्ज होने को लेकर खुशी जताई है। बुमराह ने बताया कि यह एक ऐसी याद है, जिसे वह अपने बेटे के साथ साझा करना चाहेंगे। जसप्रीत बुमराह ने मुस्कराते हुए कहा, ''सच यह है कि मैं थक गया था। मैं 21 साल की तरह उछल-कूद नहीं कर सकता हूं। मुझे इस बात की खुशी है कि मैं टीम के लिए योगदान दे पाया। ऑनर्स बोर्ड पर नाम देखकर अच्छा लगता है। यह एक ऐसी बात है, जो मैं अपने बेटे को बताऊंगा, जब वह बड़ा होगा।'

जसप्रीत बुमराह ने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट की पहली पारी में 27 ओवर गेंदबाजी की, जिसमें 74 रन देकर पांच विकेट चटकाए। इंग्लैंड की टीम 387 रन पर ऑलआउट हुई।इसके बाद भारत ने बल्लेबाजी करते हुए दूसरे दिन की समाप्ति तक तीन विकेट खोकर 145 रन बनाए। यशस्वी जायसवाल 13, शुभमन गिल 16 रन, जबकि करुण नायर 40 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इसके बाद केएल राहुल ने टीम को संभाला। यह सलामी बल्लेबाज 53 रन बना चुका है, जबकि ऋषभ पंत 19 रन बनाकर नाबाद हैं।

इटली और नीदरलैंड ने किया पुरुष टी-20 विश्व कप 2026 के लिए क्वालीफाई

हेंग (स्विट्जरलैंड) (एजेंसी)। हेग में खेले गए यूरोप रीजनल फाइनल के रोमांचक अंत में इटली ने इतिहास रच दिया। इटली ने आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए क्वालीफाई कर लिया है। हालांकि वे अपना आखिरी ग्रुप मैच मेज़बान नीदरलैंड से हार गए, लेकिन उनका नेट रन रेट जर्सी से बेहतर था, जिसकी वजह से वो अगले साल भारत और श्रीलंका में होने वाले टूर्नामेंट के लिए आगे बढ़ गए। नीदरलैंड ने भी इटली का लक्ष्य 16.2 ओवर में हासिल कर टूर्नामेंट में अपनी जगह पक्की कर ली।

हार के बावजूद इटली ने टी20 विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया

नेट रन-रेट समीकरण में जर्सी से आगे रहने के लिए इटली को केवल एक बड़ी हार से बचने की जरूरत थी, उन्होंने नीदरलैंड के पीछा के 15वें ओवर के दौरान यह सुनिश्चित किया कि वे योग्यता रेखा पार करें। हालांकि डच ने अंततः आठ विकेट से जीत हासिल की, लेकिन मैच को गहराई तक खींचने का इटली का सोचा-समझा प्रयास निर्णायक साबित हुआ। इससे पहले, इटली ने बल्लेबाजी करने का विकल्प चुना लेकिन शुरुआती झटके खाए। सलामी बल्लेबाज जस्टिन मोस्का और एमिलियो गे तीन ओवर के अंदर आउट हो गए, इसके बाद सातवें ओवर में कप्तान जो बर्न्स भी आउट हो गए। आधे समय तक स्कोरबोर्ड पर 46/4 पढ़ने के साथ, पारी ढहती हुई लग रही थी। हालांकि, ग्रांट स्टीवर्ट और एंथनी मोस्का के समर्थन से बेन मैनेंटी के एक साहसी प्रयास ने इटली को 134/7 तक पहुंचा दिया। यह पहली बार होगा जब इटली किसी सीनियर पुरुष आईसीसी विश्व कप प्रतियोगिता में भाग लेगा।

नीदरलैंड 2026 की लाइन-अप में इटली के साथ शामिल

नीदरलैंड्स, जो पूरे क्वालीफायर में पहले से ही लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहा था, ने अपने विश्व कप योग्यता के बारे में कोई संदेह नहीं छोड़ा। उन्होंने अपने पीछा के दौरान पावरप्ले में बिना किसी नुकसान के 66 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज मैक्स ओ'डॉव और माइकल लेविट ने 71 रनों की साझेदारी की, इससे पहले कि लेविट 34 रन बनाकर आउट हो गए। ओ'डॉव ने फिर कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स के साथ मिलकर काम आसानी से पूरा किया, क्योंकि डच ने 22 गेंद शेष रहते जीत हासिल की। इसके साथ ही नीदरलैंड्स ने इटली के साथ 2026 टी20 विश्व कप के लिए अपनी जगह पक्की कर ली। जर्सी के लिए, दिन में पहले स्कॉटलैंड पर उनकी आखिरी गेंद पर जीत पर्याप्त नहीं थी, क्योंकि उनका नेट रन-रेट कम रहा। अब 2026 टूर्नामेंट के लिए पंद्रह टीमें क्वालीफाई कर चुकी हैं।

टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए क्वालीफाई करने वाली टीमें- अफ़ग़ानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, कनाडा, इंग्लैंड, भारत, आयरलैंड, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, साउथ अफ्रीका, श्रीलंका, अमेरिका, वेस्टइंडीज, इटली, नीदरलैंड

टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा कैच लेने वाले फील्डर बने जो रूट, राहुल द्रविड़ को पछाड़ा

नई दिल्ली । लॉर्ड्स टेस्ट के दूसरे दिन इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज़ और फील्डर जो रूट ने भारत के खिलाफ खेलते हुए एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली। भारत की पारी के दौरान करुण नायर का एक शानदार कैच स्लिप में लपकते ही रूट टेस्ट क्रिकेट इतिहास में सबसे ज्यादा आउटफील्ड कैच लेने वाले खिलाड़ी बन गए। इस कैच के साथ रूट के नाम अब 211 टेस्ट कैच हो गए हैं, जिससे उन्होंने भारत के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज़ राहुल द्रविड़ को पीछे छोड़ दिया। द्रविड़ के नाम 210 कैच दर्ज हैं और वे अब इस सूची में दूसरे स्थान पर आ गए हैं। लॉर्ड्स टेस्ट के दूसरे दिन का यह कैच तब आया जब इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने करुण नायर को शॉर्ट लेंथ गेंद फेंकी, जिस पर नायर असहज दिखे और गेंद उनके बल्ले का किनारा लेकर स्लिप की दिशा में गई। पहली स्लिप में खड़े रूट ने एक हाथ से शानदार कैच लपक लिया। हालांकि तीसरे अंपायर ने इसे बारिकी से जांचा, लेकिन अंत में कैच को वैध करार दिया गया। यह कैच न सिर्फ मैच में अहम था बल्कि रूट के करियर के लिए भी ऐतिहासिक बन गया। जो रूट ने केवल फील्डिंग में ही नहीं बल्कि बल्लेबाज़ी में भी कमाल किया है। लॉर्ड्स टेस्ट में उन्होंने अपना 37वां टेस्ट शतक भी जमाया। इस उपलब्धि के साथ वह टेस्ट क्रिकेट के सर्वकालिक शतक लगाने वालों की सूची में पांचवें नंबर पर हैं। उनसे आगे केवल सचिन तेंदुलकर (51 शतक), जैक्स कैलिस (45), रिकी पोंटिंग (41) और कुमार संगकारा (38) हैं।

मोहम्मद सिराज ने डिओगो जोटा को अनोखे अंदाज में दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली । भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने लॉर्ड्स टेस्ट में अपनी कामयाबी का जश्न बेहद खास अंदाज में मनाकर पुर्तगाल के दिवंगत फुटबॉलर डिओगो जोटा को श्रद्धांजलि दी। इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे दिन के दूसरे सेशन में सिराज ने जैसे ही जेमी स्मिथ का विकेट लिया, उन्होंने सीने पर हाथ रखा, फिर '20' नंबर का इशारा किया और दोनों हाथ आसमान की ओर उठाकर श्रद्धांजलि दी। यह इशारा जोटा की जर्सी के नंबर की ओर था। लिवरपूल और पुर्तगाल के स्टार फॉरवर्ड डिओगो जोटा की पिछले सप्ताह एक दर्दनाक कार हादसे में मौत हो गई थी, जिससे फुटबॉल दुनिया सदमे में है।

सिराज के इस जेस्चर ने लॉर्ड्स के मैदान पर भावनात्मक पल बना दिया। भारत के लिए सिराज ने दूसरे दिन सुबह के सत्र में मौके बनाए थे, लेकिन किस्मत ने साथ नहीं दिया और उनके स्पेल में कई बार कैच टपके। इसका फायदा उठाकर इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी को 387 रन तक पहुंचाया। हालांकि दूसरे सेशन में सिराज ने जेमी स्मिथ (51) को ध्रुव जुरेल के हाथों कैच करवा कर अपना पहला विकेट लिया और जश्न मनाते हुए जोटा को याद किया। इसके बाद सिराज ने इंग्लैंड की पारी का आखिरी विकेट भी लिया, ब्राइडन कार्स को 56 रन पर पवेलियन भेजकर उनकी पारी का अंत किया। भारतीय गेंदबाजी में जसप्रीत बुमराह ने भी कमाल दिखाया और 74 रन देकर 5 विकेट लिए। लॉर्ड्स के ऑनर बोर्ड पर उनका नाम एक बार फिर दर्ज हो गया। उनके इस शानदार स्पेल ने भारत को इंग्लैंड को 400 रन के भीतर रोकने में अहम भूमिका निभाई।

डिओगो जोटा लिवरपूल के सबसे अहम खिलाड़ियों में गिने जाते थे और पुर्तगाल की फुटबॉल प्रतिभाओं में उनका नाम चमकता था। जोटा अपने भाई आंद्रे सिल्वा के साथ स्पेन में एक कार दुर्घटना का शिकार हो गए।

एमएलसी 2025: टेक्सास सुपर किंग्स को सात विकेट से रौंदकर फाइनल में एमआई न्यूयॉर्क

डलास (एजेंसी)। एमआई न्यूयॉर्क ने मेजर लीग क्रिकेट-2025 (एमएलसी) के फाइनल में जगह बना ली है। टीम ने शनिवार को क्वालीफायर-2 में टेक्सास सुपर किंग्स के खिलाफ सात विकेट से दमदार जीत दर्ज की। अब खिताबी मैच में एमआई न्यूयॉर्क का सामना वाशिंगटन फ्रीडम से होगा। यह मैच 14 जुलाई को खेला जाना है।

डलास में खेले गए इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी टेक्सास सुपर किंग्स ने पांच विकेट खोकर 166 रन बनाए। टीम ने 29 के स्कोर पर समित पटेल (9) के रूप में अपना अहम विकेट गंवा दिया। इसके बाद कप्तान फाफ डु प्लेसिस ने मोर्चा संभाला, लेकिन दूसरे छोर पर कोई बल्लेबाज उनका साथ नहीं दे सका।

फाफ डु प्लेसिस जिस समय आउट हुए, उस वक्त तक टीम 85 रन बना सकी थी, जिसमें 59 रन कप्तान के ही थे। फाफ डु प्लेसिस ने अपनी इस पारी में 42 गेंदों का सामना करते हुए एक छक्का और सात चौके जड़े।

टीम 85 के स्कोर तक अपने पांच विकेट गंवा चुकी थी। यहां से अकील हुसैन ने डेवोन फेरीरा के साथ छठे विकेट के लिए 81 रन की अटूट साझेदारी करते हुए टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचा दिया।

अकील हुसैन 32 गेंदों में 55 रन बनाकर नाबाद रहे। उनकी इस पारी में चार छक्के और इतने ही चौके शामिल रहे। वहीं, फेरीरा ने 20 गेंदों में 32 रन की नाबाद पारी खेली।

विपक्षी टीम की ओर से ट्रिस्टन लुस ने सर्वाधिक तीन विकेट झटके, जबकि रुशिल उगरकर ने दो विकेट चटकाए।

इसके जवाब में एमआई न्यूयॉर्क ने एक ओवर शेष रहते जीत दर्ज कर ली। सलामी बल्लेबाज मोनांक पटेल ने 39 गेंदों में दो छक्कों और पांच चौकों की मदद से 49 रन की पारी खेली। मोनांक 13वें ओवर की दूसरी गेंद पर आउट हुए, उस समय टीम का स्कोर 83/3 था।

यहां से कप्तान निकोलस पूरन ने किरोन पोलार्ड के साथ मिलकर 89 रन की साझेदारी करते हुए टीम को जीत दिलाई।

निकोलस पूरन ने 36 गेंदों में नाबाद 52 रन बनाए। उनकी इस पारी में तीन छक्के और चार चौके शामिल रहे, जबकि पोलार्ड ने 22 गेंदों में तीन छक्कों और चार चौकों के साथ ताबड़तोड़ 47 रन जड़े।

विपक्षी टीम की ओर से अकील हुसैन, जिया-उल-हक और नूर अहमद को एक-एक विकेट हाथ लगा।

लिवरपूल क्लब ने दिवंगत डियोगो जोटा के सम्मान में नंबर 20 की जर्सी हमेशा के लिए रिटायर की

लिवरपूल । इंग्लिश फुटबॉल क्लब लिवरपूल ने अपने स्टार फॉरवर्ड डियोगो जोटा के सम्मान में 'नंबर 20' जर्सी को हमेशा के लिए रिटायर करने का फैसला किया है। 28 वर्षीय पुर्तगाली खिलाड़ी डियोगो जोटा का तीन जुलाई को स्पेन के जमोरा प्रांत में एक दर्दनाक कार हादसे में निधन हो गया। हादसे में उनके भाई आंद्रे सिल्वा की भी मौत हुई। स्पेनिश पुलिस के मुताबिक, तेज रफ्तार में गाड़ी का टायर फटने से वह सड़क से उतर गई और उसमें आग लग गई। इस हादसे ने फुटबॉल जगत को गहरे शोक में डाल दिया। लिवरपूल ने अपने बयान में कहा कि जोटा ने नंबर 20 की जर्सी गर्व से पहनकर क्लब को कई अहम जीत दिलाई और वह हमेशा हमारे 'नंबर 20' रहेंगे। क्लब ने कहा कि यह कदम बीते पांच वर्षों में जोटा के मैदान पर शानदार प्रदर्शन और उनके साथियों व प्रशंसकों पर पड़े उनके गहरे प्रभाव को सम्मान देने के लिए उठाया गया है। एफएसजी फुटबॉल के सीईओ माइकल एडवर्ड्स ने कहा कि यह निर्णय क्लब और समर्थकों की साझा भावनाओं से जुड़ा है। उन्होंने बताया कि इस फैसले की जानकारी सबसे पहले जोटा की पत्नी रूट और उनके परिवार को दी गई, ताकि वे खुद को क्लब के इस सम्मानजनक निर्णय का हिस्सा महसूस कर सकें। एडवर्ड्स ने कहा कि यह लिवरपूल के इतिहास में पहली बार है जब किसी खिलाड़ी की जर्सी संख्या को हमेशा के लिए रिटायर किया जा रहा है और यह एक अनोखे खिलाड़ी के प्रति अनूठी श्रद्धांजलि है। उन्होंने कहा कि जोटा ने 2020 में लिवरपूल से जुड़ने के बाद नंबर 20 जर्सी को सम्मान और प्रतिष्ठा के साथ पहना और क्लब के लिए यह नंबर हमेशा उनका ही रहेगा। डियोगो जोटा ने लिवरपूल के साथ प्रीमियर लीग, एफए कप और दो ईएफएल कप सहित कई प्रमुख खिताब जीतने में अहम भूमिका निभाई थी। वह 2020 में वॉल्व्स से लिवरपूल में शामिल हुए थे और अपनी आक्रामक शैली और गोल करने की क्षमता से प्रशंसकों के पसंदीदा बन गए थे। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी उन्होंने पुर्तगाल की ओर से 49 मैचों में 14 गोल किए और 2019 व 2025 में यूईएफए नेशंस लीग खिताब जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे। कुछ हफ्ते पहले ही उन्होंने पुर्तगाल के साथ नेशंस लीग खिताब जीतकर जश्न मनाया था। जोटा के अचानक निधन ने न सिर्फ उनके परिवार बल्कि फुटबॉल जगत को भी गहरे सदमे में डाल दिया है और लिवरपूल का यह कदम उन्हें कभी न भूलने वाली श्रद्धांजलि है।

'जैसे लोग कहते हैं कि लॉर्ड्स क्रिकेट का घर है, वैसे ही विंबलडन टेनिस का मक्का है': सचिन तेंदुलकर

लंदन (एजेंसी)। विंबलडन 2025 में सचिन तेंदुलकर ने विंबलडन में जाने के अपने अनुभव, टेनिस के दिग्गजों के प्रति अपनी प्रशंसा और क्रिकेट तथा टेनिस के बीच आश्चर्यजनक समानताओं को साझा किया। अपने जीवन में विंबलडन के महत्व पर सचिन ने कहा, 'यह अविश्वसनीय है। जैसे लोग कहते हैं कि लॉर्ड्स क्रिकेट का घर है, वैसे ही यह टेनिस का मक्का है। मैं विंबलडन देखते हुए बड़ा हुआ हूं, और सात-आठ साल की उम्र से ही, जब मैंने टेनिस को थोड़ा-बहुत समझना शुरू किया, तब से मेरे लिए हमेशा विंबलडन सबसे पहले और फिर बाकी ग्रैंड स्लैम ही रहे हैं। इसलिए मेरे लिए, यह सर्वश्रेष्ठ है। मैंने कई टेनिस खिलाड़ियों से बात की है, और वे सभी इस टूर्नामेंट को सबसे ऊपर मानते हैं।'

सचिन ने विंबलडन के प्रतिष्ठित माहौल और उसके आकर्षण पर कहा, 'मुझे रॉयल बॉक्स खास तौर पर बहुत पसंद है-वहां का माहौल बेजोड़ है। बैठकर मैच देखने के लिए यह सबसे अच्छी जगह है। लेकिन मैचों के अलावा, आप इतने सारे लोगों से मिलते हैं और कई तरह की बातचीत करते हैं।

फैशन की बात करें तो यहां कई फैशन आइकन, हॉलीवुड सितारे, फुटबॉल खिलाड़ी और एथलीट मौजूद रहते हैं। यहां आना हमेशा एक सुखद अनुभव होता है क्योंकि आपको जिंदगी की कई नई चीजों से रूबरू कराया जाता है। और मेरे लिए, सीखना कभी बंद नहीं होता-मैं अभी भी सीख रहा हूं।'

अपने पसंदीदा टेनिस खिलाड़ियों, भूतपूर्व और वर्तमान, के बारे में सचिन ने कहा, ÷मैं जॉन मैकेनरो का प्रशंसक रहा हूं। मुझे याद है कि मेरे सभी दोस्त ब्योर्न बोर्ग का समर्थन करते थे, लेकिन किसी कारण से, मैं हमेशा मैकेनरो का समर्थन करता था। मैं उनकी तरह हेडबैंड भी पहनता था, इस उम्मीद में कि जब मैं अपने दोस्तों के साथ घूमूं तो लोग मुझे मैकेनरो कहेंगे।

सचिन ने कहा, 'हालांकि, हाल के वर्षों में, यह रोजर फेडरर ही है। मुझे राफेल नडाल, नोवाक जोकोविच, सभी को खेलते हुए देखना अच्छा लगता है, लेकिन किसी न किसी तरह, रोजर सबसे आगे हैं। वर्तमान खिलाड़ियों में, कार्लोस अल्काराज मुझे सचमुच प्रभावित करते हैं-उनकी ऊर्जा संक्रामक है। मुझे उनके पैरों में स्फूर्ति, उनका रवैया और फ्रेंच ओपन में दिखाई गई मानसिक दृढ़ता बहुत पसंद है। कभी हार न मानने वाली मानसिकता ही एक सच्चे चैंपियन की पहचान है।

सभी टेनिस खिलाड़ी चैंपियन नहीं बनते, लेकिन वे जिस तैयारी और कड़ी मेहनत से गुजरते हैं-उसका मेरे मन में बहुत सम्मान है।' उच्च स्तरीय क्रिकेट और टेनिस के बीच समानताओं पर सचिन ने कहा,'अगर मुझे समानताओं की बात करनी हो, तो मुख्य तत्व हैं हाथ-आंखों का समन्वय, गेंद की समझ, खेल के प्रति जागरूकता और विरोधियों से एक कदम आगे रहना। खास तौर पर, फुटवर्क बहुत महत्वपूर्ण है।

क्रिकेट में, खासकर जब आप बल्लेबाजी कर रहे हों, तो समन्वित फुटवर्क मायने रखता है-और टेनिस में भी यही बात लागू होती है। लोग अक्सर सोचते हैं कि विकेटों के बीच दौड़ना बस एक सीधी दौड़ है, लेकिन असल में यह इस बारे में है कि आप कितनी तेजी से रुक सकते हैं, मुड़ सकते हैं और फिर से तेजी पकड़ सकते हैं। टेनिस खिलाड़ी भी इसी तरह एक-दूसरे को असंतुलित या गलत पैर से पकड़ने की कोशिश करते हैं। यह कोर्ट पर तेज, सहज गति के बारे में है। तभी आप अपने शॉट खेलने और आक्रमण करने के लिए सबसे अच्छी स्थिति में होते हैं। ये वो तत्व हैं जो मुझे दोनों में समान लगते हैं।'

डबल्स पार्टनर के रूप में वह किस क्रिकेटर को चुनेंगे इस पर सचिन ने कहा,'मैंने पहले युवराज सिंह के साथ डबल्स खेला है। हमने 2003 विश्व कप के अपने कुछ साथियों के खिलाफ टीम बनाई थी, और हम चैंपियन बने थे। इसलिए मैं फिर से युवराज को चुनूंगा - इसमें कोई शक नहीं।'

सचिन ने अपनी प्लेइंग इलेवन के लिए टेनिस खिलाड़ी चुनने पर कहा, 'क्रिकेट से जुड़े होने के कारण रोजर फेडरर ही होंगे-उनकी

मां दक्षिण अफ्रीकी हैं। लेकिन रोजर के अलावा, लिएंडर पेस, महेश भूपति, रोहन बोपन्ना और सानिया मिर्जा भी हैं, जिन्होंने यहां बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। भारतीय निश्चित रूप से क्रिकेट को पसंद करते हैं, और इन खिलाड़ियों ने भारतीय टेनिस के लिए जो किया है वह अद्भुत है। इसलिए कहने की जरूरत नहीं कि वे हमेशा प्रबल दावेदार रहेंगे।

लॉर्ड्स टेस्ट में धीमी ओवर गति पर भड़के माइकल वॉन

- बोले सिर्फ जुर्माना काफी नहीं, पांचों दिन पूरे हों 90 ओवर

लंदन । लॉर्ड्स के मैदान पर भारत और इंग्लैंड के बीच खेले जा रहे तीसरे टेस्ट मैच में धीमी ओवर गति ने विवाद खड़ा कर दिया है। टेस्ट के दूसरे दिन सिर्फ 75 ओवर ही फेंके जा सके, जबकि पहले दिन 83 ओवर ही कराए गए थे। इस तरह दोनों दिनों में कुल करीब 23 ओवर कम रह गए। इसे लेकर इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने कड़ी नाराजगी जताई है। वॉन ने कहा है कि सिर्फ जुर्माना लगाने से कुछ नहीं होगा, बल्कि नियम ऐसा होना चाहिए कि टेस्ट मैच के सभी पांचों दिन में 90 ओवर का कोटा हर हाल में पूरा किया जाए। एक मीडिया चैनल से बातचीत में माइकल वॉन ने कहा कि जुर्माना खिलाड़ियों को रोकने का असरदार तरीका नहीं है क्योंकि आज के क्रिकेटर काफी अमीर हैं और उन पर थोड़े-बहुत फाइन का कोई असर नहीं होता।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

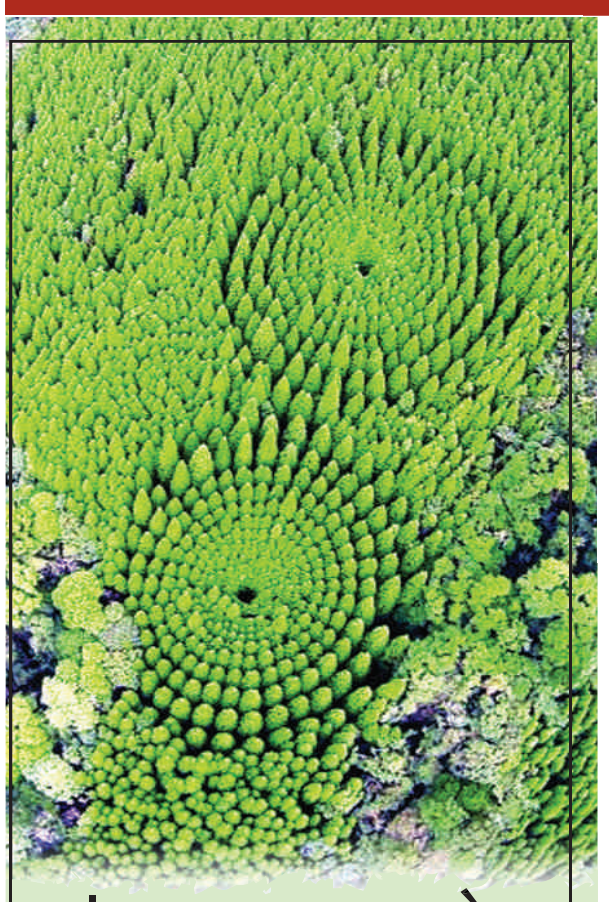

पांच दशक पहले वैज्ञानिकों ने उगाया था ये जंगल

दुनिया में रहस्यों की कमी नहीं है इनमें भी कुछ तो ऐसे हैं जिनके बारे में आज तक कोई जान नहीं पाया. आज हम आपको बताने जा रहे हैं जापान के एक ऐसे जंगल के बारे में जहां जाने से हर कोई कतराता है. इस जंगल में कुछ ऐसा खास है जो इसे दुनिया के सभी जंगलों से अलग करता है. दरअसल, यह जंगल जापान के मियाजाकी प्रीफेक्चर में स्थित निचिनन सिटी के पास में हैं. इस जंगल की सबसे अजीब बात यह है कि इसे ऊंचाई से देखने पर ऐसा लगता है कि मानो यहां पर कोई युएफओ यानि एलियन उतरा हो. इस जंगल के पेड़ किसी घेरे में मौजूद हैं और चक्र जैसी आकृति का निर्माण करते हैं. अगर कोई फ्लाइट या हेलीकॉप्टर से जा रहा हो तो उसे इस जंगल की आकृति थोड़ा चौंका सकती है.

बता दें कि ये जंगली प्राकृतिक नहीं है बल्कि इसे वैज्ञानिकों के एक एक्सपेरिमेंट के तरह पैदा किया है. इस जंगल की खास बात ये हैं कि यह एक्सपेरिमेंट अभी हाल फिलहाल में नहीं किया गया बल्कि 50 साल पहले वैज्ञानिकों की एक टीम ने इस एक्सपेरिमेंट को अंजाम दिया था. जिसके बाद यहां पर घुमावदार आकृति में पेड़ उगने लगे. बता दें कि इस प्रोजेक्ट का नाम एक्सपेरिमेंटल फॉरेस्ट्री रखा गया था. इस एक्सपेरिमेंट का मकसद पेड़ों की दूरी के आधार पर उनके विकास को समझना था. जब ये एक्सपेरिमेंट शुरू किया गया तो वैज्ञानिकों ने 10 गोलाकार पंक्तियों में देवदार के पेड़ लगाए. जिसका नतीजा आज देखने को मिलता है.

हरियाणा का राज्य पक्षी है काला तीतर

काला तीतर का सिर भूरे रंग की आईरिस आंखों के रंग और भूरे रंग के मुकुट के अनूठे पैटर्न के साथ घुमावदार है और गले का रंग काला है। इसकी लंबाई 33 से 36 सेमी और वजन लगभग 453 ग्राम (16 औंस) और काला तीतर का आकार 9 से 16 इंच है। इसे इसेनस नाम से भी जाना जाता है। यह हरियाणा का राज्य पक्षी है। काला तीतर सबसे मूल्यवान पक्षियों में से एक है। बर्डलाइफ इंटरनेशनल के अनुसार तीतर की जनसंख्या स्थिर है। भारत में इस पक्ष को अभी भी एक सामान्य पक्षी माना जाता है। ईसीएन रेड लिस्ट के अनुसार यह संकटमुक्त श्रेणी में आने वाला एक मध्यम आकार का सुंदर पक्षी है, जिसकी सीमा से दक्षिण-पूर्वी से पूर्व को और ईरान से होते हुए दक्षिण-पश्चिम तुमेनिस्तान और उत्तर-पूर्व भारत और बांग्लादेश तक फैली हुई है। भारत में यह उत्तरी राज्यों में ज्यादा पाया जाता है। दूर से काला और सुनहरा दिखने वाला से नर तीतर गले मे लेकर नीचे तक पूरा काला होता है। गाल पर एक सफेद पैरा शाहल कॉलर और किनारों पर सफेद धब्बे होते हैं। वयस्क काले तीतर का

500 ग्राम के बीच होता है। तीवर भोजन में अनाज, पास के सीज फल, अंकुर, कंद, दीमक, और चीटियों को खाते हैं।

10 से 14 तक अंडे देती है

तीतर का प्रजनन मार्च महीने में शुरू होता है बनाने का सबसे स्थान खेत मास के मैदान के अलावा खेतों की फसलों वाली जगह पर होता है, जिसे उनको शिकारी जानवरों से खतरा कम रहे। यह माना जाता है कि मादा एक ही दिन में सभी अंडे देने के बजाय अलग-अलग दिनों में अंडे देती है। आम तौर पर अंटों की 10 से 14

दुनिया का सबसे ऊंचा जलप्रपात है एंजिल जलप्रपात

एंजिल जलप्रपात यह दुनिया का सबसे उंचा जलप्रपात हैं जोकि दक्षिण अमेरिका के वेनेजुएला में कोरोनी नदी पर स्थित हैं। इसकी ऊंचाई लगभग 979 मीटर और गहराई 807 मीटर हैं। एंजेल वाटर फाल्स ऑयनटेपुई नामक एक पर्वत पर स्थित हैं। इसकी ऊंचाई इतनी अधिक हैं कि इससे गिरने वाला पानी धुंध या धुंए के रूप में बदल जाता हैं और यह दृश्य पर्यटकों के मन को उतना ही अधिक भाता हैं। एन्जिल जलप्रपात वेनेजुएला के दूसरे सबसे बड़े राष्ट्रीय उद्यान कैनाईमा नेशनल पार्क में स्थित है।

यह जल प्रपात टेबल टॉप पर्वत औयंतपुई-टापू के शिखर के पास एक गुंबद से टकरा कर नीचे गिरता हैं और जिस जगह यह गिरता हैं उसे शैतान घाटी के नाम से जाना जाता हैं। इस जल-प्रपात को सैल्टो ऑन्गेल या स्वदेशी केरेपुपाई-मेरु के नाम से भी जाना जाता है। स्वदेशी नाम पेमोन नेटिव जिसका अर्थ होता हैं सबसे गहरी जगह से गिरना। इस प्रपात का नाम एक हवाई जहाज के पायलेट के नाम पर रखा गया हैं जिनका नाम जिमी एंजेल था। एन्जिल जलप्रपात यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल में शामिल हैं।

एंजिल जल प्रपात को 20वीं शताब्दी के दौरान एंजिल जलप्रपात के नाम से जाना गया। इसका नाम अमेरिका के एक हवाई जहाज चालक के नाम पर रखा गया था जिनका नाम जिमी एंजेल था। जोकि एंजिल जलप्रपात के ऊपर से हवाई उडान भरने वाले प्रथम व्यक्ति थे। एंजिल जलप्रपात, स्पैनिश साल्टो ऑन्गेल, जिसे साल्टो चुरुन मेरू भी कहा जाता है, बोलिवर राज्य के गुआना हाइलैंड्स में झरना है, जो चुरू नदी पर वेनेजुएला के दक्षिण-पूर्व में, कैरोनी की सहायक नदी से 160 मील (260 किमी) सिउदाद बोलिवर के दक्षिण-पूर्व में स्थित है एंजेल फॉल्स दुनिया का सबसे ऊंचा झरना है। यह ऑयनटेपुई नामक पर्वत से 3,212 फीट (979 मीटर) से गिरता है। एंजिल जलप्रपात वेनेजुएला में स्थित है, जो दक्षिण अमेरिका का एक देश है।

एन्जिल जलप्रपात में पर्यटकों के लिए आकर्षण

एंजिल जलप्रपात वेनेजुएला के विभिन आकर्षित पर्यटक स्थलों में से एक है। हालांकि एन्जिल जलप्रपात की यात्रा एक कठिन यात्रा होती हैं जिसमे पर्यटकों को कुछ सावधानी रखना बहुत जरूरी होता हैं। एंजिल जलप्रपात नामक यह स्थान एक अलग जंगल में स्थित हैं और स्यूदाद बोलिवर या पुएरा ऑर्डाज़ से कैनिमा शिविर तक पहुचने के लिए आपको एक यात्रा करनी पड़ेगी हैं।

एन्जिल जलप्रपात में क्या क्या कर सकते हैं

यदि आप एंजिल जलप्रपात देखने जाते हैं और आप कैरो नदी की यात्रा करना चाहते हैं तो नदी की यात्रा विशेष रूप से जून से दिसंवर के महीनो में होती हैं। क्योंकि इस समय के दौरान नदियों में पर्याप्त पानी और गहराई होती जिससे नदी की यात्रा का आनंद दुगना हो जाता हैं। जबकि दिसंवर से मार्च के महीने में कम पानी देखा जाता हैं। आप पहाडियों पर चढ़ने का अनुभव भी यह कर सकते हैं। इस स्थान पर एक शानदार पिकनिक भी मनाई जा सकती हैं। झरने के करीब जाकर ऊपर से छोटी-छोटी बूंदों के रूप में गिरने वाले पानी में अपने आप को भिगोने का अनुभव भी आप कर सकते हैं।

वेनेजुएला में स्थित एंजिल फाल्स विश्व के

चार खूबसूरत प्रसिद्ध झरनों में से एक हैं। यह झरना विश्व के सबसे अधिक उचाई से लगातार गिरने वाले झरने के रूप में प्रसिद्ध हैं। एंजेल फॉल्स अपनी ऊंचाई के लिए भी दुनिया भर में जाना जाता हैं, इस स्थान की ऊंचाई 3212 फीट ऊंचाई है। एंजिल फाल्स को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में भी शामिल किया जा चुका हैं। एंजिल जलप्रपात में इतनी ऊंचाई से गिरने वाला पानी आसपास के इलाकों में फुहारों की तरह उड़ता है। यहां का ऐसा द्रश्य पर्यटकों के दिलो को छू लेता हैं जिससे यहां आने वाले पर्यटकों की तादाद बहुत जायदा हैं। एंजिल वाटर फाल्स ऑयनटेपुई पर्वत के पास से गुजरने वाली चुरुम नदी पर स्थित दुनिया का सबसे बड़ा जलप्रपात हैं। जोकि दक्षिण अमेरिका के ग्रान सबाना नामक जिले में स्थित हैं। वेनेजुएला का एंजिल झरना कैनेमा नेशनल पार्क के बीच में स्थित हैं जोकि गुयाना और ब्राजील की सीमा के लगभग करीब हैं। एंजिल जलप्रपात तक जाने के लिए कैनेमा नामक स्थान से 5 किलोमीटर का सफर तय करना पड़ेगा। प्योर्टो ऑर्डाज़ से एक छोटे डगलस के माध्यम से कैनिमा तक पहुंच सकते हैं।

एंजिल फाल्स कैसे देख सकते हैं

जब आप प्योर्टो ऑर्डाज़ से चलने वाले डगलस के माध्यम से कैनिमा तक का सफर तय करेंगे उस समय आप खिडकियों से यहां के टेपेउस के प्रसिद्ध टेबलटॉप पहाड़ों का खूबसूरत नजरा देख सकते हैं। इन पहाड़ों में सबसे ऊपर दुनिया के सबसे उंचे झरने को देखने का एक सुखद आनंद आप अपने दिल में संजो के ले जाना चाहेंगे। जब आप इस स्थान पर पहुंच जायंगे तो नजदीक से एंजिल जलप्रपात का लुत्फ उठा सकते हैं।

एंजेल फाल्स को एंजेल फाल्स क्यों कहा जाता हैं

एंजेल फाल्स का नाम एंजेल फाल्स क्यों पड़ा? दरअसल बात उस समय की हैं जब एक अमेरिकी हवाई जहाज चालक जिनका नाम जिम एंजेल था और वह इस झरने के ऊपर से उडान भने वाले प्रथम व्यक्ति भी थे। उन्ही के नाम पर इस झरने का नाम रखा गया हैं। उन्होंने सबसे पहले इस झरने के बारे बताया था लेकिन किसी ने उनकी बात पर यकीन नही किया। उनकी ईक्षानुसार उनकी अस्तियों को इसी झरने के ऊपर से उड़ा दिया गया था। हालाकि वर्ष 2009 में वेनेजुएला के राष्ट्रपति ह्यूगो चावेज़ ने एंजेल फाल्स का नाम बदलने की बात कही थी, लेकिन बाद में उन्होंने ने अपनी बात को वापिस लेते हुए कहां की में इस प्राचीन और प्रसिद्ध झरने के नाम में परिवर्तन नही कर सकता।

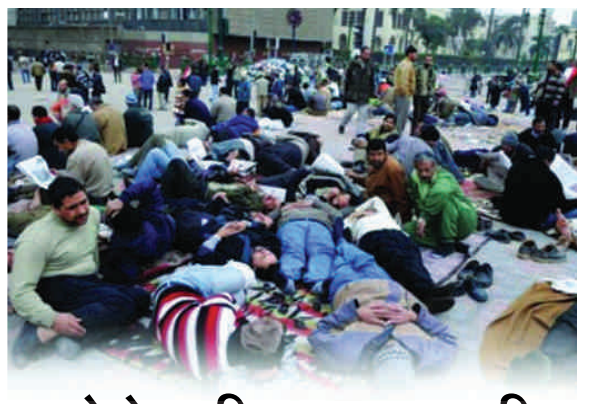

सोने की रहस्यमयी बीमारी से पीड़ित हैं कजाकिस्तान के कलाची गांव के लोग

किसी इंसान को जब नींद आती है तो वो सबकुछ छोड़कर सोने लगता है. उसके बाद इंसान तब तक सोता रहता है जब तक कि उसकी नींद पूरी ना हो जाए. कोई दो चार घंटे सोने के बाद ही जाग जाता है तो कोई सात या आठ घंटे की नींद लेता है. लेकिन कजाकिस्तान में एक ऐसा गांव है जहां के लोग चलते-फिरते सो जाते हैं. यही नहीं सोने के बाद वो कई दिनों तक नींद के आगोश में रहते हैं. दरअसल, कजाकिस्तान के कलाची नाम के इस गांव में कर सकता. बता दें कि उत्तरी कजाकिस्तान में बसे इस गांव के लोग रहस्यमयी तरीके से सोने की बीमारी से पीड़ित हैं. जब ये लोग एक बार सो जाते हैं तो कई दिनों और महीनों तक नहीं उठते. कलाची गांव से कई दिनों तक सोने का पहला मामला साल 2010 में सामने आया था. कुछ बच्चे अचानक स्कूल में गिर गए थे और सोने लगे थे. इसके बाद इस बीमारी के शिकार लोगों की संख्या बढ़ने लगी. तभी से वैज्ञानिक इस गांव पर रिसर्च कर रहे हैं. बता दें कि अभी तक डॉक्टर और वैज्ञानिक भी इस बीमारी का पता नहीं लगा पाए हैं कि आखिर लोग इतने दिनों तक कैसे सोते रहते हैं. हालांकि डॉक्टर्स का कहना है कि ऐसा यहां के दूषित पानी की वजह से हो रहा है. रहस्यमयी तरीके से सोने के कारण इस गांव को अब स्लीपी होलो भी कहा जाने लगा है.

इस गांव की आबादी करीब 600 है. इस गांव के करीब 14 फीसदी लोग इस बीमारी से पीड़ित हैं. इस गांव के लोगों की सबसे ज्यादा चौंकाने वाली बात ये है कि जिनको भी ये बीमारी है उनको पता ही नहीं चलता की वो सो गए हैं. मतलब ये कि यहां के लोग कहीं भी सोते हुए मिल जाएंगे. वो मार्केट, स्कूल या सड़क पर कहीं भी सोने लगते हैं. उसके बाद वो कई दिनों तक सोते रहते हैं.

बता दें कि कजाकिस्तान के इस गांव के पास कभी यूरेनियम की खदान हुआ करती थी, जो अब बंद हो चुकी है. इस खदान में जहरीला रेडिएशन होता रहता था. रिपोर्ट के मुताबिक इस खदान की वजह से ही लोगों को ऐसी अजीब बीमारी ने जकड़ लिया है. हालांकि इस गांव में अभी रेडिएशन की कोई खास मात्रा नहीं है.

दुनिया की सबसे अनोखी तितली डेड लीफ बटरफ्लाई

प्रकृति ने इंसानों के साथ लाखों-करोड़ों जीव-जन्तु बनाएं है. इनमें से कुछ जीव इतने सुंदर होते हैं कि आप उन्हें देखकर मंत्रमुग्ध हो जाएंगे. इन्ही में से एक जीव है तितली. आपने तमाम रंगों की तितलियां देखी होंगी. जिनकी अठखेलिया आपको भी प्रभावित करती होंगी. आज हम आपको एक ऐसी तितली के बारे में बताने जा रहे हैं जो रंग बिरंगी तो है ही इसके साथ ही वह एक सूखे पत्ते की भांति भी रंग बदल लेती है.

इस तितली को देखकर आप अंदाजा नहीं लगा पाएंगे कि ये तितली है या फिर कोई सूखा पत्ता. क्योंकि जब ये तितली अपने पंखों को बंद रखती है तो ये किसी सूखे पत्ते जैसी दिखती है. जब ये उड़ती है या अपने पंख खोलती है तभी आप पता लगा सकते हैं कि ये तितली है. दरअसल, यही पंख उसे माहौल में गायब कर खतरनाक शिकारियों से बचाते हैं. इस तितली का नाम है द डेड लीफ बटरफ्लाई, जो ट्रॉपिकल एशिया में पाई जाती है. इस तितली का एक वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है. जिसमें आप सूखे पत्तों जैसी दिखने वाली तितली को आसानी से देख सकते हैं.

इस वीडियो को ट्विटर पर शेयर किया गया है. वीडियो को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा गया है, 'ट्रॉपिकल एशिया की द डेड लीफ बटरफ्लाई, जो नजरों को धोखा देने में माहिर है! जब कोई चिड़िया या दूसरे शिकारी उसके करीब आते हैं तो वह अपने पंखों को बंद कर लेती है. ऐसा कर वो माहौल में गायब होकर खुद को शिकारियों से बचा लेती है!'

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बारिश से देश के कई राज्यों का हाल बेहाल, मध्यप्रदेश में बाढ़ से अब तक 7 की मौत

उत्तराखंड में लैंडस्लाइड से महिला की मौत, 19 राज्यों में तेज बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य प्रदेश में बारिश अब आफत बन गई है। मंडला में बाढ़ से अब तक 7 लोगों की मौत हो चुकी है। शुक्रवार को सिवनी, छतरपुर समेत 10 जिलों में बाढ़ जैसे हालात रहे। आज भी सभी जिलों में हल्की से तेज बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। राजस्थान में भी बारिश का दौर जारी है। शुक्रवार को बीकानेर, झुंझुनूं सहित 13 जिलों में 4 इंच बारिश हुई। धौलपुर में पार्वती नदी में डूबने से एक युव?क की मौत हो गई। फलोदी में शहर के बीच पानी नदी की तरह बहने लगा।

वहीं उत्तराखंड में तेज बारिश जारी है। उत्तरकाशी में लैंडस्लाइड में दबने से 57 साल की महिला की मौत हो गई। राज्य में आज भी तेज बारिश-लैंडस्लाइड का अलर्ट है। हिमाचल में 184 सड़कें बंद हैं। बारिश से जुड़ी घटनाओं में 92 लोगों की मौत हो चुकी है। 33 लोग लापता हैं। 22 बार बादल फटे और 17 बार लैंडस्लाइड हुआ। राज्य को 20 जून से 10 जुलाई तक 751 करोड़ का नुकसान हो चुका है। मौसम विभाग ने शनिवार गुजरात, यूपी, छत्तीसगढ़ समेत देश के 19 राज्यों में तेज बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। वहीं, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और चंडीगढ़ में बारिश का कोई भी अलर्ट नहीं है।

मध्यप्रदेश के टीकमगढ़ में कोतवाली के बगल से प्रधानपुरा गली में शनिवार सुबह मकान का एक हिस्सा गिर गया। हादसे में न तो मकान में कोई था न ही आसपास किसी की मौजूदगी थी। जिले में सुबह 4 बजे से लगातार बारिश हो रही है। मैदानी इलाकों में बड़ी मात्रा में पानी जमा हो गया है। पुलिस लाइन के पीछे खेतों में पानी भरा है। चित्रकूट दर्शन के लिए आए कुछ श्रद्धालु बाढ़ में फंसे हैं। स्थानीय लोग उन्हें सुरक्षित निकालकर अपने घर की छतों पर शरण दे रहे हैं। सतना जिले के चित्रकूट में लगातार दो दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश से मंदाकिनी नदी का जलस्तर बढ़ गया है। इसके चलते रामघाट, भरतघाट सहित सभी घाट पानी में डूब गए हैं।

उत्तरप्रदेश में जमकर बारिश हो रही है। लखनऊ में शनिवार सुबह से तेज बारिश जारी है। वाराणसी में गंगा उफान पर है। 2 सेंटीमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से नदी का जलस्तर बढ़ रहा है। दशाश्वमेध घाट पर होने वाली गंगा आरती की जगह चौथी बार बदली गई है। अब गंगा सेवा निधि कार्यालय की छत पर आरती हो रही है।

मौसम विभाग ने शनिवार को 3 जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज और 25 जिलों में यलो अलर्ट जारी किया है। वहीं, शुक्रवार को राजस्थान के बीकानेर, झुंझुनूं समेत 13 जिलों में 4 इंच तक बारिश हुई। धौलपुर में पार्वती नदी में डूबने से एक युव?क की मौत हो गई। सीकर के श्रीमाधोपुर में शहर के पुराने बस स्टैंड के पास दुकानों में पानी घुस गया। फलोदी में शहर के बीच पानी नदी की तरह बहने लगा। झुंझुनूं के कई इलाकों में जलभराव होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

कोरोना के नए वेरिएंट एक्सएफजी ने फिर चिंता बढ़ाई...159 नए केस

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोरोना के नए वेरिएंट एक्सएफजी ने फिर चिंता बढ़ा दी है। देश में अब तक 206 एक्सएफजी के केस सामने आ चुके हैं। सबसे ज्यादा केस महाराष्ट्र (89) में हैं, फिर पश्चिम बंगाल (49), तमिलनाडु, केरल, गुजरात और दिल्ली में भी केस मिले हैं। सिर्फ मई महीने में 159 नए केस आए थे।

एक्सएफजी वेरिएंट मध्य प्रदेश में भी तेजी से फैल रहा है। एम्स भोपाल की रिपोर्ट के अनुसार 63 प्रतिशत से ज्यादा केस एक्सएफजी वेरिएंट के हैं। यहां कुल 44 में से 28 सैंपलों में एक्सएफजी वेरिएंट पहचाना गया है। कोरोना का एक्सएफजी वेरिएंट सबसे पहले कनाडा में मिला था और अब तक भारत सहित 38 देशों में फैल चुका है। कोविड के दूसरे वेरिएंट की तरह ही इससे भी सबसे ज्यादा बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों को है।

एक्सएफजी वेरिएंट क्या है?

एक्सएफजी कोविड-19 वायरस का एक रिकॉबिनेंट वेरिएंट है। इसका मतलब है कि यह वायरस के 2 पुराने वेरिएंट्स, एलएफ.7 और एलपी.8.1.2 के आपस में मिल जाने से बना है। जब कोई व्यक्ति एक साथ दो अलग-अलग वेरिएंट्स से संक्रमित होता है, वायरस उनके जीन को आपस में मिक्स कर सकता है। उसी से इसतरह के वेरिएंट बनते हैं। एक्सएफजी, ओमिक्रॉन फैमिली का ही हिस्सा है, जो 2021 के अंत से पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा फैलने वाला वेरिएंट रहा है। इसे पहली बार कनाडा में पहचाना गया था।

भारत और नेपाल के बीच बाउंडरी वर्किंग ग्रुप की बैठक इस माह संभावित

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और नेपाल के बीच छह साल बाद इस महीने बाउंडरी वर्किंग ग्रुप (बीडब्ल्यूजी) की बैठक होने वाली है। यह द्विपक्षीय समूह भारत-नेपाल सीमा पर पिलर्स की मरम्मत, निर्माण और सर्वे जैसे तकनीकी कामों को देखता है। हालांकि, सुस्ता और कालापानी जैसे विवादित इलाकों को बातचीत से बाहर रखा गया है। बीडब्ल्यूजी की आखिरी बैठक अगस्त 2019 में देहरादून में हुई थी। तब तय हुआ था कि 2022 तक बॉर्डर से जुड़े सभी काम पूरे कर लिए जाएंगे। लेकिन कोरोना महामारी और उसके बाद नक्शे को लेकर बढ़े विवाद के कारण बातचीत ठप हो गई। अब भारत ने जुलाई के दूसरे और अंतिम हफ्ते के लिए दो संभावित तारीखें प्रस्तावित की हैं। बीडब्ल्यूजी की स्थापना 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नेपाल यात्रा के दौरान हुई थी। यह ग्रुप बॉर्डर पिलर्स की मरम्मत (डी2), जीपीएस आधारित सर्वेक्षण (डी4), दोनों देशों की ज़मीन पर कब्जों की सूची (डी3) और संयुक्त निरीक्षण (डी1) जैसे तकनीकी पहलुओं पर काम करता है।

हैदराबाद में 'मिलावटी' ताड़ी पीने से मरने वालों की संख्या 6 हुई

हैदराबाद (एजेंसी)। हैदराबाद में ''मिलावटी'' ताड़ी पीने से मरने वालों की संख्या बढ़कर छह हो गई है। पुलिस ने बताया कि कुकटपल्ली और केपीएचबी थाना क्षेत्र में तीन-तीन लोगों की मौत की सूचना मिली है। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री सी दामोदर राजनरसिम्हा को बताया गया कि वर्तमान में 18 मरीजों का इलाज सरकारी गांधी अस्पताल में हो रहा है, जबकि 35 अन्य का इलाज निज़ाम इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एनआईएमएस) में हो रहा है। 35 लोगों में से पांच को जल्द ही छुट्टी मिलने की उम्मीद है। स्वास्थ्य मंत्री ने स्वास्थ्य अधिकारियों और वरिष्ठ डॉक्टरों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि सभी पीड़ितों के पूरी तरह ठीक होने तक उनकी निरंतर देखभाल की जाए। इस बीच, राज्य आबकारी विभाग ने घटनाक्रम को लेकर थाना प्रभारी के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की। मद्य निषेध एवं आबकारी विभाग के अधिकारी ने बताया कि जिन दुकानों से लोगों ने ताड़ी खरीदी थी, वहां से नमूने एकत्र कर रासायनिक विश्लेषण के लिए भेजा गया है। उन्होंने बताया कि यह पता चला है कि ताड़ी की दुकान के मालिक कथित तौर पर अल्प्राजोलम नामक एक मादक पदार्थ मिलाकर ताड़ी बेच रहे थे। उन्होंने बताया कि इन दुकानों के लाइसेंस निलंबित किए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि इन लोगों ने छह जुलाई और आठ जुलाई को कुकटपल्ली, बालानगर और शहर के अन्य इलाकों में विभिन्न दुकानों में ताड़ी पी थी और उन्हें तबीयत खराब होने के बाद विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया था।

फिर मिली पटना एयरपोर्ट को उड़ाने की धमकी, तलाशी में कुछ नहीं मिला

पटना (एजेंसी)। पटना के जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को फिर बम से उड़ाने की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। यह धमकी एयरपोर्ट डायरेक्टर के आधिकारिक ईमेल पर मिली। ईमेल मिलते ही एयरपोर्ट प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां तुरंत अलर्ट हो गईं। बम निरोधक दस्ता, डॉग स्क्वायड और पुलिस टीम ने एयरपोर्ट पर सघन तलाशी अभियान चलाया, लेकिन जांच के बाद कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। बता दें 1 जुलाई को भी इसी तरह की धमकी एयरपोर्ट को मिली थी। उस समय भी सुरक्षा बलों ने छानबीन की थी, लेकिन धमकी झूठी निकली थी। दोबारा मिली धमकी के बाद अब सुरक्षा एजेंसियां इसे गंभीरता से ले रही हैं और इसकी गहराई से जांच कर रही हैं। एयरपोर्ट प्रशासन के मुताबिक धमकी भरा मेल आने के बाद कई उड़ानों की सुरक्षा जांच बढ़ा दी गई और टर्मिनल के अंदर यात्रियों और उनके सामान की कड़ी निगरानी की जा रही है। हालांकि, इससे उड़ानों के संचालन पर कोई विशेष प्रभाव नहीं पड़ा और सभी सेवाएं सामान्य रूप से जारी रहीं। मेल भेजने वाले की पहचान के प्रयास जारी हैं। साइबर सेल को जांच का जिम्मा सौंपा है। एयरपोर्ट अथॉरिटी ने इसे गंभीर मामला मानते हुए गृह मंत्रालय को रिपोर्ट भेजी है। पटना एयरपोर्ट की सुरक्षा पहले से ही संवेदनशील मानी जाती है और दो बार इस प्रकार की धमकी मिलने के बाद सुरक्षा व्यवस्था को और कड़ा कर दिया है। यात्रियों से अपील की गई है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत सुरक्षाकर्मियों को दें। बढ़ती घटनाएं यह संकेत दे रही हैं कि शरारती तत्व देश की सुरक्षा एजेंसियों की सतर्कता की परीक्षा ले रहे हैं।

बिहार में बढ़ती आपराधिक घटनाओं के लिए सीधे तौर पर राष्ट्रीय जनता दल जिम्मेदार : विजय सिन्हा

पटना (एजेंसी)। बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने राज्य में बढ़ती आपराधिक घटनाओं के लिए सीधे तौर पर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) को जिम्मेदार माना है। उन्होंने आरोप लगाया है कि बालू और शराब माफिया, जो लालू की पार्टी से जुड़े हुए हैं, राज्य में हत्या और लूट जैसी वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। डिप्टी सीएम सिन्हा ने इन घटनाओं को आगामी चुनावों से पहले राज्य में अराजकता फैलाने की साजिश बताया है। सिन्हा ने स्वीकार किया कि पुलिस-प्रशासन की कुछ कमजोर कड़ियों का फायदा उठाकर माफिया तत्व सक्रिय हो रहे हैं, लेकिन उन्होंने फिर कहा कि नीतीश के नेतृत्व वाली सरकार कानून का राज स्थापित रखने के लिए प्रतिबद्ध है और अपराध कतई बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने राजद पर जंगलराज वापस लाने का आरोप लगाकर कहा कि वे ही अपराधियों को उकसा रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को बिहार का गौरव बताकर कहा कि उनके नेतृत्व में राज्य विकास और कानून-व्यवस्था दोनों में आगे बढ़ रहा है।

राहुल गांधी पर विजय सिन्हा का विवादित बयान

उपमुख्यमंत्री सिन्हा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने राहुल गांधी को को ब्रेन लेस बताकर कहा कि एक संवैधानिक पद पर बैठा व्यक्ति संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल नहीं उठा सकता। उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों का हवाला देकर कहा कि राहुल गांधी को अपनी टिप्पणी के लिए माफी मांगनी चाहिए और उन्हें संवैधानिक पद छोड़ देना चाहिए, क्योंकि वे समाज को भ्रमित करने और संविधान का अपमान करने का काम कर रहे हैं।

अमरनाथ यात्रा में सुरक्षा को चाक-चौबंद बनाने के लिए सेना ने लांच किया ऑपरेशन शिवा

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारतीय सेना ने अमरनाथ यात्रा-2025 को एक मजबूत सुरक्षा घेरा प्रदान करने के लिए ऑपरेशन शिवा लांच किया है। जिसका उद्देश्य स्थानीय प्रशासन और केंद्रीय सुरक्षा बलों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर बाबा बर्फानी की इस पवित्र यात्रा के लिए आने वाले यात्रियों को एक अच्छी और सुरक्षित यात्रा का अनुभव कराना है।

सेना ने एक बयान जारी कर यह जानकारी दी। गौरतलब है कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद जम्मू-कश्मीर में पश्चिमी सीमा पर भारत और पाकिस्तान के बीच बने हुए तनावपूर्ण हालात के बीच सेना के ऑपरेशन शिवा लांच किया है। पहलगाम आतंकी हमले (26 लोगों की आतंकियों ने हत्या कर दी थी) के जवाब में भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए पाकिस्तान में मौजूद कुल 9 आतंकी ठिकानों को मटियामेट किया था। भारत का यह अभियान अभी भी जारी है। भविष्य में सीमा पार से कोई और आतंकी हमला बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उसे देश के खिलाफ युद्ध की तरह से देखा जाएगा और उसी अंदाज में उससे निपटा जाएगा।

सेना ने बताया कि यात्रा के लिए ऑपरेशन शिवा के तहत उसने यात्रियों के समूचे सुरक्षा सिस्टम को मजबूत बनाते हुए 8 हजार 500 से अधिक जवानों की तैनाती की है। जिन्हें विभिन्न प्रकार के रणनीतिक और तकनीकी संसाधनों से लैस किया गया है। आतंकवाद से मुकाबले के लिए एक मजबूत ग्रिड, कॉरिडोर सुरक्षा और सशक्त सुरक्षा तैनाती इसका अहम हिस्सा है। ड्रोन हमले के खतरे से निपटने के लिए 50 सी-यूएएस और ईडब्ल्यू सिस्टम लगाए गए हैं। यात्रा मार्ग और पवित्र गुफा पर यूएवी मिशन और लाइव निगरानी के जरिए बल की पैनी नजर बनी हुई है। इंजीनियर टास्क फोर्स पुलों के निर्माण, मार्ग को चौड़ा करने और आपदा में राहत प्रदान करने के लिए शामिल किया गया है।150 से ज्यादा डॉक्टर और चिकित्सा कर्मी एक 100 बेड का अस्पताल, 26 ऑक्सीजन बूथ (2 लाख लीटर ऑक्सीजन) के साथ तैनात हैं। बेहतर संचार के लिए सेना ने सिग्नल्स की कंपनियां लगाई हैं। बम निरोधक दस्ते को भी ऑपरेशन शिवा में शामिल किया गया है। 25 हजार लोगों के लिए आपात राशन की व्यवस्था भी सेना ने की है। क्यूआरटी, टेंट, वाटर पॉइंट, बुलडोजर को अलर्ट पर रखा गया है। साथ ही सेना के हेलिकाप्टर किसी भी आपातकालीन परिस्थिति से निपटने के लिए स्टैंड बाय पर रखे गए हैं।

लद्दाख यात्रा पर लेह पहुंचे दलाई लामा का भव्य स्वागत, उमड़ी हजारों की भीड़

चीन हुआ परेशान

लेह, लद्दाख (एजेंसी)। तिब्बती बौद्ध धर्मगुरु परम पावन 14वें दलाई लामा कड़ी सुरक्षा के बीच शनिवार को लेह पहुंचे। उनके स्वागत के लिए हजारों की संख्या में श्रद्धालु उमड़ पड़े। अपनी छह सप्ताह की यात्रा के दौरान, वे कई धार्मिक कार्यक्रमों में भाग लेने और अपने अनुयायियों से मुलाकात करने वाले है। शनिवार सुबह करीब 11 बजे दलाई लामा भारतीय वायुसेना के विमान से लेह पहुंचे। उनके स्वागत के लिए पूरे लेह को विशेष रूप से सजाया गया था, जिससे उत्सव जैसा माहौल बन गया था। करीब तीन साल बाद लेह की यात्रा पर आए दलाई लामा की एक झलक पाने के लिए उनके अनुयायियों में होड़ सी मची हुई थी। जिस रास्ते से दलाई लामा गुजरे, उसके दोनों ओर लोग कतारों में खड़े होकर उनका स्वागत कर रहे थे।

बात दें कि दलाई लामा ने हाल ही में अपना 90वां जन्मदिन मनाया है। लद्दाख के

लोगों की उनके प्रति गहरी आस्था है। हर बार जब भी वे लद्दाख प्रवास पर आते हैं, तब यहां के लोग उनसे मिलने और दर्शन के लिए उत्सुक दिखते हैं। इस बार भी जैसे ही दलाई लामा के लद्दाख आने की सूचना मिली, लोगों में भारी उत्साह पैदा हो गया था।

हालांकि, उनके दौरे के तहत होने वाले कार्यक्रमों के बारे में अभी तक कोई विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है। लेकिन उनके अनुयायियों का कहना है कि अपनी छह सप्ताह की यात्रा के दौरान वे कुछ दिन एकांतवास में गुजारने के बाद लोगों को अपने प्रवचनों से निहाल भी करने वाले है। बौद्ध गुरु के पहुंचने से लद्दाख में आध्यात्मिक उत्साह का संचार हो गया है। लेह में भव्य स्वागत के साथ शुरू हुआ उनका लद्दाख दौरा जांस्कर की आध्यात्मिक यात्रा के साथ संपन्न होगा।

वहीं दलाई लामा की यात्रा को देखकर लेह में सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए हैं। लेह पहुंचने पर पुलिस के जवान कई जगहों पर तैनात थे। दलाई लामा की सुरक्षा को लेकर हर बार पूरे प्रबंध किए जाते हैं। चीन के कब्जे वाले तिब्बत से सटे लद्दाख में दलाई लामा के दौरे से पड़ोसी देश चीन भी परेशान है। दलाई लामा अक्सर अपने लद्दाख दौरे के दौरान चीन की नीतियों को निशाना बनाते हैं। इस बार भी उन पर यह नजर रहेगी कि वह चीन को लेकर क्या रुख अपनाते हैं। कुछ साल पहले उन्होंने लद्दाख में कहा था कि चीन के कुछ कट्टरपंथी ही उन्हें अलगाववादी, सुधार का विरोधी मानते हैं।

मंडी जिले की करीब सभी प्रमुख सड़कों को फिर से खोला गया : सीएम सुक्खू

सुंदरनगर (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने बताया कि मानसून संबंधी आपदाओं से प्रभावित मंडी जिले की करीब सभी प्रमुख सड़कों को फिर से खोला गया है। सीएम सुक्खू ने कहा कि संपर्क सड़कों को तेजी से बहाल करने के प्रयास हो रहे हैं। सिराज और नाचन विधानसभा क्षेत्रों के प्रभावित क्षेत्रों के तीन दिवसीय दौरे के बाद सुक्खू ने कहा कि सरकार ने प्रभावित क्षेत्रों में आवश्यक सेवाओं को बहाल करने के लिए काम तेज कर दिया है। भारी बारिश की वजह से राज्य में 150 से अधिक ट्रांसफार्मर और 800 जलापूर्ति योजनाएं बाधित हुई हैं, जिसमें से 143 और 204 क्रमश : मंडी जिले में हैं। मंडी के विभिन्न क्षेत्रों में 30 जून और एक जुलाई की मध्यरात्रि को बादल फटने की 10 घटनाओं, उसके बाद अचानक आई बाढ़ और भूस्खलन की घटनाओं में 15 लोगों की मौत हो गई थी और कई लोग लापता हो गए थे।

राधिका हत्याकांड में आरोपी पिता को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया

गुरुग्राम (एजेंसी)। हरियाणा में गुरुग्राम कोर्ट ने टेनिस खिलाड़ी राधिका यादव की हत्या के आरोपी उनके पिता दीपक यादव को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। बात दें कि 25 वर्षीय टेनिस खिलाड़ी राधिका की गुरुवार को गुरुग्राम के सेक्टर 57 स्थित उनके घर में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। राधिका के पिता दीपक यादव (49) पर हत्या का आरोप है। उन्हें अदालत में पेश किया गया था, जहां से उन्हें एक दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा गया और फिर 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। वहीं पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के अनुसार, राधिका को चार गोलियां लगी थीं जिसमें तीन पीठ में और एक कंधे में लगी है। पीएम होने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। इसके बाद राधिका का अंतिम संस्का वजीराबाद स्थित उनके पैतृक गांव में किया गया।

पुलिस के अनुसार, दीपक यादव ने अपनी बेटी की हत्या करने की बात कबूल कर ली है। आरोपी पिता ने पुलिस को बताया कि

लोग मुझे बेटी की कमाई पर निर्भर रहने का ताना मारते थे, जिससे वह खुश नहीं था। गुरुग्राम पुलिस के प्रवक्ता ने बताया कि दीपक को अपनी बेटी द्वारा टेनिस एकेडमी चलाने पर भी आपत्ति थी, इस लेकर दोनों के बीच अक्सर विवाद होता था। कई बार दीपक ने राधिका को एकेडमी बंद करने के लिए कहा था, लेकिन राधिका नहीं मानी। इसके बाद गुस्से में आकर दीपक ने राधिका को गोली मार दी। वहीं हरियाणा पुलिस इसकी भी जांच कर रही है कि पिछले साल राधिका का एक म्यूजिक वीडियो में आना कहीं घर में तनाव का कारण तब नहीं बना।

वहीं पूरे घटनाक्रम में घटना के समय राधिका की मां मंजू यादव भी मकान की पहली मंजिल पर मौजूद थीं। पुलिस इस पहलू की भी जांच कर रही है कि घटना के समय मां की क्या भूमिका थी।

पुलिस ने राधिका के चाचा कुलदीप यादव की शिकायत के आधार पर एफआईआर दर्ज की है। कुलदीप ने बताया कि घटना के समय उन्होंने तेज आवाज सुनी और पहली मंजिल पर पहुंचने पर राधिका को रसोई में खून से लथपथ पाया। रिवॉल्वर ड्राइंग रूम में मिली थी। उन्होंने अपने बेटे के साथ राधिका को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने राधिका को मृत घोषित कर दिया। एफआईआर में बताया गया है कि दीपक, उनकी पत्नी मंजू और बेटी राधिका मकान की पहली मंजिल पर रहते थे, जबकि कुलदीप अपने परिवार के साथ ग्राउंड फ्लोर पर रहते हैं। घटना के समय दीपक का बेटा धीरज वहां मौजूद नहीं था।

छांगुर बाबा की गिरफ्तार पर सीएम योगी... धर्मांतरण कराने वालों को बख्शा नहीं जाएगा

धर्मांतरण कराने के लिए अलग-अलग रेट तय किए

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में अवैध धर्मांतरण के मामले में जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा को गिरफ्तार किया गया है। छांगुर बाबा के पुलिस की पकड़ में आने के बाद एक के बाद एक बड़े खुलासे हो रहे हैं। इस बीच सीएम योगी ने छांगुर बाबा और अवैध धर्मांतरण को लेकर बड़ा बयान दिया है। सीएम योगी ने कहा कि बलरामपुर में धर्मांतरण की साजिश की गई, लेकिन हमारी सरकार ने धर्मांतरण कराने वालों पर बड़ी कार्रवाई की है। उन्होंने कहा कि आरोपी छांगुर बाबा ने धर्मांतरण कराने के लिए अलग-अलग रेट तय किए थे। ये लोग देश का स्वरूप बिगाड़ने का काम कर रहे हैं।

दरअसल, सीएम योगी ने अवैध धर्मांतरण और छांगुर बाबा को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में धर्मांतरण कराने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। इस कड़ी में धर्मांतरण कराने वालों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई है। सीएम योगी ने बाबा छांगुर के कारनामों का जिक्र कर बताया कि कैसे धर्मांतरण करना है,

इसका आरोपी छांगुर ने रेट भी तय किया थे।

धर्मांतरण के लिए तय किए रेट

सीएम योगी ने कहा, आपने देखा होगा किस प्रकार की साजिशें हो रही हैं। अभी बलरामपुर में हम लोगों ने बड़ी कार्रवाई को आगे बढ़ाया। आपने देखा होगा, आरोपी ने रेट तय किए, धर्मांतरण के कार्यक्रम को कैसे आगे बढ़ाना है। हिंदुओं में, ब्राह्मणों में, क्षत्रियों में, सिखों में, ओबीसी जातियों में, अनुसूचित जाति-जनजाति के लोगों में, लोगों को कैसे धर्मांतरण करना है, सबके रेट तय थे। विदेशों से धनराशि आ रही थीं। सीएम योगी ने कहा, आप सोचिए, 100 करोड़ से अधिक का ट्रांजेक्शन अब तक उसके 40 खातों में प्राप्त हुआ है और वह लगातार उस अभियान को बढ़ाने का कार्य कर रहा था। इस रूप में देश का स्वरूप बिगाड़ने का काम कर रहे हैं। परिस्थितियां बदली हैं, उद्देश्य उनका वहीं है जो उस समय था, हां, काम का तरीका उन्होंने बदला है।

कांवड़ यात्रा के चलते मीट दुकानें बंद और शराब दुकानें खोलना कहां का है न्याय?

-सपा के पूर्व सांसद ने योगी सरकार के दोहरे रवैये पर उठाए सवाल

मुरादाबाद (एजेंसी)। यूपी में कांवड़ यात्रा के दौरान नॉनवेज की दुकानों को बंद रखने के आदेश पर समाजवादी पार्टी के पूर्व सांसद एसटी हसन ने सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा के मार्गों पर नॉनवेज की दुकानें बंद रखने का आदेश है, लेकिन शराब की दुकानों को तिरपाल से ढककर बेचा जा रहा है, ये कौन सा इंसाफ है। उन्होंने सवाल पूछा कि क्या शराब से किसी का धर्म भ्रष्ट नहीं होगा? हसन ने कहा कि योगी सरकार का दोहरा रवैया है। उनका फैसला न केवल असंगत है, बल्कि गरीब दुकानदारों के साथ अन्याय भी है।

उन्होंने कहा कि मेरे हिसाब से हमारे हिंदू भाइयों में मुश्किल से 30-40 फीसदी लोग ही शराब पीते होंगे, लेकिन करीब 80 फीसदी नॉनवेज खाते हैं। ऐसे में मांस की दुकानें बंद कराना और शराब की दुकानों को चालू रखना कहां का न्याय है? उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि योगी सरकार ने राजस्व कमाने के लालच में यह फैसला लिया है। एसटी हसन ने कहा कि सरकार को शराब की दुकानों से रेवेन्यू मिल रहा है, इसलिए उन्हें बंद नहीं किया गया, लेकिन गरीब होटल व मीट विक्रेताओं के लिए किसी ने नहीं सोचा, जो रोज कमाते और खाते हैं।

सपा नेता ने मांग की कि योगी सरकार को इस मुद्दे पर समान दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर धार्मिक आस्था का सम्मान करना है तो दोनों तरह की दुकानों पर समान नियम लागू हों। केवल नॉनवेज की दुकानों को बंद करना और शराब की बिक्री जारी रखना तर्कसंगत नहीं है। उन्होंने सवाल उठाया कि उन क्षेत्रों में भी मीट की दुकानें बंद कराई जा रही हैं, जहां से कांवड़ यात्रा गुजरती ही नहीं है। उन्होंने कहा कि कुछ अधिकारी सिर्फ अपनी पीठ थपथपाने के लिए पूरे शहर में मांस बिक्री पर रोक लगा रहे हैं, यहां तक कि गांवों में भी, जहां से एक भी कांवड़ नहीं निकलती है। पूर्व सांसद हसन ने अपील की कि सरकार अपने आदेशों पर पुनर्विचार करे और सभी के साथ समानता का व्यवहार और न्याय करे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

अर्जेंटीना के पूर्व राष्ट्रपति पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप

ब्यूनस आयर्स, एजेंसी। अर्जेंटीना ने पूर्व राष्ट्रपति अल्बर्टो फर्नांडीज पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगे हैं। फर्नांडीज पर उनके कार्यकाल के दौरान सार्वजनिक क्षेत्र के बीमा अनुबंध में अनियमितताओं से जुड़े आरोप लगे हैं। संघीय न्यायाधीश सेबेस्टियन कैसानेलो ने कहा कि मामला चलने तक फर्नांडीज हिरासत से बाहर रह सकते हैं। पद छोड़ने के बाद से फर्नांडीज के खिलाफ यह दूसरा मामला है, लेकिन कथित भ्रष्टाचार से जुड़ा पहला मामला है। साल 2025 की शुरुआत में, उन पर पूर्व प्रथम महिला फैबियोला यानेज के खिलाफ लैंगिक हिंसा के आरोप लगे थे।

ट्रंप प्रशासन ने जॉर्ज मेसन यूनिवर्सिटी की भर्ती प्रक्रिया पर शुरू की नागरिक अधिकारों की जांच

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने गुरुवार को वर्जीनिया की सबसे बड़ी पब्लिक यूनिवर्सिटी जॉर्ज मेसन यूनिवर्सिटी के खिलाफ सिविल राइट्स यानी नागरिक अधिकारों की जांच शुरू कर दी है। आरोप है कि यूनिवर्सिटी डाइवर्सिटी (विविधता) को बढ़ावा देने के नाम पर भेदभाव कर रही है।शिक्षा विभाग को कुछ प्रोफेसरों ने शिकायत दी है कि यूनिवर्सिटी ने अल्पसंख्यक या कम प्रतिनिधित्व वाले वर्गों के लोगों को तरजीह दी, जबकि भर्ती में योग्यता को नजरअंदाज किया गया। शिकायत में कहा गया है कि यूनिवर्सिटी के प्रेसिडेंट ग्रेगोरी वॉशिंगटन ने भर्ती में डाइवर्सिटी को प्राथमिकता देने की गाइडलाइन जारी की, जिससे योग्य उम्मीदवारों के साथ अन्याय हुआ।

ट्रंप प्रशासन पहले से ही विविधता, समानता, समावेशन नीतियों के खिलाफ मोर्चा खोले हुए है। उनका मानना है कि इन नीतियों से श्वेत और एशियाई अमेरिकी लोगों के साथ भेदभाव होता है। इससे पहले हार्वर्ड और कोलंबिया जैसी प्राइवेट यूनिवर्सिटीज़ पर ध्यान केंद्रित था, लेकिन अब यह अभियान पब्लिक यूनिवर्सिटीज़ तक पहुंच गया है।

गाजा में भूख से तड़पते लोगों को राहत देने के लिए यूरोप और इस्राइल के बीच नया समझौता

गाजा, एजेंसी। गुरुवार को यूरोपीय यूनियन ने इज़राइल के साथ गाजा में खाने और ईंधन की आपूर्ति शुरू करने पर समझौता किया है। लेकिन इसी दिन एक इस्राइली हवाई हमले में 10 बच्चों समेत 15 लोगों की मौत हो गई, जो मदद पाने के लिए एक मेडिकल क्लिनिक के बाहर इंतजार कर रहे थे। इस घटना ने पूरी दुनिया में नाराजगी पैदा कर दी है। यूनिसेफ की प्रमुख कैथरीन रसेल ने कहा कि जीवन बचाने वाली मदद पाने की कोशिश कर रहे परिवारों की हत्या अकल्पनीय है। ये महिलाएं अपने बच्चों के लिए राहत की उम्मीद में वहां खड़ी थीं। गाजा के दीर अल बलाह शहर में एक मेडिकल क्लिनिक के बाहर सुरक्षा कैमरे की फुटेज में दिखा कि दर्जनों लोग वहां बैठे थे, तभी पास में एक धमाका हुआ और लोग जमीन पर गिर पड़े। इस्राइली सेना ने दावा किया कि उन्होंने एक आतंकी को निशाना बनाया था, जो क्लिनिक के पास मौजूद था।

धर्मगुरु दलाई लामा के जन्मदिन पर जर्मनी में उत्सव

लंदन, एजेंसी। तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा का 90वां जन्मदिन जर्मनी और तिब्बती समुदाय एक साथ मना रहे हैं। फ्रैंकफर्ट में 1,000 से अधिक तिब्बती समारोह में एकत्रित हुए। कार्यक्रम मुख्य अतिथि जर्मन बुंडेस्टाग के सदस्य माइकल ब्रांड और विशिष्ट अतिथि हेस्से के पूर्व मंत्री राष्ट्रपति प्रो. डॉ. एचसी रोलैंड कोच और जिनेवा स्थित तिब्बती ब्यूरो के संयुक्त राष्ट्र अधिवक्ता अधिकारी फुंत्सोक तोपग्याल की उपस्थिति में आयोजित किया गया। केंद्रीय तिब्बती प्रशासन (सीटीए) के अनुसार, हेसियन राज्य चांसलरी के प्रोटोकॉल अधिकारी, डाइटर बेइन, फ्रेंड्स ऑफ फ्रेंड्स समूह के अध्यक्ष फ्रैंक और उवे बेकर और पूरे जर्मनी में तिब्बती धर्म केंद्रों और तिब्बत समर्थक समूहों के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे। शुरुआत में भिक्षुओं और समुदाय के सदस्यों द्वारा पारंपरिक प्रार्थनाओं के साथ हुई। तिब्बती संडे स्कूल के बच्चों ने गीत प्रस्तुत किए। इस दौरान अहिंसा, मानवाधिकारों व धार्मिक सद्भाव के प्रति प्रतिबद्धता जताई गई।

नेपाल की संसद भवन में गिरा ड्रोन, कॉलेज के प्रोफेसर और चार छात्र गिरफ्तार

काठमांडू, एजेंसी। काठमांडू में गुरुवार को एक बड़ा हादसा तब हुआ जब एक ड्रोन उड़ान भरते हुए नेपाल की संसद भवन परिसर में जा गिरा। इस मामले में एक कॉलेज के प्रोफेसर और चार छात्रों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। काठमांडू मेट्रोपॉलिटन पुलिस के प्रवक्ता अपिल बोहरा ने जानकारी दी कि यह ड्रोन मंगलवार को संसद भवन की छत पर मिला, जो एक नो-फ्लाई ज़ोन है। पुलिस जांच में सामने आया है कि यह ड्रोन टेकस्पायर कॉलेज से उड़ाया गया था। इसी कॉलेज के एक शिक्षक और चार छात्र इसे टेस्ट फ्लाइट के तौर पर उड़ा रहे थे। कॉलेज के प्रिंसिपल लक्ष्मण पोखरेल ने बताया कि यह ड्रोन छात्रों की एक शैक्षणिक परियोजना (असाइनमेंट) का हिस्सा था और वे इसका परीक्षण कर रहे थे, लेकिन अचानक ड्रोन से संपर्क टूट गया और वह संसद परिसर में जा गिरा। फिलहाल पुलिस ने सभी पांचों को हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

सेनेगल की नौसेना ने 201 प्रवासियों को पकड़ा

डाकर, एजेंसी। सेनेगल की नौसेना ने बुधवार को एक बड़ी कार्रवाई करते हुए 201 पश्चिम अफ्रीकी प्रवासियों को गिरफ्तार किया, जो अटलांटिक महासागर के रास्ते यूरोप जाने की कोशिश कर रहे थे। यह कार्रवाई देश के पश्चिमी हिस्से के फाउंडियूग्ने इलाके में की गई। सेनेगल की सेना ने अपने बयान में बताया कि इनमें से 69 लोगों को जमीन पर पकड़ा गया, जबकि 132 लोगों को एक छोटी लकड़ी की नाव (पिरोग) में सलूम डेल्टा के पास मंगलवार शाम को रोका गया। ये सभी अवैध तरीके से स्पेन के कैनरी द्वीप जाने की कोशिश कर रहे थे। हाल के वर्षों में पश्चिम अफ्रीका से स्पेन के कैनरी द्वीप तक का समुद्री रास्ता एक बार फिर लोकप्रिय लेकिन खतरनाक मार्ग बन गया है। 2024 में अब तक करीब 47,000 लोग इस रास्ते से कैनरी द्वीप पहुंचे हैं, जो 2023 के लगभग 40,000 से ज्यादा है।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में बस पर हमला

9 लोगों की मौत, पहचान करने के बाद गोली मारी

क्वेटा, एजेंसी। पाकिस्तान में फिर बड़ा अटैक हुआ है, जिसमें हमलावरों ने 9 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी। फिलहाल, स्थानीय पुलिस मामले की जांच कर रही है। खबर है कि हमलावरों ने एक बस को रोका और यात्रियों को उतारकर गोली मार दी थी। बलूचिस्तान के अधिकारी इसे आतंकवादी घटना बता रहे हैं। इस साल मार्च में ही जाफर एक्सप्रेस ट्रेन को बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने हाईजैक कर लिया था।

जियो टीवी की रिपोर्ट के अनुसार, बलूचिस्तान के अधिकारियों ने पुष्टि की है कि कम से कम 9 लोगों की हत्या कर दी गई है। उन्होंने बताया कि क्वेटा से लाहौर जाने वाली बस में सवार यात्रियों को उतारकर अगवा किया और गोली मार दी। घटना उत्तरी बलूचिस्तान के पास झोब शहर की है। रिपोर्ट के मुताबिक, हमलावरों ने बस को रोका, यात्रियों को उतारा और चुनकर पहचान कर 9 लोगों की हत्या कर दी।

झोब पुलिस उपायुक्त नावेद आलम ने कहा कि यात्रियों को वाहनों से अगवा करने के बाद उन्हें गोली मारी गई थी। उन्होंने कहा कि शवों को बलूचिस्तान के बारखान जिले के रेखनी अस्पताल में शिफ्ट किया गया है। प्रांतीय सरकार के प्रवक्ता शाहिद रिंद ने घटना की निंदा की और उसे आतंकवादी कृत्य करार दिया है। उन्होंने कहा, आतंकवादियों ने यात्रियों को बस से उतारा, पहचान की और बेरहमी से 9 मासूम पाकिस्तानियों की हत्या कर दी। रिपोर्ट के अनुसार, एक अधिकारी ने कहा कि हमलावर अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। फिलहाल, उनकी तलाश जारी है।

मुख्यमंत्री मीर सरफराज बुगती ने इसे खुला आतंकवाद बताया और तार फित्ना ए हिन्दुस्तान से जोड़े। बुगती का कहना है कि हमलावरों ने जानबूझकर पाकिस्तानी पहचान के कारण मासूम नागरिकों को निशाना बनाया है। उन्होंने कहा है कि आतंकवादियों ने एक बार फिर अपना डरपोक रवैया दिखाया है। साथ ही कहा है कि मासूमों का खून व्यर्थ नहीं होगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह देश के खिलाफ युद्ध है और हमारा जवाब मजबूत और निर्णायक होगा। इस बीच चरमपंथियों ने क्वेटा, लोरालाई और मस्तुंग में तीन आतंकवादी हमले भी किए लेकिन बलूचिस्तान सरकार के प्रवक्ता शाहिद रिंद ने दावा किया कि सुरक्षा बलों ने इन हमलों को नाकाम कर दिया। बलूचिस्तान मीडिया में अपनी रिपोर्ट में दावा किया कि चरमपंथियों ने रात के दौरान प्रांत में कई जगहों पर हमले किए और सुरक्षा चौकियों, सरकारी प्रतिष्ठानों, थानों, बैंकों और संचार टावरों को निशाना बनाया।

बलूचिस्तान की प्रांतीय सरकार इसे भारत समर्थित हमला बता रही है। सरकार ने इस हमले के पीछे फितना अल-हिंदुस्तान का हाथ होने की बात कही है। पाकिस्तान सरकार ने मई में बलूचिस्तान के सभी विद्रोही संगठनों को फितना-अल-हिंदुस्तान का नाम दिया है। इनमें बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी सबसे बड़ा और प्रमुख संगठन है।

सरकारी प्रवक्ता शाहिद रिंद ने कहा - यह सिर्फ एक हमला नहीं, निर्दोष पाकिस्तानियों की क्रूर हत्या है। यह फितना अल-हिंदुस्तान की बर्बर सोच का नतीजा है। रिंद ने बताया कि मास्तुंग, कालात और सरदगाई में भी फितना अल-हिंदुस्तान से जुड़े आतंकियों ने हमले किए, लेकिन वहां सुरक्षा बलों ने स्थिति को संभाल लिया। झोब में हमला अंधेरे का फायदा उठाकर किया गया, जिससे हमलावर बच निकले।

इस्लामाबाद स्थित थिंक टैंक पाकिस्तान इंस्टीट्यूट फॉर कॉन्फ्लिक्ट एंड सिक्योरिटी की रिपोर्ट बताती है कि मई 2025 में देश में कुल 85 आतंकी हमले हुए। इनमें बलूचिस्तान सबसे ज्यादा प्रभावित रहा।

इस साल जनवरी में भी बलूचिस्तान के तुरबत शहर में बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी के लड़ाकों ने एक बस में बम ब्लास्ट कर दिया था। इसमें 6 लोगों की मौत हो गई थी। इसके अलावा 25 घायल हुए थे। हमले के बाद बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी के एक प्रवक्ता ने वीडियो जारी कर हमले की जिम्मेदारी ली।

मवेशियों को मक्खी से खतरा, मैक्सिको से अमेरिका आने पर रोक

वाशिंगटन। अमेरिका ने एक बार फिर मैक्सिको से मवेशियों की एंट्री पर रोक लगा दी है। वजह है एक खतरनाक मांस खाने वाला परजीवी, जो पहले से ज्यादा उत्तर की तरफ यानी अमेरिका की सीमा के नज़दीक पहुंच गया है। इस पर मैक्सिको के राष्ट्रपति ने नाराज़गी जताई। साथ ही कहा है कि अमेरिका इस खतरे को बढ़ा-चढ़ाकर पेश कर रहा है। बता दें कि परजीवी का नाम है न्यू वर्ल्ड स्क्रूवॉर्म फ्लाई। यह मक्खी जख्मों पर अंडे देती है, जिनसे ऐसे कीड़े निकलते हैं जो मरे हुए शरीर पर नहीं, बल्कि जिंदा जानवरों के मांस पर पलते हैं। यही बात इसे खतरनाक बनाती है।अमेरिकी अधिकारियों को डर है कि अगर यह मक्खी टेक्सास तक पहुंच गई, तो मवेशी उद्योग को भारी आर्थिक नुकसान हो सकता है, जैसा कि 1970 के दशक में हुआ था। उस समय अमेरिका ने इस मक्खी को खत्म करने के लिए बड़ी संख्या में नपुंसक नर मक्खियां पैदा की थीं, जो मादा मक्खियों से प्रजनन नहीं कर पाती थीं। तब से यह परजीवी केवल पनामा तक सीमित था। लेकिन पिछले साल के अंत में यह दक्षिणी मैक्सिको में फिर पाया गया।

सिएटल में लोगों ने लिया भारतीय आम का स्वाद

सिएटल , एजेंसी। सिएटल स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) के साथ साझेदारी में भारतीय आमों के स्वाद को प्रदर्शित करने वाले एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। इसमें लोगों ने आम के व्यंजनों का आनंद लिया।

इमरान खान को अब पहली पत्नी जेमिमा गोल्डस्मिथ का मिला समर्थन

बेटे भी भड़के, आंदोलन की तैयारी!

इस्लामाबाद, एजेंसी। बीते करीब दो सालों से जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को अब पहली पत्नी जेमिमा गोल्डस्मिथ का समर्थन मिला है। जेमिमा गोल्डस्मिथ को इमरान खान से तलाक लिए भी 21 साल हो चुके हैं, लेकिन जेल में बंद पूर्व पति से बच्चों को न मिलने देने पर जेमिमा ने ऐतराज जताया है। जेमिमा गोल्डस्मिथ और इमरान खान की शादी 1995 में हुई थी और 2004 में दोनों अलग हो गए थे। दोनों के दो बेटे सुलेमान इसा खान और कासिम खान हैं। जेमिमा और इमरान खान के बीच तलाक हो गया तो दोनों बेटे मां के साथ ही रहते हैं। लेकिन इमरान खान से भी वह संपर्क में रहते थे।

वह बीते करीब दो सालों से जेल में बंद हैं तो बेटों को भी पिता की फिक्र हो रही है। यही नहीं उनकी इमरान खान से फोन पर बात तक नहीं हो पा रही है। इसके अलावा पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ के सलाहकार राणा सनाउल्लाह के एक बयान पर वह और भड़क गईं, जिसमें बेटों को भी गिरफ्तार करने की बात कही गई। सनाउल्लाह ने कहा था कि यदि इमरान खान के बेटे पाकिस्तान आए और विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया तो उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इस पर जेमिमा ने सख्त ऐतराज जताया है। उन्होंने कहा, मेरे बच्चों को अपने पिता इमरान खान से फोन पर बात करने की अनुमति नहीं है। वह लगभग दो वर्षों से जेल में एकांतवास में हैं।

इसके अलावा इमरान खान के बेटे कासिम खान ने भी एक्स पर एक पोस्ट लिखी है। कासिम खान ने लिखा,मेरे पिता इमरान खान को जेल में बंद हुए 700 साल हो गए हैं। वह एकांतवास में है। उन्हें वकीलों तक से मिलने नहीं दिया जा रहा है। उन्हें परिवार से दूर रख गया है। वह पूरी दुनिया और यहां तक कि अपने बच्चों से भी कट गए हैं। उनके निजी डॉक्टर को भी मिलने नहीं दिया जा रहा। यह न्याय नहीं है। यह एक सोची समझी साजिश है कि कैसे पाकिस्तान में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए खड़े एक शख्स को तोड़ दिया जाए। वह लोकतंत्र के लिए लड़ रहे हैं।

वहीं जेमिमा ने कहा कि पाकिस्तान की सरकार कहती है कि इमरान खान के बेटे यदि पिता से मिलने आए तो अरेस्ट कर लिया जाएगा। यह कोई लोकतांत्रिक सरकार नहीं है। यह राजनीति भी नहीं है। यह किसी आदमी से बदला लेने वाली बात है। हालांकि राणा सनाउल्लाह अब भी अपनी बात पर कायम हैं। उन्होंने कहा कि यदि कोई हिंसक आंदोलन को लीड करने के लिए आता है तो उसे अरेस्ट क्यों नहीं किया जाएगा। हिंसा भड़काने की कोशिश हुई तो उसका अंजाम तो भुगतना ही पड़ेगा। इस बीच खबर है कि इमरान के बेटे वॉशिंगटन में पीटीआई के आंदोलन में हिस्सा लेने जाएंगे।

शुभांशु शुक्ला 14 जुलाई को धरती पर लौटेंगे: चार दिन मिशन आगे बढ़ा

टेक्सास, एजेंसी। भारतीय एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला 14 जुलाई को धरती पर लौटेंगे। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी। एक्सियम-4 मिशन के तहत शुभांशु सहित चार क्रू सदस्य इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) पहुंचे थे। एक्सियम मिशन को 25 जून को फ्लोरिडा के कैनेडी स्पेस सेंटर से लॉन्च किया गया था। ड्रैगन अंतरिक्ष यान 28 घंटे की यात्रा के बाद 26 जून को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर डॉक किया गया था।

हालांकि, यह मिशन 14 दिनों का था। अब एस्ट्रोनॉट की वापसी चार दिन देरी से होगी। इससे पहले 6 जुलाई को शुभांशु के आईएसएस स्टेशन से कुछ तस्वीरें सामने आई थीं। जिसमें शुभांशु कपोला मॉड्यूल के विंडो से पृथ्वी देखते नजर आ रहे थे। कपोला मॉड्यूल एक गुंबदनुमा ऑब्जर्वेशन विंडो है, जिसमें 7 खिड़कियां होती हैं। शुभांशु ने पीएम से कहा था- अंतरिक्ष से कोई सीमा नहीं दिखती प्रधानमंत्री मोदी ने 28 जून को शुभांशु से वीडियो कॉल पर बातचीत की थी। उन्होंने पूछा कि अंतरिक्ष को देखकर उन्हें सबसे पहले क्या महसूस हुआ, तो ग्रुप कैप्टन शुक्ला ने कहा, अंतरिक्ष से, आपको कोई सीमा नहीं दिखती। पूरी पृथ्वी एकजुट दिखती है।

शुभांशु ने प्रधानमंत्री मोदी से कहा- अंतरिक्ष से भारत बहुत भव्य दिखता है। हम दिन में 16 सूर्योदय और 16 सूर्यास्त देखते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने शुभांशु शुक्ला से पूछा कि आप गाजर का हलवा लेकर इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन गए हैं। क्या आपने अपने साथियों को खिलाया। इस पर शुभांशु ने कहा कि हां साथियों के साथ बैठकर खाया।

एक्सियम-4 मिशन का हिस्सा हैं शुभांशु शुक्ला : शुभांशु शुक्ला एक्सियम-4 मिशन का हिस्सा हैं, जिसकी एक सीट के लिए भारत ने 548 करोड़ रुपए चुकाए हैं। यह एक प्राइवेट स्पेस फ्लाइट मिशन है, जो अमेरिकी स्पेस कंपनी एक्सियम, नासा और स्पेसएक्स की साझेदारी से हो रहा है। यह कंपनी अपने स्पेसक्राफ्ट में निजी अंतरिक्ष यात्रियों को आईएसएस भेजती है।

शुभांशु आईएसएस में इंडियन एजुकेशन इंस्टीट्यूट्स के 7 प्रयोग करेंगे। इनमें ज्यादातर बायोलॉजिकल स्टडीज हैं। वे नासा के साथ 5 अन्य प्रयोग करेंगे, जिसमें लंबे अंतरिक्ष मिशन के लिए डेटा जुटाएंगे। इस मिशन में किए गए प्रयोग भारत के गगनयान मिशन को मजबूत करेंगे।41 साल बाद कोई भारतीय एस्ट्रोनॉट अंतरिक्ष में गया अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा और भारतीय एजेंसी इसरो के बीच हुए एग्रीमेंट के तहत भारतीय वायु सेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को इस मिशन के लिए चुना गया है। 41 साल पहले भारत के राकेश शर्मा ने 1984 में सोवियत यूनियन के स्पेसक्राफ्ट से अंतरिक्ष यात्रा की थी। शुभांशु का ये अनुभव भारत के गगनयान मिशन में काम आएगा। ये भारत का पहला मानव अंतरिक्ष मिशन है, जिसका उद्देश्य भारतीय गगनयात्रियों को पृथ्वी की निचली कक्षा में भेजना और सुरक्षित रूप से वापस लाना है। इसके 2027 में लॉन्च होने की संभावना है।

ट्रंप के 35 फीसदी टैरिफ के एलान पर प्रधानमंत्री कार्नी का पलटवार, कहा- अपने व्यवसायों की रक्षा करते रहेंगे

ट्रंप ने कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के नाम लिखे पत्र में कहा कि अगर कनाडा जवाबी कार्रवाई करता है, तो टैरिफ में और वृद्धि हो सकती है

ओटावा, एजेंसी। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने गुरुवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा कनाडा से आने वाले सामानों पर 35त्न टैरिफ लगाए जाने पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार अपने व्यापार और व्यवसायों की मजबूती से रक्षा करती रहेगी।

प्रधानमंत्री कार्नी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि कनाडा ने उत्तर अमेरिका में फेंटानिल की समस्या को रोकने की दिशा में अहम प्रगति की है और वह अमेरिका के साथ मिलकर दोनों देशों के लोगों की जान बचाने और समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने एक्स पर लिखा कि अमेरिका के साथ चल रही व्यापार वार्ताओं के दौरान कनाडाई सरकार ने अपने श्रमिकों और व्यवसायों के हितों की दृढ़ता से रक्षा करती रहेगी। हम 1 अगस्त की संशोधित समयसीमा तक इस दिशा में अपने प्रयास जारी रखेंगे। कनाडा ने उत्तर अमेरिका में फैले फेंटेनाइल जैसे घातक नशे के संकट को रोकने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति की है। हम अमेरिका के साथ मिलकर जीवन बचाने और दोनों देशों के समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा, हम एक सशक्त कनाडा का निर्माण कर रहे हैं। केंद्र सरकार, प्रांतों और क्षेत्रों के साथ मिलकर एक एकीकृत कनाडाई

अर्थव्यवस्था के निर्माण में महत्वपूर्ण प्रगति कर रही है। हम राष्ट्रीय हित में कई बड़े नए प्रोजेक्ट्स शुरू करने के लिए तैयार हैं। साथ ही, हम दुनियाभर में अपने व्यापारिक साझेदारियों को भी लगातार मजबूत कर रहे हैं।

इससे पहले गुरुवार (10 जुलाई) को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी को एक पत्र लिखकर नई टैरिफ दरों की जानकारी दी थी। ट्रंप ने घोषणा की है कि 1 अगस्त से कनाडा से होने वाले सभी आयातों पर 35 प्रतिशत टैरिफ लगाया जाएगा। उन्होंने इसे कनाडा की ओर से फेंटेनाइल ड्रग की सप्लाई कम करने में नाकामी का नतीजा बताया है।ट्रंप ने कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के नाम लिखे पत्र में कहा कि अगर कनाडा जवाबी कार्रवाई करता है, तो टैरिफ में और वृद्धि हो सकती है। पत्र को उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी साझा किया है। हालांकि, बातचीत की गुंजाइश रखते हुए उन्होंने कहा कि अगर कनाडा फेंटानिल की तस्करी रोकने में मदद करता है, तो शायद हम इस पत्र में बदलाव पर विचार कर सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि दोनों देशों के रिश्तों के आधार पर टैरिफ को बढ़ाया या घटाया जा सकता है।राष्ट्रपति की यह टिप्पणी ऐसे साक्ष्यों के बावजूद आई है जो दर्शाते हैं कि संयुक्त राज्य अमेरिका में तस्करी की जाने वाली फेंटानिल की अधिकांश मात्रा कनाडा के साथ उत्तरी सीमा से नहीं, बल्कि मैक्सिको के साथ दक्षिणी सीमा से प्रवेश करती है। ट्रंप ने हाल के दिनों में ट्रेड युद्ध का दायरा बढ़ाते हुए कई देशों पर नए टैरिफ लगाए हैं। कनाडा के अलावा, ट्रंप ने हाल ही में जापान और दक्षिण कोरिया पर भी नए टैरिफ लगाए हैं। इसके साथ ही आयातित तांबे पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा की है। गुरुवार को एनबीसी न्यूज के साथ एक साक्षात्कार में ट्रंप ने संकेत दिया कि जल्द ही दूसरे देशों को भी 15 से 20 प्रतिशत तक के व्यापक टैरिफ का सामना करना पड़ सकता है।

अमेरिकी विदेश विभाग में छंटनी की तैयारी, जल्द जारी होंगे कर्मचारियों को नोटिस

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका का विदेश विभाग भी छंटनी की तैयारी कर रहा है। विदेश विभाग ने अपने कर्मचारियों को कहा है कि वे जल्द ही छंटनी के लिए नोटिस जारी करेंगे। डोनाल्ड ट्रंप के सत्ता में आने के बाद से ही वे संघीय सरकार के आकार को कम करने में जुटे हैं। इसके तहत कई सरकारी विभागों से छंटनी की गई हैं। सरकारी दक्षता विभाग के नेतृत्व में संघीय सरकार में छंटनी अभियान चलाया गया और सैंकड़ों लोगों को अब तक नौकरी से निकाला जा चुका है।

सुप्रीम कोर्ट ने भी दी छंटनी की मंजूरी : अमेरिका में संघीय सरकार में छंटनी को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती भी दी गई थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने भी छंटनी जारी रखने के पक्ष में फैसला दिया था। अमेरिकी विदेश विभाग के उप-सचिव माइकल रिग्स ने कहा कि जिन कर्मचारियों की छंटनी की

जाएगी, उन्हें जल्द ही इसकी सूचना दे दी जाएगी। अभी तक ये साफ नहीं है कि विदेश विभाग से कितने लोगों को नौकरी से हटाया जाएगा। विदेश विभाग ने मई में कांग्रेस को छंटनी और पुनर्गठन की जानकारी दे दी थी। विदेश विभाग ने ये भी कहा कि जो कार्यक्रम पूर्व की सरकार द्वारा चलाए जा रहे थे, उनमें कटौती की जाएगी। आलोचक बोले- इस कदम से अमेरिकी प्रभाव कम होगा

सरकार के इस कदम के आलोचकों का कहना है कि प्रस्तावित कटौती से वैश्विक स्तर पर अमेरिकी प्रभाव कम होगा और कई विभागों के लिए अपने मिशनों को पूरा करना मुश्किल हो जाएगा। अमेरिकी विदेश विभाग अफगानिस्तान में अमेरिका की दो दशक की भागीदारी की निगरानी करने वाले कुछ विभागों को समाप्त करने की योजना बना रहा है, इसमें अमेरिकी सेना के साथ काम करने वाले अफगान नागरिकों के पुनर्वास पर काम करने वाला एक कार्यालय भी शामिल है। साथ ही शरणार्थियों और आव्रजन से जुड़े कार्यक्रमों के साथ-साथ मानवाधिकारों और लोकतंत्र को बढ़ावा देने वाले कई कार्यक्रमों को भी समाप्त करने की योजना है।

अमेरिकी विदेश सेवा संघ, जो राजनयिकों का प्रतिनिधित्व करता है, ने पिछले महीने विदेश विभाग से नौकरियों में कटौती नहीं करने का आग्रह किया था। संघ के अध्यक्ष टॉम याज्दगेरदी ने कहा कि इससे न सिर्फ कर्मचारियों की छंटनी होगी, बल्कि कई पद भी पूरी तरह समाप्त हो जाएंगे। इस कदम से विदेश सेवा को बाधित करने से राष्ट्रीय हित खतरे में पड़ सकते हैं और दुनिया भर के अमेरिकियों को इसके परिणाम भुगतने होंगे।

पीएम नेतन्याहू अमेरिका दौरे के अंत में बोले - हम 60 दिन की संघर्षविराम योजना पर कर रहे काम

येरूशलम, एजेंसी। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू इस समय अमेरिका दौरे पर हैं और गुरुवार को उन्होंने दो इस्राइली दूतावास कर्मचारियों की याद में आयोजित समारोह में हिस्सा लिया। उनका यह दौरा 4 दिनों का था, जिसमें उन्होंने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, व्हाइट हाउस अधिकारियों और सांसदों से मुलाकात की। इस दौरे का मुख्य उद्देश्य था गाजा में 21 महीने से जारी युद्ध को रोकने के लिए संघर्षविराम का कोई रास्ता निकालना। अमेरिका चाहता है कि इज़रायल और हमास के बीच 60 दिन का युद्धविराम हो, जिससे स्थायी शांति की राह खुल सके।नेतन्याहू ने गुरुवार को एक वीडियो जारी कर कहा कि वे इस अमेरिका-समर्थित समझौते को अंतिम रूप देने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन उन्होंने साफ कहा कि यह एक अस्थायी समझौता होगा और इसका मकसद होगा गाज़ा में बचे हुए अंतिम 50 बंधकों को रिहा कराना। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि संघर्षविराम तभी हो सकता है जब हमास अपने हथियार डाल दे और उसकी शासन व सैन्य ताकत खत्म हो जाए। नेतन्याहू ने कहा, ये हमारे बुनियादी शर्तें हैं।

अनिश्चितकालीन छुट्टी पर अटलांटा यूनाइटेड के प्रेसिडेंट और सीईओ गार्थ लेगरवे

अटलांटा, एजेंसी। अटलांटा यूनाइटेड के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी गार्थ लेगरवे कैंसर का इलाज करा रहे हैं और इसी कारण उन्होंने अनिश्चितकाल के लिए छुट्टी ले ली है। क्लब ने गुरुवार को यह जानकारी दी और बताया कि उनके पूरी तरह ठीक होने की उम्मीद है, जो एक सकारात्मक संकेत है। हालांकि, उनकी वापसी की कोई निश्चित तारीख तय नहीं की गई है। क्लब के मालिक और चेयरमैन आर्थर एम. ब्लैंक ने एक बयान में कहा, गार्थ की मजबूत इच्छाशक्ति और सकारात्मक सोच उन्हें एक बेहतरीन लीडर बनाती है। हमें पूरा भरोसा है कि वे इस मुश्किल समय को भी मजबूती से पार करेंगे।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

फायर सेफ्टी के मुद्दे पर अस्पतालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई

एडवांस ऑर्थोपेडिक द सर्जिकल, श्री दीप चिल्ड्रन केयर हॉस्पिटल, कविता प्रसूति गृह एवं जनरल हॉस्पिटल, और यून मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल को सील किया गया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

फायर सेफ्टी नियमों का उल्लंघन करने वाले अस्पतालों के खिलाफ प्रशासन ने सख्त कदम उठाया है। फायर सुरक्षा मानकों को पूरा न करने के कारण एडवांस ऑर्थोपेडिक द सर्जिकल, श्री दीप चिल्ड्रन केयर हॉस्पिटल, कविता प्रसूति गृह और जनरल हॉस्पिटल, तथा यून मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल को सील कर दिया गया है।

यह कार्रवाई उन अस्पतालों पर की गई है, जो बिना आवश्यक अग्निशमन सुरक्षा उपायों के संचालन कर रहे थे, जिससे

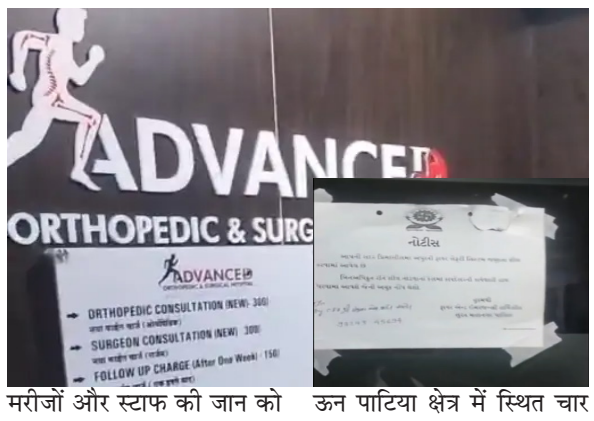

मरीजों और स्टाफ की जान को खतरा था। प्रशासन द्वारा यह कदम यह सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है कि शहर के अस्पतालों में अग्निकांड जैसी आपात स्थिति में जान-माल की सुरक्षा बनी रहे।

सूरत में फायर सेफ्टी के नियमों की अनदेखी को लेकर फायर विभाग ने सख्त रुख अपनाया है। पांडेसरा, अलथाण और ऊन पाटिया क्षेत्र में स्थित चार अस्पतालों को फायर सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करने के कारण सील कर दिया गया है। इस कार्रवाई के बाद अस्पताल संचालकों में भारी अफरा-तफरी का माहौल है।

श्री दीप चिल्ड्रन केयर अस्पताल को किया गया सील पांडेसरा के जलाराम नगर, बी-216, 177, पियूष पॉइंट पर स्थित ग्राउंड + पहली मंजिल की यह अस्पताल फायर सुरक्षा नियमों के उल्लंघन में पाई गई। इसलिए इसे फायर विभाग द्वारा सील किया गया।

कविता प्रसूति गृह और जनरल अस्पताल को सील किया गया कर्मयोगी सोसाइटी डिवीजन-1, गेट नंबर 2, प्लॉट नंबर 209 से 212, पियूष पॉइंट, पांडेसरा में स्थित यह ग्राउंड + तीन मंजिला अस्पताल भी नियमों का पालन न करने के कारण सील की गई।

एडवांस ऑर्थोपेडिक द सर्जिकल अस्पताल की चौथी मंजिल सील अलथाण के वीआईपी रोड स्थित केएसबी ओलंपिया मॉल की चौथी मंजिल पर चल रही यह अस्पताल भी फायर सेफ्टी नियमों का उल्लंघन करती पाई गई, जिसके चलते चौथी मंजिल को सील किया गया।

ऊन मल्टी स्पेशियलिस्ट अस्पताल की पहली और दूसरी मंजिल सील उधना-नवसारी मेन रोड पर ऊन पाटिया के पास रॉयल स्क्वेयर में स्थित इस अस्पताल की पहली और दूसरी मंजिल को फायर सुरक्षा में लापरवाही बरतने के कारण सील किया गया है।

फायर विभाग के अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि जनता की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। सभी अस्पतालों के लिए फायर सेफ्टी नियमों का पालन करना अनिवार्य है। भविष्य में भी जो अस्पताल इन नियमों का उल्लंघन करेंगे, उनके खिलाफ इसी तरह सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सूरत मेयर द्वारा ONGC ब्रिज की जांच की मांग पर NHI अधिकारी का टालमटोल भरा जवाब

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गुजरात के वडोदरा में पुल दुर्घटना के बाद अभी भी मृतकों की तलाश जारी है, बावजूद इसके सरकारी अधिकारियों का गैरजिम्मेदाराना रवैया कम नहीं हुआ है। सूरत में सबसे खतरनाक माने जाने वाले ONGC ब्रिज पर पहले ही तीन बार जहाज टकरा चुके हैं और इस ब्रिज से गुजरने वाले लोग

डरे हुए हैं। सूरत के सांसद ने भी इस ब्रिज की संरचनात्मक स्थिरता (Structural Stability) को लेकर सवाल उठाए हैं।

यह ब्रिज सूरत महानगरपालिका की सीमा में आता है, इसलिए सूरत के मेयर ने NHI (नेशनल हाई) के अधिकारी से ब्रिज की स्थिति और स्थिरता जांच को लेकर बात की। लेकिन अधिकारी ने हल्के में जवाब देते हुए कहा - "अगर आपको कोई सवाल या जानकारी चाहिए हो तो मुझे मेल कर दीजिए, हम जांच करवा देंगे।"

गौरतलब है कि वडोदरा-पादरा ब्रिज के गिरने से पहले उसका मरम्मत कार्य हुआ था और अधिकारियों ने दावा किया था कि यह ब्रिज 100 साल तक टिकेगा। लेकिन हादसा हुआ और कई लोगों की जान चली गई। इसके बावजूद अधिकारियों के रवैये में कोई बदलाव नहीं आया है।

सूरत में यह ब्रिज उस जगह स्थित है जहाँ तापी नदी और समुद्र मिलते हैं। इस ब्रिज से पहले ही तीन बार बड़े जहाज टकरा चुके हैं। इसके अलावा, हजारों भारी वाहन इस ब्रिज से प्रतिदिन गुजरते हैं, जिससे ब्रिज में कंपन होता है और आमजन में भय का माहौल है।

वडोदरा ब्रिज हादसे के बाद सूरत के सांसद मुकेश दलाल ने भी ONGC ब्रिज की संरचनात्मक स्थिरता पर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा था कि - "इस ब्रिज को लेकर पहले भी हादसे हुए हैं और स्पैन को नुकसान की आशंका है, इसलिए किसी विशेषज्ञ एजेंसी से स्ट्रक्चरल स्टेबिलिटी रिपोर्ट तैयार करवाई जानी चाहिए, ताकि भविष्य में किसी प्रकार की जानहानी से बचा जा सके।"

इसके अलावा, कई बार यह बात भी सामने आई है कि यह ब्रिज जोखिम भरा हो सकता है और मेयर दक्षा मावाणी को भी इस संबंध में कई शिकायतें मिली थीं। इसलिए उन्होंने ह।ढ्ढ के अधिकारी से इस ब्रिज की स्थिरता को लेकर जानकारी मांगी थी।

लेकिन अधिकारी ने यह कहकर बात को टाल दिया कि "इस ब्रिज की साल में दो बार जांच होती है, और जनवरी में जांच हो चुकी है, ब्रिज सुरक्षित है। यदि आपको कोई शिकायत हो या अलग से जांच करवानी हो तो मुझे मेल कर दीजिए, उस अनुसार कार्यवाही की जाएगी।" वडोदरा ब्रिज हादसे के बाद जब राज्य सरकार ने सभी ब्रिजों की जांच के आदेश दिए हैं, तब सूरत मेयर को इस तरह का जवाब देना जनता में चर्चा का विषय बन गया है।

गंभीर ब्रिज दुर्घटना के दोषियों पर होगी सख्त कार्रवाई: सी. आर. पाटील

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

मुझपुर-गंभीर ब्रिज दुर्घटना में अब तक 20 निर्दोष लोगों की मौत हो चुकी है। इसी बीच, आज शहर में आयोजित रोजगार भर्ती मेले में पहुंचे केंद्रीय जलशक्ति मंत्री और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सी. आर. पाटील ने हादसे पर प्रतिक्रिया देते हुए दोषी अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया।

सी. आर. पाटील आज वडोदरा दौरे पर थे, जहां रेलवे द्वारा आयोजित रोजगार मेले में नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में वे उपस्थित रहे। इस मौके पर मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि ब्रिज दुर्घटना

को लेकर सरकार ने आवश्यक कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कुछ अधिकारियों को सस्पेंड भी किया है।

पाटील ने आगे कहा, "मैं खुद मुख्यमंत्री से आग्रह करूंगा कि दोषी किसी भी हालत में न बच पाएं, इसके लिए हर आवश्यक कार्रवाई की जाए।"

गौरतलब है कि मुझपुर-गंभीर ब्रिज दुर्घटना में अब तक 20 लोगों की जान जा चुकी है, और एक व्यक्ति अब भी लापता है, जिसे लेकर रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है।

बेक़ाबू दौड़ती ST बस ने 5 बाइकों को मारी टक्कर,4 लोग घायल

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के सहारा दरवाजा क्षेत्र में एक बेक़ाबू एसटी बस द्वारा पांच से अधिक दोपहिया वाहन चालकों को टक्कर मारने की घटना से इलाके में भारी अफरा-तफरी मच गई। दुर्घटना के समय पिक आवर्स चल रहा था, और बस चालक की लापरवाही ने वाहन चालकों की जान खतरे में डाल दी। हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों में जबरदस्त आक्रोश देखने को मिला।

दुर्घटना में घायल हुए तीन दोपहिया वाहन चालकों को तत्काल इलाज के लिए सूरत के सिविल अस्पताल स्मीमेर में भर्ती कराया गया है। हादसे

के बाद पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और बस चालक के खिलाफ प्राथमिक शिकायत दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

घटना में 48 वर्षीय गोवर्धन नंदलाल जैन के पैर में फ्रैक्चर हुआ है, जिसके चलते उनके परिजन भी अस्पताल पहुंच गए। दुर्घटना के बाद गुस्साए स्थानीय लोगों और अन्य वाहन चालकों ने बस को घेर लिया, जिससे माहौल तनावपूर्ण हो गया।

बारडोली से सूरत एसटी डिपो की ओर जा रही यह बस सहारा दरवाजा गारनाला के पास भीषण ट्रैफिक जाम के बीच अनियंत्रित होकर एक के बाद एक पांच दोपहिया वाहनों को टक्कर मारती चली गई। इससे सड़क पर भगदड़ मच गई और कुछ समय के लिए पूरा ट्रैफिक जाम हो गया।

हादसे के बाद बस चालक मौके से फरार हो गया, जिसे पकड़ने के लिए पुलिस ने छानबीन शुरू कर दी है। प्राथमिक जांच के अनुसार, यह दुर्घटना चालक की लापरवाही और तेज रफ्तार के कारण हुई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और जल्द ही आरोपी चालक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सूरत शिक्षा समिति में 1600 शिक्षकों की कमी, केवल 287 पदों पर हुई भर्ती

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत नगर निगम द्वारा संचालित नगर प्राथमिक शिक्षा समिति में नया शैक्षणिक सत्र शुरू हुए एक महीने से ज्यादा समय हो गया है, लेकिन शिक्षकों की भारी कमी अब भी बनी हुई है। समिति में 1600 से अधिक स्थायी शिक्षकों की कमी है, जिसके विरुद्ध फिलहाल केवल 287 विद्या सहायकों की भर्ती की गई है।

हालांकि सूरत पालिका द्वारा गुजराती माध्यम को प्राथमिकता दी जाती है, फिर भी अब तक गुजराती माध्यम में भर्ती नहीं होने के कारण उसकी स्थिति अत्यंत दयनीय हो गई है। शिक्षकों की कमी के कारण एक ही शिक्षक को एक से अधिक कक्षाओं को पढ़ाना पड़ रहा है, जिससे पढ़ाई की गुणवत्ता पर गंभीर असर पड़ रहा है।

सूरत नगर प्राथमिक शिक्षा समिति का बजट 1000 करोड़ रुपये से अधिक है। समिति में कुल 5400 शिक्षकों की आवश्यकता है, लेकिन वर्तमान में 1600 शिक्षकों की कमी है। इसमें भी गुजराती माध्यम की स्कूलों में 700 से अधिक शिक्षकों की कमी दर्ज की गई है। गुजराती शिक्षा को प्राथमिकता देने के बावजूद इस कमी को पूरा करने में सरकार और प्रशासन विफल साबित हुए हैं।

इस कमी को दूर करने के लिए हाल ही में एक विद्या सहायक भर्ती मेले का आयोजन किया गया था, जिसमें सबसे ज्यादा भर्ती उर्दू माध्यम में की गई — 153 सहायक नियुक्त किए गए। इसके अलावा हिंदी माध्यम में 48, मराठी में 45, अंग्रेजी में 28 और उड़िया माध्यम में 13 विद्या सहायकों की भर्ती हुई, कुल मिलाकर 287 सहायक नियुक्त किए गए।

हालांकि समिति के पास 1000 करोड़ से अधिक का बजट है, फिर भी स्थायी शिक्षकों की जगह विद्या सहायकों, साथी सहायकों और ज्ञान सहायकों की भर्ती की जा रही है। गुजराती माध्यम में अब भी 700 से अधिक शिक्षकों की कमी बनी हुई है और कहा जा रहा है कि आगे भर्ती की जाएगी। लेकिन फिलहाल स्थिति यह है कि कई स्कूलों में एक शिक्षक को दो-तीन कक्षाएं संभालनी पड़ रही हैं, जिससे शिक्षण कार्य पर गंभीर असर पड़ रहा है।

शिक्षकों पर काम का अत्यधिक बोझ है, और वे छात्रों को न्याय नहीं दे पा रहे हैं। गुजराती माध्यम की यह स्थिति ग़रीब छात्रों की शिक्षा को सबसे अधिक प्रभावित कर रही है, लेकिन इसके समाधान के लिए प्रशासनिक स्तर पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।

सूरत कमिश्नर को खाड़ी बाढ़ निवारण समिति का अध्यक्ष बनाते ही पालिका तंत्र हुआ सतर्क

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में खाड़ी की बाढ़ से लाखों लोगों को हुई परेशानी और भारी जनाक्रोश के चलते सरकार अब हरकत में आ गई है। खाड़ी बाढ़ की समस्या के स्थायी समाधान के लिए एक समिति का गठन किया गया है। इस समिति के अध्यक्ष के रूप में सूरत नगर निगम के आयुक्त (कमिश्नर) की नियुक्ति होते ही पालिका तंत्र सक्रिय हो गया है। अब कल से खाड़ी क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने और सफाई का कार्य शुरू किया जाएगा।

हालांकि इस कार्रवाई से पहले ही एक चौंकाने वाला सर्वे सामने आया है, जिसमें बताया गया है कि पालिका के सरथाणा और उधना ज़ोन में 25 से अधिक अवैध कलवर्ट (छोटे पुल) बने हुए हैं। इन कलवर्ट को भी भविष्य में हटाया जाएगा।

पिछले कई वर्षों से सूरत में खाड़ी बाढ़ की गंभीर समस्या बनी हुई है, जिससे लाखों लोगों को परेशानी होती है और करोड़ों रुपए का नुकसान होता है। इस बार रेलिंग (निचले हिस्से) में पानी पांच दिनों तक भरा रहा, जिससे जनता में भारी आक्रोश है।

इस मुद्दे पर विवाद गहराने के बाद केंद्रीय मंत्री सी.आर. पाटिल की अध्यक्षता में एक अहम बैठक हुई। बैठक में खाड़ी बाढ़ के निवारण के लिए

दीर्घकालिक और तात्कालिक योजना बनाने हेतु एक समिति बनाने का निर्णय लिया गया। इस समिति में मनपा के पांच अधिकारियों सहित कुल 19 सदस्यों को शामिल किया गया।

दो दिन पहले समिति की पहली बैठक हुई, जिसमें विभिन्न विभागों ने अपने सुझाव दिए। पहले समिति के अध्यक्ष कलेक्टर सौरभ पारधी थे, लेकिन अब नगर आयुक्त शालिनी अग्रवाल को समिति का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति होते ही पालिका तंत्र एक्शन में आ गया है।

अध्यक्ष का चार्ज मिलते ही कमिश्नर ने मनपा अधिकारियों को तुरंत सक्रिय कर दिया है। खाड़ी बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों जैसे लिंबायत, उधना, वराछा-ए, वराछा-बी और अठवा ज़ोन में खाड़ी किनारे नगर निगम की जमीन पर हाल ही में किए गए अतिक्रमणों का सर्वेक्षण करने के आदेश दिए गए हैं।

एक सर्वे में सामने आया है कि सरथाणा ज़ोन में 20 के करीब अवैध ब्रिज और कलवर्ट हैं, जो खाड़ी के प्राकृतिक प्रवाह में बाधा बनते हैं और बाढ़ का खतरा बढ़ाते हैं। लिंबायत ज़ोन में 4-5, जबकि उधना ज़ोन में 5 अवैध ब्रिज और कलवर्ट हैं। हालांकि इन जानकारियों को अभी तक आधिकारिक रूप से सार्वजनिक नहीं किया गया है, लेकिन कल से इन अतिक्रमणों को हटाने की योजना तैयार की गई है। इसके अलावा, खाड़ी किनारे आरक्षित जमीनों और सरकारी जमीनों पर हुए अतिक्रमणों को लेकर भी रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं।

विशेष रूप से पहले चरण में गैरकानूनी कलवर्ट, सरकारी जमीन और आरक्षित क्षेत्रों पर से अतिक्रमण हटाने के लिए सभी ज़ोन तैयारियों में जुट गए हैं।

रंगोली एवं कक्षा सौंदर्याकरण प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,वेसु स्थित अग्रवाल विद्या विहार अंग्रेजी माध्यम महाविद्यालय, सूरत में महाविद्यालय के नवमे स्थापना दिवस के उपलक्ष में 卐रंगोली एवं कक्षा सौंदर्याकरण卐 प्रतियोगिता का आयोजन शनिवार को किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने अपनी कलात्मकता तथा सृजनात्मकता का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में प्रथम विजेता : द्वितीय वर्ष बी.बी.ए, द्वितीय विजेता : प्रथम वर्ष बी. कॉम एवं तृतीय वर्ष बी.ए, तृतीय विजेता = प्रथम वर्ष बी.बी.ए की कक्षा रहीं। अग्रवाल समाज विद्या विहार ट्रस्ट के अध्यक्ष संजय सरावगी, महाविद्यालय के मुख्य सलाहकार डॉ. यू.टी. देसाई, प्रभारी प्राचार्य एवं समस्त व्याख्यातागणो ने विजेताओं एवं प्रतिभागियों को शुभेच्छा दी।

कर्मचारियों के लिए मोटिवेशनल सेमिनार की किया आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, लक्ष्मीपति ग्रुप द्वारा अपने सभी यूनिट्स के कर्मचारियों के लिए मोटिवेशनल सेमिनार का आयोजन शुक्रवार को साढ़े सात बजे से सरसाना स्थित प्लेटिनम हॉल में किया गया। ग्रुप के डायरेक्टर संजय सरावगी ने बताया कि सेमिनार में विश्व प्रसिद्ध मोटिवेशनल स्पीकर विवेक बिंद्रा ने व्याख्यान दिया।

उन्होंने कहा की कर्मचारियों को अपनी कार्यखुशलता का पूरा उपयोग करना चाहिए। हम सब मिलकर अगर एक दिशा में मेहनत करें, तो कोई भी लक्ष्य दूर नहीं। सफलता हमारी टीमवर्क और सकारात्मक सोच पर निर्भर करती है। सेमिनार में लक्ष्मीपति ग्रुप के डायरेक्टर गोविंद प्रसाद सरावगी, संजय सरावगी, मनोज सरावगी, राकेश सरावगी उपस्थित रहें।